फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

# भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

दिल्ली, सोमवार 25 मई 2026

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक



**आवश्यकता है**

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिगं एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सम्पर्क करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM



वर्ष : 23 अंक : 43 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये


# व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, ट्रम्प अंदर मौजूद थे

● सुरक्षाबलों ने संदिग्ध व्यकिति को गोली मारी,मौत ● ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की मिल चुकी है धमकी

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। भारतीय समयानुसार यह घटना शनिवार रात करीब 3.30 बजे से सुबह 5 बजे के बीच हुई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के पास संदिग्ध हमलावर ने सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर गोलियां चलाई, जहां यूएस सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। अफसरों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को गोली लगी। हॉस्पिटल

ले जाने पर उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान 21 साल के नासिर बेस्ट के तौर पर हुई है। वह अमेरिका के मैरीलैंड राज्य का रहने वाला था। इस गोलीबारी में एक आम नागरिक भी गोली लगने से घायल हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि अभी यह साफ नहीं है कि उसे हमलावर की गोली लगी या जवाबी फायरिंग के दौरान चोट पहुंची। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी। इस मामले में एक इराकी युवक को गिरफ्तार किया गया था। वह ईरानी सेना से जुड़ा हुआ था। आरोपी के पास इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर के फ्लोरिडा स्थित घर का ब्लूप्रिंट मिला था।

## इलाके में 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही

गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद पत्रकारों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस एजेंट्स हथियारों के साथ पूरे इलाके में तैनात हो गए और करीब 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। व्हाइट हाउस कॉम्प्लेक्स के नॉर्थ लॉन को खाली करा दिया गया है। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुरक्षा एजेंसियां फायरिंग की खबर पर कार्रवाई कर रही हैं।

## रिपोर्ट-हमलावर खुद को जीजस मानता था

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नासिर बेस्ट मानसिक रूप से परेशान था और वह पहले भी कई बार व्हाइट हाउस के आसपास देखा गया था। उसके खिलाफ कोर्ट का आदेश था कि वह व्हाइट हाउस के पास नहीं आए, लेकिन उसने इस आदेश को नहीं माना। रिपोर्ट के मुताबिक, 26 जून 2025 को उसने सड़क पर गाड़ियों का रास्ता रोक दिया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेंटल हेल्थ सेंटर भेजा गया था। करीब दो हफ्ते बाद, 10 जुलाई 2025 को वह व्हाइट हाउस के प्रतिबंधित इलाके में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गिरफ्तारी के समय उसने खुद को आज के दौर का जीजस बताया था। उसने अधिकारियों से यह भी कहा था कि वह गिरफ्तार होना चाहता था।

**संक्षिप्त समाचार**

## बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमला

● 24 लोगों की मौत, 82 घायल,जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी

मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

### किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की। फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं।

## रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करेगी बंगाल सरकार

● सीएम शुभेंदु अधिकारी का जिला कलेक्टरों को बड़ा आदेश

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग का काम शुरू हो गया है। इस सब के बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली सरकार से बड़ा अपडेट सामने आया है। राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या को डिपोर्ट करने का आदेश दिया है। इसके लिए राज्य में रोंहिग्या के लिए होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल में घुसपैठियों पर बड़ा ऐक्शन लेने की तैयारी की है। इसके तहत अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ को भी तेज किया जाएगा। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बंगाल से चुन-चुन अवैध घुसपैठियों को बाहर करने का वादा किया था।

# मोदी सरकार में पहली बार हुआ मंत्रियों का रिव्यू

### 'संतोषजनक' रेटिंग के बाद हरकत में आए मिनिस्टर्स

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालयों का रिव्यू किया गया, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर कई मंत्रालयों को संतोषजनक श्रेणी में रखा गया है। इस मूल्यांकन का खास महत्व है क्योंकि सरकार की ओर से जब भी कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा तो मंत्रालयों का यही रिपोर्ट कार्ड निर्णायक साबित होगा। एनडीटीवी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बैठक की, जिसमें कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सरकार के सभी मंत्रालयों के कामकाज पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

### मंत्रियों ने संभाला मोर्चा

कई मंत्रियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा पुराने और अप्रासंगिक नियमों को समाप्त करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद कृषि मंत्री ने अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक में प्रशासनिक कार्य-संस्कृति में बदलाव लाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फाइल तैयार करने, निर्णय लेने और मसौदा तैयार करने की गुणवत्ता में सुधार लाने की आवश्यकता है। ड्राफ्टिंग को एक अहम क्षेत्र बताते हुए उन्होंने विभागों से आग्रह किया कि वे ऐसे अधिकारियों को प्रशिक्षित करें जो मजबूत, स्पष्ट और नीति के अनुरूप तरीके से फाइलें और नोट्स तैयार कर सकें।

## राहुल का मोदी सरकार गिराना, सपने देखने जैसा

● भाजपा बोली-'टूलकिट गैंग' की फितरत सब जानते

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राहुल गांधी के केंद्र सरकार गिरने की भविष्यवाणी करने को लेकर भाजपा ने रविवार को पलटवार किया। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राहुल का बयान दिन में सपने देखने जैसा है। वहीं

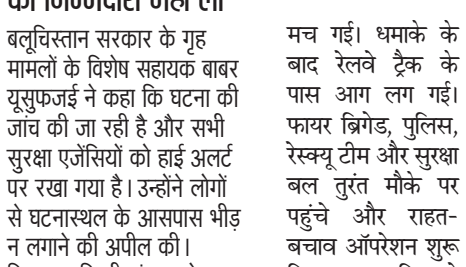

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल का बयान एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। जिसमें कांग्रेस, अन्य विपक्षी दल और टूलकिट गैंग शामिल हैं। ये लोग मिलकर भारत को अस्थिर करने का सपना देख रहे हैं। दरअसल राहुल गांधी शनिवार को कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की एक बैठक में शामिल हुए थे। सूत्रों के मुताबिक राहुल ने बैठक में कहा कि एक साल के अंदर केंद्र सरकार गिर जाएगी। पीएम मोदी की विदाई तय है।

### भारत में आग लगाने की साजिश कामयाब नहीं होगी

भाजपा ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश में अराजकता फैलाकर मोदी सरकार को अस्थिर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। बीजेपी ने दावा किया कि राहुल गांधी विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- राहुल गांधी और उनके साथी पूरे देश में हिंसा भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।


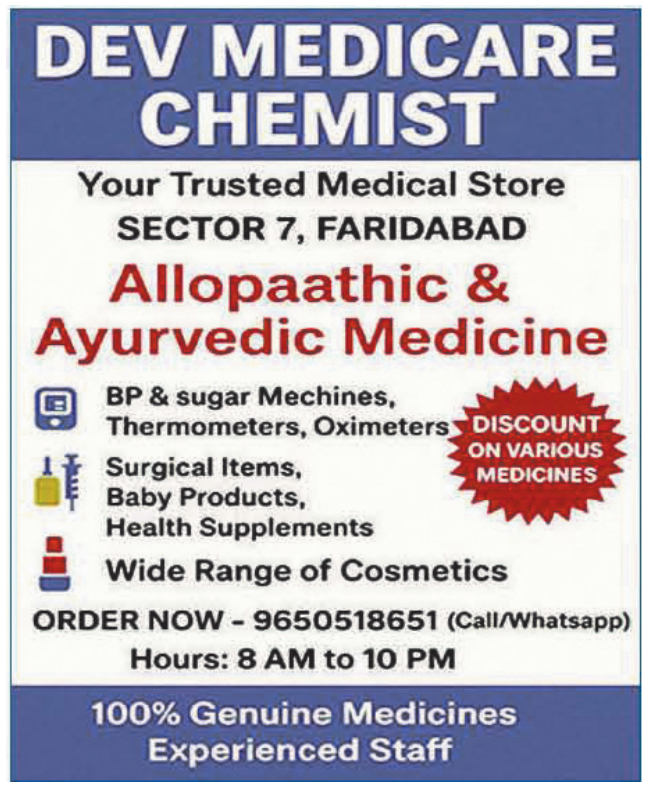

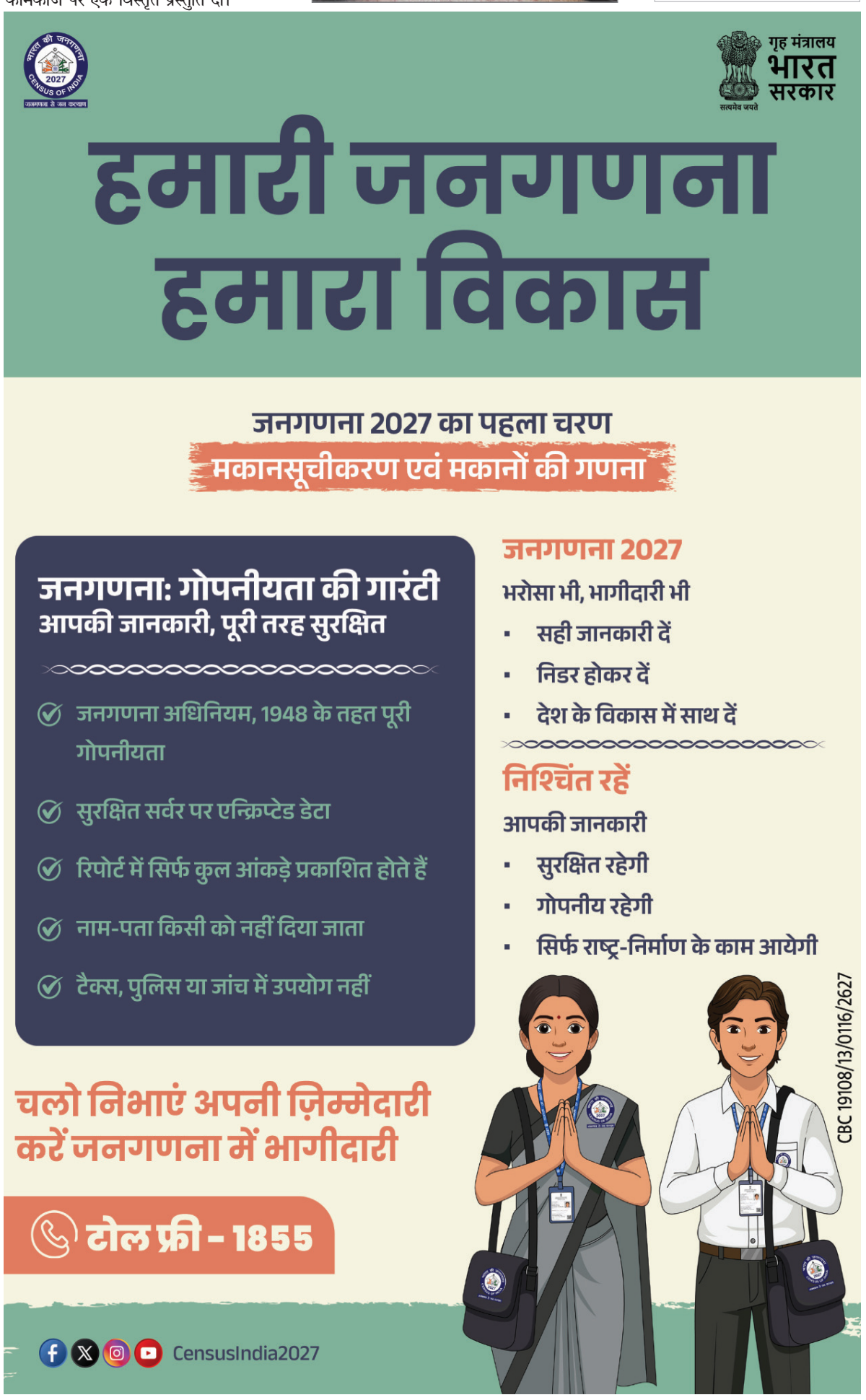

# पंजाब के खिलाड़ियों ने दुनिया भर में तिरंगे का मान बढ़ाया, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पुरस्कार और इनामी राशि से खिलाड़ियों का सम्मान

## 87 खिलाड़ी महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित, विभिन्न खेलों में पदक विजेता 1070 खिलाड़ियों का सम्मान - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

## 43 करोड़ 66 लाख रुपये की लागत से बनने वाले युवा भवन का शिलान्यास रखा

**चंडीगढ़,** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब के इतिहास में बड़े खेल आयोजन के दौरान महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार विजेता 87 खिलाड़ियों और 1,070 पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 32.05 करोड़ रुपये की इनामी राशि से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गांवों से लेकर अंतरराष्ट्रीय खेल मैदानों तक प्रांत में खेलों के लिए व्यापक घोषणाएँ कीं। पंजाब को उभरती खेल शक्ति बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने न केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को 1-1 करोड़ रुपये से सम्मानित किया बल्कि 9 खिलाड़ियों को नौकरियां भी प्रदान की हैं। पहली बार टूर्नामेंट की तैयारी के लिए 220 खिलाड़ियों को 8.61 करोड़ रुपये की सीधे बैंक खातों के माध्यम से वित्तीय सहायता दी गई।

आज यहां सेक्टर-35 में म्यूनिसिपल भवन में आयोजित समारोह के दौरान खेलों के क्षेत्र में निर्णायक बदलाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने वर्ष 2026-27 के लिए 1,763 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक खेल

बजट और जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभा को निखारने के लिए 1,300 करोड़ रुपये की लागत से 3,148 ग्रामीण खेल मैदान विकसित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब पहली बार एशियाई चैंपियनशिप ट्रॉफी की मेजबानी करेगा और एक नवंबर को पंजाब दिवस पर भारत-पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला होगा। पिछली सरकारों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब, देश के लिए असंख्य चैंपियन पैदा करने के बावजूद पहले कभी भी राज्य को किसी बड़े खेल आयोजन की मेजबानी करने का मौका नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि खेल संघों पर वास्तविक खिलाड़ियों के बजाय राजनीतिक रूप से जुड़े व्यक्तियों का दबदबा रहा।

शानदार सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह दिन पंजाब के लिए ऐतिहासिक पल है क्योंकि 87 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि विभिन्न खेलों के 1,070 पदक विजेता खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, पंजाब के इतिहास में पहली बार सरकार ने खिलाड़ियों में 32.05 करोड़ रुपये की इनामी राशि वितरित की है। पंजाब सरकार ने न केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को 1-1 करोड़ रुपये से सम्मानित किया है, बल्कि 9 पदक विजेता खिलाड़ियों को नौकरियां भी प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के माध्यम से देश और राज्य का बहुत मान बढ़ाया है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके साथ मजबूती से खड़े हों और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें वह सम्मान, मान्यता और सहयोग मिले जिसके वे हकदार हैं।

पंजाब सरकार के खेलों के प्रति दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पहली बार पंजाब के 220 खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए 8.61 करोड़ रुपये दिए गए। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने राज्य भर में खेलों के बुनियादी ढांचे और एथलीटों के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,763 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड खेल बजट आवंटित किया है। गांवों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निखारने के लिए 1,300 करोड़ रुपये की लागत से 3,148 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। ये मैदान गांवों के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रकाश स्तंभ बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पहली बार एशियाई चैंपियनशिप ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जिसे राज्य की खेल विरासत के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने आगे घोषणा की कि इस टूर्नामेंट के दौरान बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मैच पंजाब दिवस पर करवाया जाएगा। उन्होंने कहा, पंजाब ने देश को असंख्य पदक और चैंपियन दिए हैं, फिर भी पिछली सरकारों ने कभी यह सुनिश्चित नहीं किया कि राज्य को बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने का मौका मिले। हमने उस मानसिकता को बदल दिया है और पंजाब को भारत के खेल मानचित्र के केंद्र में लाया है।

पुरानी व्यवस्था पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में खेल संघों पर पहले राजनीतिक रूप से जुड़े व्यक्तियों का दबदबा था, लेकिन पंजाब सरकार ने उस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिया है और मेरिट के आधार पर आम खिलाड़ियों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं।

पंजाब को खेलों की महाशक्ति में बदलने के लिए बड़ी पहल करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने शीर्ष राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार प्रदान करके और बड़े पैमाने पर नकद पुरस्कार वितरित करके वर्ष 2019 से 2023 तक के बकाया सम्मानों के दशकों लंबे बैकलॉग को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है।

## हर घर तक स्वच्छ पेयजल व सीवरेज सुविधा पहुंचाना सुनिश्चित करें- नायब सिंह सैनी

**चंडीगढ़,** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हर घर तक स्वच्छ पेयजल व सीवरेज सुविधा पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जनस्वास्थ्य विभाग नागरिकों को विकसित देशों की तर्ज पर पेयजल व सीवरेज सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए अगले 5 साल का लक्ष्य तैयार करे और इसकी कार्ययोजना को टाईमलाइन सहित इसे अगली बैठक में प्रस्तुत करे। यह निर्देश मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने प्रदेश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सरकार द्वारा अलॉट किए गए 100-100 वर्ग गज प्लाटों तथा नई अप्रूव्ड कालोनियों में पेयजल व सीवरेज सुविधाओं की जानकारी लेते हुए इनकी उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन ने विभाग के अगले 5 वर्षों के विजन के तहत जलापूर्ति कनेक्शन आधारभूत ढांचे, सीवरेज कनेक्शन, उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, सेंट्रलाइज्ड एसटीपी मॉनिटरिंग, तथा एआई सक्षम शिकायत विश्लेषण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अगले 5 वर्ष का रोडमैप प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पीने का पानी जीवन की पहली जरूरत है और केंद्र सरकार की तहर प्रदेश सरकार भी हर नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने को अपनी जिम्मेदारी मानती है। उन्होंने कहा कि हर 5000 की आबादी पर एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की कार्ययोजना तैयार की जाए और सभी जलघरों को नहरी पानी से आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सरकार द्वारा जहां-जहां पात्र परिवारों को 100-100 वर्ग गज के प्लाट उपलब्ध करवाए गए हैं और जो कालोनियां वैध की गई हैं उन सभी में प्राथमिकता के आधार पर पेयजल, सीवरेज, बिजली सुविधा दी जाए और सड़क बनवाई जाए। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य के स्मार्ट शहर बनाने होंगे जहां 24 घंटे पेयजल आपूर्ति हो सके। इसके पायलट प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने गुरुग्राम जैसे किसी एक या दो शहरों का चयन करके प्रयोग करने को कहा जिसके शत-प्रतिशत घरों में पानी के कनेक्शनों पर मीटर लगे हों। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो नहरों से जलघरों तक पानी पाइपों के माध्यम से लाया जाए ताकि इसकी वाष्पीकरण से होने वाली बर्बादी को रोका जा सके।

## जन्म से कोई इंसान नहीं बनता, शिक्षा ही उसे बेहतर इंसान बनाती है - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

**चंडीगढ़,** हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि जितने भी सेवा के कार्य है उन सब कार्यों में सबसे श्रेष्ठ शिक्षा देने का काम है। केवल जन्म लेने से कोई इंसान नहीं बन सकता, शिक्षा उसे इंसान बनाती है, शिक्षा कायदे-कानून से उसको अवगत कराती है।

श्री विज आज अम्बाला छावनी के बंगाली मोहल्ले में मुसद्दी लाल आर्य कन्या उच्च विद्यालय के वार्षिकोत्सव के दौरान बोल रहे थे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बच्चा कच्ची मिट्टी की तरह है और यह कुम्हार के हाथ में है कि वह उसे ढाल के क्या बनाएगा। इसी प्रकार, शिक्षाविदों के हाथ में है कि बच्चों को कैसी शिक्षा देकर क्या बनाया जाएगा। स्कूल व गुरुकुल में अंतर है। स्कूल में केवल शिक्षा, अक्षर ज्ञान कराया जाता है। मगर, गुरुकुल में शिक्षा के साथ संस्कार भी दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता है। मगर सोने की चिड़िया कहलाए जाने वाले हमारे देश में बाहरी आक्रमणकारी समय-समय पर लूटते रहे और अपना प्रभाव डालते रहे। हमारी सभ्यता में हर रिश्ते का नाम था मगर, बाहरी आक्रमणकारियों ने हमारे मूल्यों को भी परिवर्तित किया। उन्होंने पंक्तियां पढ़ते हुए कहा कि यू तो रहा है दुश्मन दौरे-ए-जमां हमारा, कुछ तो है हस्ती मिटती नहीं हमारी। देश में बड़े-बड़े आक्रमणकारी आए, मगर हम फिर से खड़े हुए।

## जिला की 395 ग्राम पंचायतों में खोलेंगे लाइब्रेरी: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हर घर तक स्वच्छ पेयजल व सीवरेज सुविधा पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जनस्वास्थ्य विभाग नागरिकों को विकसित देशों की तर्ज पर पेयजल व सीवरेज सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए अगले 5 साल का लक्ष्य तैयार करे और इसकी कार्ययोजना को टाईमलाइन सहित इसे अगली बैठक में प्रस्तुत करे। यह निर्देश मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने प्रदेश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सरकार द्वारा अलॉट किए गए 100-100 वर्ग गज प्लाटों तथा नई अप्रूव्ड कालोनियों में पेयजल व सीवरेज सुविधाओं की जानकारी लेते हुए इनकी उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन ने विभाग के अगले 5 वर्षों के विजन के तहत जलापूर्ति कनेक्शन आधारभूत ढांचे, सीवरेज कनेक्शन, उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, सेंट्रलाइज्ड एसटीपी मॉनिटरिंग, तथा एआई सक्षम शिकायत विश्लेषण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए

# सीमा पार से नशा तस्करी मॉड्यूल से जुड़े चार आरोपी 28.12 किलो हेरोइन और 9.5 लाख रुपये ड्रग मनी समेत गिरफ्तार

## गिरफ्तार आरोपियों को उनके विदेशी हैंडलरों द्वारा नशीले पदार्थों की खेप आगे सप्लाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी- डीजीपी गौरव यादव

**चंडीगढ़/फिरोजपुर,** पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए जारी अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने चार आरोपियों को 28.12 किलोग्राम हेरोइन और 9.5 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से संचालित नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान बगीचा सिंह और भूपिंदर सिंह निवासी गांव बोगी वाला, गुरु हर सहाय; साजन निवासी गांव अराइयां वाला; तथा छिंदरपाल सिंह उर्फ रिंकू निवासी लखा सिंह वाला, फिरोजपुर के रूप में हुई है। हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीम ने आरोपियों की हुंडई क्रेटा कार भी जब्त कर ली है, जिसका इस्तेमाल वे नशा तस्करी के लिए कर रहे थे।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस मॉड्यूल के विदेशी तस्करों और हैंडलरों से संबंध थे, जिन्होंने कथित तौर पर गिरफ्तार

आरोपियों को भारतीय क्षेत्र के भीतर नशीले पदार्थों की खेप प्राप्त कर उसे आगे वितरित करने का काम सौंपा था। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के लिंक का पता लगाने के लिए आगे जांच की जा रही है ताकि सीमा पार से संचालित पूरे नशा तस्करी नेटवर्क का सफाया किया जा सके। एआईजी सीआई फिरोजपुर गुरसेवक सिंह ने बताया कि पुलिस को संदिग्ध बगीचा सिंह, भूपिंदर सिंह, साजन और छिंदर पाल उर्फ रिंकू द्वारा कुछ दिन पहले सीमा पार से हेरोइन की खेप प्राप्त किए जाने संबंधी विश्वसनीय सूचना मिली थी। जानकारी में आगे पता चला कि अपने हैंडलरों के निर्देशों पर उक्त संदिग्ध यह खेप आगे किसी अन्य पक्ष को पहुंचाने जा रहे हैं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गुरु हर सहाय क्षेत्र में आरोपियों को घेर लिया और उनके कब्जे से 28.12 किलोग्राम हेरोइन तथा 9.5 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद कर ली। एआईजी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को उनके हैंडलरों द्वारा मोटी रकम देने का वादा किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि जांच आगे बढ़ने के साथ आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगी होने की संभावना है। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के तहत थाना एसएसओसी फाजिल्का में एफआईआर नंबर 13 दिनांक 23.05.2026 दर्ज की गई है।

## गैंगस्टरां ते वार का 124वां दिन- पंजाब पुलिस द्वारा 529 स्थानों पर छापेमारी; 269 गिरफ्तार

**चंडीगढ़,** राज्य में चल रहे निर्णायक अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के 124वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 529 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई निर्णायक लड़ाई है, जिसे 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू किया गया था। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं।

उन्होंने बताया कि 124वें दिन पुलिस टीमों ने दो हथियारों सहित 269 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान शुरू होने के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या 31,699 हो गई है। इसके अलावा 100 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 16 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 11 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया।

## सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 31 जुलाई,2026 तक करें आवेदन

**चण्डीगढ़,** हरियाणा सरकार द्वारा पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री सहित प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की सिफारिशों के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शुमार इन पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी, 2027 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाएगी।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि इन पद्म पुरस्कारों के लिए सिफारिशें political w.hry@gmail.com या hrathee.cso@hry.gov.in पर 10 जून, 2026 तक भेजी जा सकती हैं। केन्द्र सरकार द्वारा केवल ऑनलाइन पोर्टल https://awa उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कारों, अर्थात् पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, को देश के सर्वोच्च नागरिक

# आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगा - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

## ऊर्जा मंत्री ने शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और दिए दिशा-निर्देश

**चण्डीगढ़,** हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी भी इस स्मारक का अवलोकन कर चुके है, इसी के दृष्टिगत जो शेष कार्य बचे हुए है संबधित विभाग व एजेंसी उसे युद्ध स्तर पर करना सुनिश्चित करें।

ऊर्जा मंत्री आज शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसडीएम अम्बाला छावनी कनिका गोयल व शहीद स्मारक के निदेशक डा. कुलदीप सैनी मौजूद रहे। श्री अनिल विज ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यहां पर बनाया जा रहा आजादी की पहली लड़ाई का स्मारक राष्ट्रीय स्तर का स्मारक है तथा यहां पर दूर-दराज से पर्यटक आकर इसकी सुंदरता का आभास करेंगे 7 उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इस स्मारक का उद्घाटन करेंगे। ऊर्जा मंत्री ने बैठक के दौरान संबंधित एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेने के

उपरांत यहां पर टिकट की बेहतर व्यवस्था बारे, एंट्री एवं एग्जिट गेट के अलावा अनाधिकृत गेट न लगाने बारे, म्यूजियम में लाईटिंग की व्यवस्था बारे, सीढ़ियों के साथ लाइटिंग की व्यवस्था के साथ-साथ रैंप की व्यवस्था बारे, स्मारक परिसर में रेलिंग की व्यवस्था बारे, स्मारक के अंदर गैलरी से शुरू होकर बाहर तक आने वाले रास्ते एवं अन्य बिंदुओं बारे अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की प्रोजेक्ट निदेशक को निर्देश दिए कि शहीद स्मारक के बाहर यानि जीटी रोड पर एक्सीलेटर की व्यवस्था करने तथा जीटी रोड पर फैंसी लाइट तथा पौधारोपण किया जाए।

आजादी की पहली लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी यानि मेरठ से 10 घंटे पहले क्रांतिकारियों ने इसकी शुरुआत कर दी थी जिसके तथ्य भी है। उन्होंने कहा कि इस सारे विवरण को यहां पर थ्री-डी के माध्यम से दर्शाया जाए ताकि यहां पर आने वाले पर्यटकों एवं अन्य को आजादी की पहली लड़ाई एवं उसकी घटनाओं तथा इतिहास के बारे में संपूर्ण जानकारी मिल सके।

# भगवंत मान सरकार धान सीजन के दौरान किसानों को निर्बाध 8 घंटे बिजली सप्लाई सुनिश्चित कर रही है : तरुनप्रीत सिंह सौंद

**चंडीगढ़ ।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आज बिजली मंत्री स.तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) द्वारा आगामी धान बुवाई सीजन के दौरान किसानों को निर्बाध 8 घंटे बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए व्यापक और आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

बिजली मंत्री स.तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा विभिन्न जिलों के लिए धान सीजन संबंधी जारी किए गए शेड्यूल के अनुसार 8 घंटे बिजली सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। यह समय-सारणी 1 जून से गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर, तरनतारन, रूपनगर, एसएएस नगर, फतेहगढ़ साहिब और होशियारपुर जिलों में लागू होगी, जबकि 5 जून से फरीदकोट, बठिंडा, फिरोजपुर, श्री मुक्तसर साहिब और फाजिल्का जिलों में लागू की जाएगी। इसके अतिरिक्त 9 जून से लुधियाना, मलेरकोटला, मानसा, मोगा, पटियाला, संगरूर, बरनाला, कपूरथला, जालंधर और एसबीएस नगर जिलों में प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और धान सीजन के दौरान किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पीएसपीसीएल राज्य में कृषि हेतु जारी प्रत्येक मोटर कनेक्शन को प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक बिजली उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेगा, ताकि किसान बिना किसी परेशानी के धान की रोपाई सुचारू रूप से कर सकें।

उन्होंने कहा, पंजाब के मेहनती किसान देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राज्य सरकार इस महत्वपूर्ण समय के दौरान उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने आगे कहा, बिजली वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी के लिए पूरे राज्य में पीएसपीसीएल के अधिकारियों और तकनीकी स्टाफ की समर्पित टीमें तैनात की गई हैं। फील्ड अधिकारियों को 24 घंटे उपलब्ध रहने तथा किसी भी प्रकार की खराबी, ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याओं और अन्य तकनीकी दोषों का प्राथमिकता के आधार पर तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, धान रोपाई के दौरान किसानों की शिकायतों का तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कंट्रोल रूम तथा शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक मजबूत किया गया है।

तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा, पीएसपीसीएल ने पहले ही ट्रांसमिशन लाइनों, ट्रांसफार्मरों तथा अन्य बिजली ढांचे के आवश्यक रखरखाव संबंधी कार्य पूरे कर लिए हैं ताकि मांग के इस सीजन के दौरान अनावश्यक बाधाओं से बचा जा सके।

बिजली मंत्री ने आगे कहा, पंजाब सरकार राज्य में बिजली ढांचे को और मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा सभी क्षेत्रों, विशेषकर कृषि क्षेत्र को आवश्यक बिजली उपलब्ध करवाना भगवंत मान सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है।

## संक्षिप्त समाचार

### भाजपा के सारे इंजन पैसे लूटने में लगे हैं', आप नेता मनीष सिसोदिया का बीजेपी पर तीखा वार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें बीजेपी पर तंज कसा गया। मनीष सिसोदिया ने एक्स पर शेयर की गई पोस्ट में लिखा, बीजेपी ने दिल्ली का क्या हाल कर दिया है... सारे इंजन पैसे लूटने में लगे हैं। एक महीने से हजारों लोगों की जिंदगी बिना पानी के मुश्किल में है। औरतें नहाने के लिए अपने ऑफिस जाने को मजबूर हैं, बहुत शर्मनाक। उन्होंने आगे लिखा कि दिल्ली की जनता से वोट मांगने वाले प्रधानमंत्री ने जनता को एक भ्रष्ट और नाकाबिल सरकार के भरोसे छोड़ दिया है, और टॉफियां बांटने की रील बनाने में लगे हैं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे देश में बढ़ती पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों को लेकर भी आप ने बीजेपी पर हमला बोला था।

### जेएनयू के हॉस्टल में जातिगत टिप्पणी के मामले में गहराया विवाद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में जेएनयू के ताप्ती में हुई मारपीट की घटना को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जेएनयू छात्र संघ ने इस मामले की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। छात्र संघ के अनुसार, एक छात्र पर हमला किया जा रहा था, जिसे रोकने के प्रयास के दौरान ताप्ती के एक पदाधिकारी के साथ मारपीट की गई। इस दौरान पदाधिकारी पर जातिगत टिप्पणी किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना में उन्हें चोटें आई हैं, जिससे परिसर में तनाव का माहौल है। छात्र संघ ने प्रशासन पर गंभीरता से कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

### दिल्ली में कई विकास कार्यों का लोकार्पण, लोगों को मिलेगी राहत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं निरीक्षण किया। मूनक नहर स्थित छठ घाट निर्माण कार्य का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। शनिवार को मुख्यमंत्री ने मूनक नहर के निकट निर्माणाधीन छठ घाट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्थाओं से जुड़े स्थलों के विकास और आधुनिकीकरण के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग के एडी ब्लाक एवं एपी ब्लाक पीतमपुरा में नागरिक सुविधाओं से संबंधित अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण किया। एडी ब्लाक शालीमार बाग में सड़कों, नालियों और गलियों के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया।

# खत्म नहीं होगी दिल्ली वालों की मुश्किलें! अगले 5 दिनों तक चलेगी 'लू'; आईएमडी का येलो अलर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में पिछले कई दिनों तक अधिक गर्मी और लू चलने के बाद शनिवार सुबह धूल भरी आंधी चलने और कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बीते कल की तुलना में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस से अधिक की कमी रही। कहीं भी लू की स्थिति नहीं रही। लेकिन, रविवार से फिर से तापमान बढ़ने के साथ ही लू चलने का पूर्वानुमान है। अगले पांच दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा। इसे लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार व सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट और उसके बाद तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार

तड़के धूल भरी आंधी और गरज के साथ कई स्थानों पर हल्की वर्षा हुई। पूसा रोड पर 81 किमी प्रति घंटे, पालम में 56 किमी प्रति घंटे और भारत मंडपम क्षेत्र में 35 किमी प्रति घंटे तक तेज हवा चली। धूल भरी आंधी के कारण पालम हवाई अड्डे पर भी दृश्यता में काफी कमी दर्ज की गई, जहां एक घंटे के भीतर दृश्यता 3,500 मीटर से घटकर 1,500 मीटर हो गई थी। नौ बजे के आसपास मौसम साफ होने के साथ ही आसमान में धूल खिल गई। पूरे दिन हल्की हवा चलती रही। आईएमडी के के आंकड़ों के अनुसार, रिज क्षेत्र में शुक्रवार रात 11:30 बजे से शनिवार सुबह ढाई बजे बजे के बीच 0.2 मिमी वर्षा हुई, जबकि पूसा में शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे से साढ़े आठ बजे के बीच 0.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। कई अन्य स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हुई।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार देर रात व शनिवार सुबह मौसम में बदलाव होने के कारण दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम और अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 29.3 डिग्री सेल्सियस था जो शनिवार को कम होकर 28.4 डिग्री सेल्सियस हो गया। वहीं, अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो कि शुक्रवार को 43.3 था। रविवार से तापमान में वृद्धि होगी और यह 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है।

## सफदरजंग एन्क्लेव में 4 करोड़ की लागत से दूर होगी सीवर समस्या, आधुनिक तकनीक से होगा काम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सफदरजंग एन्क्लेव में लंबे समय से बनी सीवर ओवरफ्लो की समस्या से लोगों को जल्द ही स्थायी राहत मिलेगी। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की ओर से मेन ट्रंक लाइन की सफाई का कार्य पूरा करने के लिए टेंडर जारी हो चुका है। तकरीबन चार करोड़ की लागत से सीवरेज की सफाई का काम मुंबई की एक कंपनी आधुनिक क्योर्ड इन प्लेस पाइप (सीआइपीपी) तकनीक से पूरा करेगी। इसे लेकर जल्द ही वर्क आर्डर पूरे होने के बाद बाद काम कर दिया जाएगा। इलाके में सीवर ओवरफ्लो और दूषित पानी की आपूर्ति की समस्या आए दिन रहती है। कई शिकायतों के बाद स्थानीय विधायक के नेतृत्व में डीजेबी अधिकारियों की टीम ने फरवरी में इलाके का निरीक्षण किया था। इस दौरान सामने आया था कि 1200 एमएम डायमीटर की मेन ट्रंक सीवर लाइन अफ्रीका एवेन्यू रोड और रिंग रोड के बीच भीकाजी कामा प्लेस के पास पूरी तरह चोक और कई जगहों से क्षतिग्रस्त है। इसकी वजह से सफदरजंग एन्क्लेव की अंदरूनी सीवर लाइनों पर सरचार्ज है। इसके बाद से ट्रेंचलेस तकनीक से सीवर की सफाई का काम कराने के प्रयास जारी थे।

इलाके में सीवर ओवरफ्लो और दूषित जलापूर्ति दोनों मामलों को कई बार प्रमुखता से प्रकाशित किया है। इसके

बाद विधायक के निर्देशों पर जल बोर्ड ने राहत दिलाने के लिए कई उपाय किए हैं। अंदरूनी इलाकों में सीवर पाइपलाइन बदलने का काम चल रहा है। वहीं बी-3 ब्लाक में सीवर ओवरफ्लो की परेशानी ज्यादा थी, तो निदान के लिए सीवर को फिलहाल दूसरी ट्रंक लाइन में डायवर्ट किया गया है। सीआइपीपी तकनीक सीवर की मरम्मत करने की एक आधुनिक ट्रेंचलेस (बिना खुदाई वाली) तकनीक है। इसमें सड़कों या जमीन को खोदे बिना पानी के तेज दबाव (हाइड्रोजेटिंग) या मशीनों द्वारा पाइप के अंदर जमी गंदगी की सफाई की जाती है। साथ ही पुरानी व क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की पहचान कर इसी पाइप के अंदर एक नई और मजबूत पाइप बना दी जाती है। इस प्रक्रिया में पुरानी तकनीक के मुकाबले समय कम लगता है और यह लंबे समय तक टिकाऊ रहती है।

### अगले 15 दिन में काम शुरू होगा

अफ्रीका एवेन्यू रोड और रिंग रोड के बीच भीकाजी कामा प्लेस तक मेन ट्रंक लाइन चोक होने की वजह से सफदरजंग एन्क्लेव में लंबे समय से सीवर ओवरफ्लो की परेशानी है। मेन ट्रंक लाइन की सफाई के लिए टेंडर जारी हो चुका है। सीवर की गहराई 20 फीट से ज्यादा है, इसलिए यह काम बिना खुदाई वाली आधुनिक साआइपीपी तकनीक से पूरा किया जाएगा। जल्द ही इसके वर्क आर्डर पास होंगे और आने वाले 15 दिनों में समस्या से राहत मिल जाएगी।

## 'कॉकरोच जनता पार्टी' की वेबसाइट भी बंद, अभिजीत दीपके के घर के बाहर पुलिस तैनात

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सीजेआई सूर्यकांत की युवाओं को लेकर टिप्पणी के बाद इंटरनेट पर तहलका मचाने वाली 'कॉकरोच जनता पार्टी' की आधिकारिक वेबसाइट को भी बंद कर दिया गया है। इसके एक्स हैंडल को भारत में पहले ही बैन कर दिया गया था। वहीं पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दावा किया था कि उनके निजी इंस्टाग्राम को भी हैक कर लिया गया है। दीपके ने कहा कि पार्टी की वेबसाइट को बंद कर दिया गया है और यह तानाशाही है। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट के माध्यम से 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। वेबसाइट के माध्यम से 6 लाख लोगों ने धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री होने परऐतराज जताया और उनका इस्तीफा मांगा था। उनका कहना है कि नीट पेपर लीक मामले में प्रधान फेल रहे हैं। दीपके ने एक एक्स पोस्ट में कहा, सरकार इतनी डरी हुई क्यों है? इस तरह का तानाशाही रवैया देश के युवाओं की आंखें खोल रहा है। अब हम एक नए होम पर काम करेंगे क्योंकि कॉकरोच कभी मरते नहीं हैं। बता दें कि शनिवार बीतते-बीतते इंस्टाग्राम पर सीजेपी के 2.2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर हो गए। वहीं बीजेपी के इंस्टाग्राम पर 92 लाख ही फॉलोअर हैं। वहीं कांग्रेस के करीब 1 करोड़ 34 लाख फॉलोअर हैं। हाराष्ट्र में हिंगोली जिले के पुलिस उपायुक्त पंकज अतुलकर ने शनिवार को बताया कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गयी है।

## बीते डेढ़ साल में डीजीएचएस में छह बार बदला नेतृत्व, फिर भी नहीं सुधरी दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाएं; उठे सवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था लगातार प्रशासनिक अस्थिरता और विवादों के घेरे में है। पिछले डेढ़ साल में स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय (डीजीएचएस) में छह बार नेतृत्व बदला, बावजूद इसके सरकारी अस्पतालों की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा। अब 350 करोड़ रुपये की खरीद की विजिलेंस जांच ने स्वास्थ्य विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है। आरोप है कि पांच अस्पतालों के जरूरत से इन्कार करने के बावजूद दवाएं, एक्स-रे मशीन, सी-आर्म मशीन और एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन खरीदे गए तथा बाद में उन्हीं अस्पतालों में जबरन विशेष स्टोर बना डंप कर दिया गया। इंदिरा गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का नाम विजिलेंस जांच में इस मामले में प्रमुख रूप से सामने आया है। जनवरी 2025 में दिल्ली की स्वास्थ्य महानिनेशक (डीजीएचएस) डॉ. वंदना बग्गा के निलंबन के बाद स्वास्थ्य विभाग में लगातार बदलावों का दौर आरंभ हुआ। उनके निलंबन के बाद डा. राजेश कुमार को अतिरिक्त प्रभार दिया गया। करीब तीन माह बाद डा. रति मक्कर को जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन उन्होंने कुछ समय बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले ली। इसके बाद दोबारा डॉ. राजेश कुमार ने अंतरिम जिम्मेदारी संभाली। अगस्त 2025 में डा. वत्सला अग्रवाल को डीजीएचएस बनाया गया, लेकिन विजिलेंस जांच के बीच उन्हें 'अवेटिंग पोस्टिंग' में भेज दिया गया है। उनके हटने के बाद जग प्रवेश चंद्र अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डा. सुषमा जैन को डीजीएचएस का अंतरिम प्रभार सौंपा गया है। उनके बाद कौन अभी से इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। विजिलेंस विभाग की टीम ने हाल ही में शकरपुर स्थित सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) कार्यालय में छापेमारी कर कई महत्वपूर्ण फाइलें और खरीद रिकार्ड जब्त किए हैं। जांच का केंद्र पिछले छह महीनों में हुई करीब 350 करोड़ रुपये की खरीदारी थी। आरोप है कि अस्पतालों की वास्तविक जरूरत और उपलब्ध स्टाक को नजरअंदाज कर बड़े पैमाने पर मेडिकल उपकरण और दवाएं खरीदी।

## जेएनयू में हाईटेक रिसर्च की बड़ी तैयारी, कैंसर और दवा खोज को मिलेगी नई रफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जेएनयू अब वैज्ञानिक शोध को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। विश्वविद्यालय जल्द ही हाई कंटेंट स्क्रीनिंग और हाई कंटेंट एनालिसिस सिस्टम स्थापित करेगा, जिससे कैंसर रिसर्च, नई दवाओं की खोज और कोशिकाओं के व्यवहार पर होने वाले अध्ययन को नई गति मिलने की उम्मीद है। यह अत्याधुनिक प्रणाली शोधकर्ताओं को हजारों जैविक नमूनों और रासायनिक यौगिकों का एक साथ विश्लेषण करने में सक्षम बनाएगी। खास बात यह है कि यह तकनीक कोशिकाओं की केवल स्थिर तस्वीरें ही नहीं बल्कि उनके व्यवहार, वृद्धि और बदलावों को 'लाइव' तरीके से समझने में भी मदद करेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार इससे रिसर्च की गुणवत्ता और सटीकता दोनों में बड़ा सुधार आएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस हाईटेक उपकरण की खरीद और स्थापना के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रस्तावित सिस्टम में थ्री-डी सेल इमेजिंग, ऑटोमेटेड स्क्रीनिंग, डिजिटल डेटा एनालिसिस और

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अध्ययन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। इससे शोधकर्ता कम समय में बड़े पैमाने पर डेटा तैयार कर सकेंगे और जटिल बीमारियों की बेहतर समझ विकसित कर पाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक बायोटेक्नोलाजी, न्यूरोसाइंस, फार्मास्युटिकल रिसर्च और मेडिकल साइंस जैसे क्षेत्रों में जेएनयू को नई पहचान दिला सकती है। खासकर कैंसर कोशिकाओं पर दवाओं के असर और नई उपचार पद्धतियों के परीक्षण में यह प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शोधकर्ताओं का कहना है कि आधुनिक इमेजिंग और स्क्रीनिंग तकनीक आने से न केवल जेएनयू के वैज्ञानिकों को फायदा होगा, बल्कि देशभर के रिसर्च स्कालरों और वैज्ञानिक संस्थानों के साथ सहयोगी शोध परियोजनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान के बड़े केंद्र के रूप में उभर सकता है।

## ट्रांसपोर्टरों की तीन दिवसीय हड़ताल समाप्त, आवश्यक वस्तुओं को ईसीसी से मिलेगी छूट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** व्यावसायिक वाहनों पर बढ़ाए गए पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) को लेकर चल रही ट्रांसपोर्ट यूनियन की तीन दिवसीय हड़ताल शनिवार को संपन्न हो गई है। रविवार से दिल्ली में ट्रकों का प्रवेश सुचारू रहेगा। इस बीच,

देर शाम पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से हड़ताल का आह्वान करने वाली आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। मंत्री ने जल्द से जल्द सभी समस्याएं सुलझाने का आश्वासन दिया। एआइएमटीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सभरवाल ने बताया कि आश्वासन मिला है कि बीएस-सिक्स वाहनों को ईसीसी से बाहर रखने के लिए सरकार कदम उठाएगी। इसके अलावा फल, सब्जियों और दूसरे जरूरी सामानों के वाहनों को ईसीसी से छूट दी जाएगी।

## गर्मी का टॉर्चर और सुलगती दिल्ली! मई में रोज आ रहीं आग की 95 कॉल्स, इस साल अब तक 44 ने गंवाई जान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में भीषण गर्मी के साथ आग लगने की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के आंकड़ों के मुताबिक, मई माह में 21 तारीख तक आग लगने की कुल 1,987 काल दमकल विभाग को प्राप्त हुई हैं। यानी औसतन हर दिन करीब 95 जगहों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। वहीं इस वर्ष अब तक राजधानी में आग लगने की कुल 8,680 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन हादसों में 44 लोगों की झुलसकर मौत हो चुकी है, जबकि 326 लोग घायल हुए हैं। दमकल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बढ़ती गर्मी और लापरवाही आग की घटनाओं की बड़ी वजह बन रही है।

सबसे चिंताजनक स्थिति 19 मई को देखने को मिली, जब पूरे दिन में दमकल विभाग को 251 काल प्राप्त हुई। यह इस सीजन में एक दिन में मिली सबसे अधिक आग लगने की सूचनाएं हैं। कई जगहों पर झुग्गियों, फैक्ट्रियों, घरों और बिजली के उपकरणों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, तापमान बढ़ने के साथ बिजली के तारों पर दबाव बढ़ जाता है। ओवरलोडिंग, शार्ट सर्किट, गैस सिलेंडर में रिसाव और ज्वलनशील पदार्थों के गलत इस्तेमाल के कारण हादसे तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां बड़े हादसों को रोक सकती हैं।

पेड़-पौधे, घास, पत्ते सब गर्मी के कारण सूखे

रहते हैं। ऐसे में पार्कों और जंगलों में कूड़े के कबाड़ पर बीड़ी या सिगरेट पीने के बाद उसका जला हुआ हिस्सा डालने से आग भड़क जाती है।

गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने से तारों और उपकरणों पर अधिक लोड पड़ता है। पुराने या खराब वायरिंग वाले घरों, दुकानों और फैक्ट्रियों में शार्ट सर्किट से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

लगातार एसी चलने से बिजली के उपकरण गर्म हो जाते हैं। खराब मेंटेनेंस या ओवरलोडिंग से स्पार्क होकर आग लगने का खतरा रहता है।

एलपीजी गैस लीकेज, खराब रेगुलेटर या लापरवाही से खाना बनाते समय आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं।

रसायन, कपड़ा, प्लास्टिक या पेपर से जुड़े उद्योगों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी आग का बड़ा कारण बनती है। अत्यधिक गर्मी में वाहनों की वायरिंग, बैटरी या ईंधन सिस्टम में खराबी आने से कार, बस या बाइक में आग लगने का खतरा बना रहता है।

गर्मियों में चलने वाली तेज हवाएं छोटी आग को भी तेजी से फैलाकर बड़े हादसे में बदल देती हैं।

फायर एक्सटिंग्विशर, अलार्म सिस्टम और इमरजेंसी निकास जैसी सुविधाओं का अभाव नुकसान बढ़ा देता है।

पुराने या खराब तार, ढीले कनेक्शन और ओवरलोडिंग शार्ट सर्किट का कारण बनते हैं। समय-समय पर इलेक्ट्रिक सिस्टम की जांच कराएं।

एसी, कूलर, फ्रिज और अन्य भारी उपकरणों को अलग-अलग प्लग में इस्तेमाल करें ताकि ओवरलोडिंग न हो।

गैस लीकेज की आशंका होने पर तुरंत रेगुलेटर बंद करें और बिजली के स्विच आन-आफ न करें।

खुले में कूड़ा जलाने से बचें इससे आग तेजी से फैल सकती है।

पेट्रोल, डीजल, केमिकल, पेपर, प्लास्टिक और कपड़ों को गर्म जगहों से दूर रखें।

## कभी जिमखाना क्लब में भारतीयों की एंट्री थी लगभग बैन, नहीं मिलती थी सदस्यता

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लुटियंस दिल्ली स्थित दिल्ली जिमखाना क्लब सिर्फ एक स्पोर्ट्स क्लब नहीं, बल्कि दिल्ली की सत्ता, सियासत और सामाजिक प्रतिष्ठा का जीवंत इतिहास है। करीब एक सदी पहले अंग्रेजों द्वारा स्थापित यह क्लब आज भी राजधानी के सबसे प्रभावशाली ठिकानों में गिना जाता है। कहा जाता है कि दिल्ली में कई बड़े फैसले सिर्फ सरकारी दफ्तरों में नहीं, बल्कि जिमखाना क्लब के लान, बार और डाइनिंग टेबल पर भी आकार लेते रहे हैं। 1913 में जब अंग्रेज नई दिल्ली को अपनी नई राजधानी के रूप में विकसित कर रहे थे, तब इस क्लब की स्थापना इम्पीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब के नाम से हुई थी। उस दौर में यहां केवल ब्रिटिश अफसरों, सेना के अधिकारियों और अंग्रेज अभिजात वर्ग की पहुंच थी। भारतीयों की एंट्री लगभग नामुमकिन मानी जाती थी।

आजादी के बाद इम्पीरियल शब्द हटाया गया और क्लब का नाम दिल्ली जिमखाना क्लब कर दिया गया, लेकिन इसकी शाही पहचान बरकरार रही। इसे प्रसिद्ध ब्रिटिश आर्किटेक्ट राबर्ट टोर रसेल ने डिजाइन किया था, जिन्होंने

कनाट प्लेस और तीन मूर्ति भवन जैसी ऐतिहासिक इमारतों की रूपरेखा भी तैयार की थी। यही वजह है कि जिमखाना क्लब को लुटियंस दिल्ली की विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। क्लब से जुड़ी कई दिलचस्प कहानियां आज भी दिल्ली के पुराने हलकों में सुनाई देती हैं। कहा जाता है कि 1930 के दशक में वायसराय की पत्नी लेडी विलिंगडन को दिल्ली में बेहतर स्विमिंग पूल नहीं मिला तो उन्होंने खुद आर्थिक मदद देकर यहां स्विमिंग पूल बनवाया। बाद में इसे लेडी विलिंगडन स्विमिंग बाथ के नाम से जाना गया। आजादी के बाद यह क्लब भारतीय नौकरशाही, राजनीति, न्यायपालिका और कारोबारी जगत के प्रभावशाली लोगों का पसंदीदा ठिकाना बन गया। इसकी सदस्यता को आज भी दिल्ली का सबसे बड़ा स्टेटस सिंबल माना जाता है। चर्चा है कि यहां सदस्य बनने के लिए लोगों को वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। हाल के वर्षों में क्लब विवादों में भी रहा है। जमीन, प्रशासनिक नियंत्रण और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर कई बार सवाल उठे। इसके बावजूद दिल्ली जिमखाना क्लब की चमक कम नहीं हुई। पुराने पत्रकारों और अफसरों के बीच आज भी एक मशहूर लाइन कही जाती है दिल्ली की असली पावर सिर्फ नार्थ ब्लाक में नहीं, जिमखाना के लान में भी दिखती है।

# संपादकीय

## चार धाम यात्रा -हेलिकॉप्टर हादसों ने बढ़ाई उत्तराखंड में सुरक्षा की चिंता

बद्रीनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर लौट रहे एक हेलिकॉप्टर को तकनीकी कारणों से टिहरी के चंबा-आराकोट क्षेत्र में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। इस दौरान बिजली की तारों के संपर्क में आने से हेलिकॉप्टर के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा।उत्तराखंड अपने प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंची-ऊंची चोटियों और धार्मिक स्थलों की वजह से दुनिया भर में प्रसिद्ध है। पर्यटन का कारोबार राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। खासकर चार धाम यात्रा के लिए यहां साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन उस लिहाज से व्यवस्थागत ढांचे का विस्तार नहीं हो पाया है।पहाड़ी प्रदेश होने की वजह से यहां के मौसम में अचानक बदलाव आने से भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाएं आम बात हैं। ऐसे में पर्यटकों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं, पर्यटकों को ले जाने और वापस लाने वाले हेलिकॉप्टर के हादसाग्रस्त हो जाने की घटनाएं भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रही हैं।ऐसी ही एक घटना बुधवार सुबह हुई, जब बद्रीनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर लौट रहे एक हेलिकॉप्टर को तकनीकी कारणों से टिहरी के चंबा-आराकोट क्षेत्र में आपात स्थिति में उतरना पड़ा।

इस दौरान बिजली की तारों के संपर्क में आने से हेलिकॉप्टर के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा, हालांकि उसमें सवार यात्री सुरक्षित हैं।उत्तराखंड सरकार की ओर से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं और प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है।

मगर सवाल है कि सरकार के ये कदम क्या सिर्फ राजस्व अर्जित करने तक सीमित हैं, या पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था को भी केंद्र में रखा जाता है यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि पहाड़ी प्रदेश होने के नाते क्षेत्रीय मौसम में बदलाव का सटीक पूर्वानुमान लगाने की व्यवस्था हो, ताकि पर्यटकों और परिवहन एजेंसियों को पहले ही संभावित खतरे से सतर्क किया जा सके।

इससे पहले भी चार धाम यात्रा मार्ग पर हेलिकॉप्टरों के हादसे का शिकार होने की घटनाएं हो चुकी हैं। मगर ऐसा लगता है कि इन हादसों से शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया है। हालांकि, सरकार की ओर से धार्मिक यात्रा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है, लेकिन जब तक इसे कड़ाई से लागू नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार नहीं हो पाएगा।

**हमारे देश का राजनीतिक तापमान तो वर्षपर्यंत उच्च रहता आया है और चुनावी इलाकों में इसके वैचारिक हीट स्ट्रोक से सिस्टम का झुलसना स्वाभाविक माना जाता है। लेकिन जब मई-जून के महीने में मौसमी तापमान जानलेवा स्तर तक खतरनाक रूप से चढ़ता जाता है तो लोग बाग परेशान हो उठते हैं। फिर अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गलतियों पर पछतावा के अलावा कुछ नहीं मिलता, क्योंकि विकास के नाम पर आधुनिक भारतीय सभ्यता विनाश की ओर बढ़ती चली जा रही है और पश्चिमी शिक्षा प्राप्त हमारे हुक्मरान तमाशबीन बने बैठे हैं, क्योंकि हरेक आपदा को अवसरों में बदलकर अपनी कमाई बढ़ाने का धंधा उन्होंने सीख लिया है।**

# भारत में जानलेवा हुई गर्मी के साइड इफेक्ट्स समझिए, इसके कारण और बचाव के उपाय जानिए

(कमलेश पांडे)

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीजन 27 अप्रैल और 19 मई दो ऐसे दिन रहे, जब धरती के सबसे ज्यादा गर्म 50 शहरों में सभी भारत के थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट हमें चेताती है कि देश के 50 प्रतिशत से ज्यादा शहरों में भीषण गर्मी का खतरा 'अधिक' से लेकर 'बेहद अधिक' के स्तर तक पहुंच चुका है।

हमारे देश का राजनीतिक तापमान तो वर्षपर्यंत उच्च रहता आया है और चुनावी इलाकों में इसके वैचारिक हीट स्ट्रोक से सिस्टम का झुलसना स्वाभाविक माना जाता है। लेकिन जब मई-जून के महीने में मौसमी तापमान जानलेवा स्तर तक खतरनाक रूप से चढ़ता जाता है तो लोग बाग परेशान हो उठते हैं। फिर अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गलतियों पर पछतावा के अलावा कुछ नहीं मिलता, क्योंकि विकास के नाम पर आधुनिक भारतीय सभ्यता विनाश की ओर बढ़ती चली जा रही है और पश्चिमी शिक्षा प्राप्त हमारे हुक्मरान तमाशबीन बने बैठे हैं, क्योंकि हरेक आपदा को अवसरों में बदलकर अपनी कमाई बढ़ाने का धंधा उन्होंने सीख लिया है। बेशक अपवाद भी होंगे, लेकिन अल्पमत में, जिनकी लोकतंत्र में कम कद्र होती आई है।

वहीं, भारत में बढ़ती खतरनाक गर्मी केवल मौसमी बदलाव नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, तेजी से शहरीकरण, जंगलों की कटाई और प्रदूषण का संयुक्त परिणाम बन चुकी है। हाल के वर्षों में उत्तर भारत, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य भारत में 46 डिग्री, 48 डिग्री तक तापमान दर्ज हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश का एक बड़ा हिस्सा इस समय भट्ठी बना हुआ है। हमारे शहर हीट आइलैंड में तब्दील होते जा रहे हैं। उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक, ज्यादातर शहरों में औसत तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ऊपर चल रहा है। कहीं कहीं तो पिछले 14-15 वर्षों के रिकॉर्ड टूट चुके हैं। कोढ़ में खाज यह कि फिलहाल राहत के संकेत नहीं है, क्योंकि अल-नीनो की वजह से मौसम आगे और कड़ी परीक्षा ले सकता है।

अलबत्ता आप मानें या न मानें, लेकिन गर्मी की बढ़ती प्रवृति में भविष्य के लिए सबसे बड़ा संदेश छिपा हुआ है। वह यह कि यदि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन नहीं बनाया गया तो भारत में गर्मी केवल असुविधा नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य और आर्थिक संकट बन सकती है। लिहाजा, आने वाले वर्षों में जल संरक्षण, हरित विकास और स्वच्छ ऊर्जा ही सबसे बड़े समाधान होंगे।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीजन 27 अप्रैल और 19 मई दो ऐसे दिन रहे, जब धरती के सबसे ज्यादा गर्म 50 शहरों में सभी भारत के थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट हमें चेताती है कि देश के 50 प्रतिशत से ज्यादा शहरों में भीषण गर्मी का खतरा 'अधिक' से लेकर 'बेहद अधिक' के स्तर तक पहुंच चुका है। और तो और, साल 2015 से 2020 के दरम्यान लू वाले दिनों का औसत 7.4 दिन से बढ़कर 32.2 दिन हो गया है, और यह लगातार बढ़ रहा है। इसका गहरा दुष्प्रभाव हमारी सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ने के आसार प्रबल हैं।

हमारे शहरों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंकि वो अंधाधुंध विकास की होड़ में अपनी हरियाली उजाड़कर उन्हें कंक्रीट के जंगलों में तब्दील करते जा रहे हैं। लिहाजा, भारत में गर्मी अब हर साल एक नया रेकॉर्ड बना रही है। चिंताजनक बात यह है कि दिन तो तपते ही हैं, अब रातें भी तपने लगी हैं और

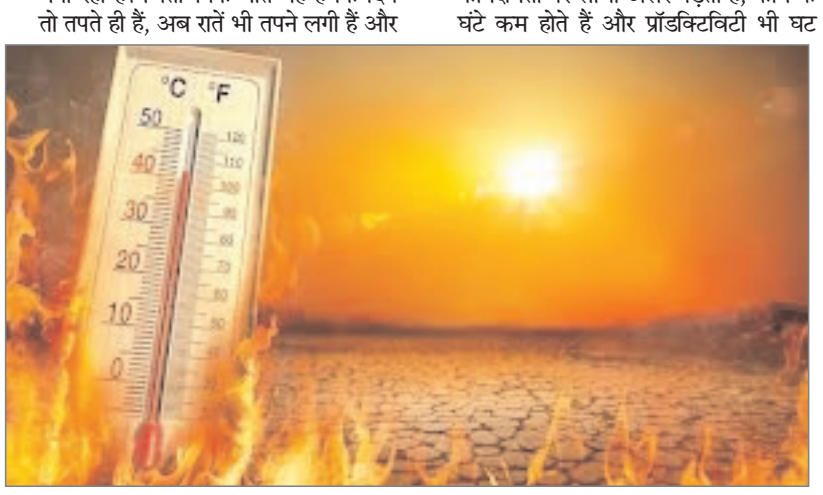


राहत देने वाली नहीं रहीं। इस 20 मई को दिल्ली ने मई महीने में 13 साल की सबसे गर्म रात देखी, जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा। 21 मई को स्थिति उससे भी ज्यादा बुरी हुई।इस प्रकार से हाल के बरसों में हीटवेव की तीव्रता, उसका समय और सीमा अभूतपूर्व रूप से बढ़े हैं। इससे शहरों पर संकट ज्यादा है, जो घटती हरियाली, बढ़ते कंक्रीट स्ट्रक्चर और प्रदूषण की वजह से अर्बन हीट आईलैंड इफेक्ट झेल रहे हैं।

इससे हमारे कामकाज पर भी नकारात्मक असर पड़ चुका है, क्योंकि मौसम की यह मार दोतरफा है- सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ चुकी है। नैशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक, 2025 में हीट स्ट्रोक के सात हजार से ज्यादा सस्पेक्टेड केस सामने आए थे। हालांकि माना जाता है कि भारत में हीट स्ट्रोक और उससे होने वाली मौतों का सही आंकड़ा रिपोर्ट नहीं हो पाता। क्योंकि देश की एक बड़ी आबादी मौसम का सीधा वार झेलती रहती है। इनमें गिग वर्कर्स, दिहाड़ी मजदूर, स्ट्रीट वेंडर्स वगैरह भी शामिल हैं। चूंकि घर बैठने से न इनका काम चलेगा और न अपने देश का। लिहाजा इस मौसम में ये सबसे ज्यादा जोखिम में ये लोग ही होते हैं। किसान और मजदूर भी इन्हीं जैसे होते हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते है, जैसे सार्वजनिक शेल्टर, पेयजल की व्यवस्था और जहां संभव हो वहां काम के घंटों और चरित्र में बदलाव। इसे गंभीर चेतावनी के रूप में लिया जा सकता है।

चूंकि बढ़ती हुई गर्मी से हमारी आपकी कार्यक्षमता पर सीधा असर पड़ता है, काम के घंटे कम होते हैं और प्रॉडक्टिविटी भी घट जाती है। लिहाजा यह बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह है। एक आकलन के मुताबिक, यदि यही हाल रहा तो 2030 तक गर्मी की वजह से भारत की जीडीपी का 4.5 प्रतिशत प्रभावित होगा। ये सारे आंकड़े एक गंभीर चेतावनी हैं। चूंकि क्लाइमेट चेंज की वजह से मौसम के और बिगड़ने की आशंका है, इसलिए बेहतर रहेगा अगर हमलोग अपनी तैयारी पहले से कर लें।

**भारत में खतरनाक गर्मी बढ़ने के प्रमुख कारण जानिए** – भारत में खतरनाक गर्मी बढ़ने के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं- पहला, जलवायु परिवर्तन- धरती का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिक रिपोर्टों के अनुसार मानव गतिविधियों से पैदा हुई ग्लोबल वार्मिंग ने भारत में हीटवेव को अधिक लंबा और तीव्र बना दिया है। दूसरा, जंगलों की कटाई- पेड़ प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम होते हैं। लिहाजा बड़े पैमाने पर वनों की कटाई से नमी कम हो रही है, वर्षा चक्र प्रभावित हो रहा है, जमीन अधिक गर्म हो रही है। तीसरा, शहरी हीट आइलैंड प्रभाव -कंक्रीट, डामर, वाहन, एसी और उद्योग शहरों को हीट ट्रैप बना रहे हैं। शहर रात में भी गर्म बने रहते हैं। चौथा, प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसें- कोयला, पेट्रोल-डीजल, फैक्ट्रियों और वाहनों से निकलने वाली गैसें वातावरण में गर्मी रोकती हैं। पांचवां, कमजोर मानसून और एल-नीनो- एल-नीनो जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएँ भारत में सूखा और गर्म हवाएँ बढ़ाती हैं। छठा, भूजल की कमी और सूखी जमीन जब मिट्टी में नमी कम होती है तो धरती तेजी से गर्म होती है। इससे लू और अधिक खतरनाक हो जाती है। सातवां, अनियोजित विकास- खुले मैदान कम होना, झीलों और तालाबों का खत्म होना, अत्यधिक कंक्रीट निर्माण इनसे स्थानीय तापमान तेजी से बढ़ रहा है।

**गर्मी से होने वाले खतरे को समझिए** – गर्मी से होने वाले खतरे निम्नलिखित हैं- हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, हार्ट और बीपी की समस्या, बच्चों और बुजुर्गों में मृत्यु जोखिम, फसल नुकसान, बिजली और पानी संकट श्रमिकों की कार्यक्षमता में कमी, भारत में हीटवेव से स्वास्थ्य संकट तेजी से बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

**ये हैं व्यक्तिगत स्तर पर बचने के प्रमुख निदान** – व्यक्तिगत स्तर पर बचने के प्रमुख निदान इस प्रकार हैं- पहला, दोपहर में बाहर निकलने से बचें, विशेषकर 12 बजे से 4 बजे तक। दूसरा, पर्याप्त पानी पिएँ, ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी। तीसरा, हल्के सूती कपड़े पहनें, गहरे रंग और टाइट कपड़ों से बचें। चौथा, शरीर को ठंडा रखें, सिर ढकें, छाता प्रयोग करें, गीला कपड़ा रखें। पांचवां, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान, उन्हें बंद और गर्म कमरों में न रखें। हमें सामाजिक और सरकारी स्तर पर निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए

**सामाजिक और सरकारी स्तर पर निम्नलिखित** – कदम उठाने चाहिए- पहला, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण- यह सबसे सस्ता और प्रभावी उपाय है। दूसरा, तालाब और जलस्रोत बचाना- स्थानीय तापमान कम करने में मदद मिलती है। तीसरा, कूल रूफ अभियान- सफेद या परावर्तक छतें घरों को ठंडा रखती हैं। चौथा, शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाना- पार्क ग्रीन कॉरिडोर, छायादार सड़कें। पांचवां, प्रदूषण नियंत्रण- स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देना।

# क्या 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक जमीन है?

(अवतेंश चित्रांश)

कॉकरोच पृथ्वी पर डायनासोर से भी पहले से मौजूद जीव माना जाता है। यह एक निशाचर कीड़ा है, जो अंधेरी, गर्म और नम जगहों में पनपता है।सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक जमीन नहीं है, जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः मजहबी कट्टरता पर आधारित थी। ऐसे में सवाल यह है कि सोशलमीडिया पर बने हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक आधार क्या है, सिवाय इसके कि वह केवल भारतीय जनता पार्टी का विरोध कर रही है वह पूरे राजनीतिक तंत्र का विरोध नहीं कर रही, जिसे बदलने के उद्देश्य से अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे।

**एक कहावत है—भागते भूत की लंगोटी ही सही** – दरअसल, 'कॉकरोच जनता पार्टी' के कर्ताधर्ता अभिजीत दीपके ने कुछ ऐसा ही किया है। सोशल मीडिया के इस दौर में, जब भ्रम आग से भी तेज गति से फैलता है, तब भारत के चीफ जस्टिस का एक शब्द कॉकरोच का दीपके ने जिस तरह इस्तेमाल किया, उसने उसे अचानक चर्चा के केंद्र में ला दिया।

हालांकि, इस भ्रम के टूटने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, क्योंकि केजेपी के पास कोई ठोस नैतिक आधार नहीं है। और राजनीति में वैचारिक व नैतिक जमीन का होना पहली शर्त माना जाता है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं, इसे समझने के लिए उस संदर्भ को समझना जरूरी है, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कॉकरोच शब्द को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। यह संदर्भ स्वयं युवाओं, विशेषकर जेन-जी, के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौती को उजागर करता है। जेन-जी के भीतर विभाजन की शुरुआत ही आरक्षण व्यवस्था से हो जाती है, जो अवसर की समानता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आती है। सवाल यह है कि अभिजीत दीपके इस चुनौती का सामना कैसे करेंगे

**कहां से शुरू हुआ यह मामला**– पूरा मामला दिल्ली हाई कोर्ट के वकील संजय दुबे की एक याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने अयोग्य वकीलों को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने का विरोध किया था। इस याचिका की सुनवाई भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच कर रही थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने संजय दुबे से पूछा कि क्या उनके पास अपने सीनियर एडवोकेट के दर्जे के लिए मुकदमा लड़ने के अलावा कोई और मामला नहीं है मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा, पूरी दुनिया शायद सीनियर दर्जे के लिए पात्र हो सकती है, लेकिन कम-से-कम आप नहीं हैं।

यदि हाई कोर्ट आपको सीनियर घोषित भी कर देता है, तो हम आपके पेशेवर आचरण को देखते हुए उसे रद्द कर देंगे। सुनवाई के दौरान वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का मुद्दा भी उठा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जा रही सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानून की डिग्रियों की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह होता है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी उपयुक्त मामले की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसमें दिल्ली के कई वकीलों की डिग्रियों की सत्यता की जांच सीबीआई से कराई जा सके, क्योंकि बार काउंसिल ऑफ इंडिया कई कारणों से इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठा रही है।

इसी दौरान चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता संजय दुबे से कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर लगातार हमला करते रहते हैं। क्या आप भी उन्हीं के साथ जुड़ना चाहते हैं उन्होंने कहा कि कुछ युवा रोजगार न मिलने और अपने पेशे में जगह न बना पाने के कारण कॉकरोच की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उनमें से कुछ मीडिया में पहुंच जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं, तो कुछ अन्य प्रकार के एक्टिविस्ट बनकर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं। चीफ जस्टिस की इन टिप्पणियों को पढ़ने के बाद सवाल उठता है कि क्या हमारे सिस्टम में योग्य युवाओं की तुलना में अयोग्य लोगों को अधिक अवसर और लाभ नहीं मिल रहा और इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि अभिजीत दीपके योग्य युवाओं के साथ खड़े हैं या उन अयोग्य कॉकरोचों के साथ, जिनकी ओर चीफ जस्टिस ने संकेत किया था

**अरविंद केजरीवाल से जुड़ा एक उल्लेखनीय प्रसंग** – योग्यता और अयोग्य कॉकरोचों की इस चर्चा के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ा एक प्रसंग भी उल्लेखनीय है। अभिजीत दीपके, केजरीवाल के आंदोलन से जुड़े रहे हैं और उनकी तुलना महात्मा गांधी से करते हैं।

# आस्था, तपस्या और भारतीय संस्कृति की अविरल धारा का प्रतीक पर्व गंगा दशहरा

**पवन वर्मा-विनायक फीचर्स**

गंगा दशहरा भारतीय सनातन परंपरा का एक ऐसा महापर्व है जो न केवल हमें संचित पापों से मुक्ति दिलाता है, बल्कि गहन पर्यावरणीय चेतना और जीवन में पानी के वास्तविक मूल्य को भी समझाता है। ज्येष्ठ मास की तपती दुपहरी में, जब संपूर्ण वसुधा जल की एक-एक बूंद के लिए व्याकुल होती है, तब माँ गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हमें यह संदेश देता है कि जल ही इस सृष्टि का आदि और अंत है। जल स्रोतों की पवित्रता बनाए रखना और प्रकृति का सम्मान करना ही इस पर्व का मूल दार्शनिक आधार है।

इस महापर्व के आध्यात्मिक और व्यावहारिक माहात्म्य को रेखांकित करते हुए सनातन धर्म के परम पवित्र ग्रंथ स्कंद पुराण के काशी खंड में यह श्लोक वर्णित है:

'दशमी ज्येष्ठ मासस्य शुक्लपक्षे विशेषतः।
हरते दश पापानि तस्माद् दशहरा स्मृता॥ '

इस श्लोक का अर्थ अत्यंत गहरा है। स्कंद पुराण में स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया गया है कि ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि अपने आप में इतनी कल्याणकारी है कि इस दिन यदि कोई मनुष्य साक्षात देवनदी गंगा का स्मरण करता है, उनके पावन जल में डुबकी लगाता है या श्रद्धापूर्वक उनका स्तवन करता है, तो उसके जीवन के दस प्रकार के संचित पाप तत्क्षण नष्ट हो जाते हैं। इसी दस पापों को हरने की विलक्षण क्षमता के कारण इस अनुपम तिथि को 'गंगा दशहरा' कहा गया है।

यह तिथि केवल एक धार्मिक कर्मकांड का उत्सव नहीं है, यह गवाह है उस परम पावन क्षण का, जब ब्रह्मांड की सबसे पवित्र जलधारा, मोक्षदायिनी माँ गंगा का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। यह उत्सव है राजा भगीरथ के अखंड पुरुषार्थ का, देवाधिदेव महादेव की असीम करुणा का और उस गौरवशाली संस्कृति का जिसने सहस्रों वर्षों से संपूर्ण मानवता को सभ्यता, निर्मलता, जल-संरक्षण और अध्यात्म की अविरल धारा से सींचा है।

गंगा के धरातल पर अवतरित होने की पृष्ठभूमि मानवीय इतिहास की सबसे बड़ी और कठिन संकल्प गाथा है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार, सूर्यवंश के प्रतापी राजा सगर ने चक्रवर्ती सम्राट बनने की लालसा में एक विशाल अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान किया। उनकी कीर्ति से भयभीत होकर देवराज इंद्र ने यज्ञ के घोड़े को चुरा लिया और उसे पाताल लोक में ध्यानमग्न कपिल मुनि के आश्रम के समीप छिपा दिया। घोड़े की खोज में निकले राजा सगर के साठ हजार पुत्रों ने जब मुनि के आश्रम को घेरा, तो अहंकारवश उन्होंने ऋषि पर चोरी का झूठा आरोप लगा दिया।

ऋषि कपिल ने जैसे ही क्रोध में अपनी आँखें खोलीं, उनके तप के प्रचंड तेज से राजा सगर के सभी साठ हजार पुत्र वहीं जलकर भस्म हो गए। तर्पण और अंतिम संस्कार न होने के कारण उनकी आत्माएं प्रेतयोनि में भटकने लगीं। सगर के वंशजों ने कई पीढ़ियों तक प्रयास किया कि किसी तरह स्वर्ग की नदी गंगा को पृथ्वी पर लाया जाए, ताकि उनके पवित्र जल के स्पर्श से इन भटके हुए पूर्वजों को मुक्ति मिल सके, परंतु वे असमर्थ रहे।

अंततः राजा दिलीप के प्रतापी पुत्र भगीरथ ने इस असंभव कार्य को पूरा करने का बीड़ा उठाया। वे राजपाठ त्यागकर गोकर्ण तीर्थ में घोर तपस्या में लीन हो गए। भगीरथ का संकल्प इतना अडिग था कि उनकी कठोर साधना से प्रसन्न होकर माँ गंगा ने पृथ्वी पर आने की सहमति तो दे दी, परंतु उन्होंने एक विकट समस्या सामने रखी। गंगा ने कहा, 'जब मैं स्वर्ग से तीव्र वेग से पृथ्वी पर गिरूँगी, तो पृथ्वी मेरा वेग सहन नहीं कर पाएगी और रसातल में समा जाएगी। '

इस ब्रह्मांडीय संकट के समाधान के लिए भगीरथ ने भगवान शिव की शरण ली। उन्होंने एक पैर पर खड़े होकर भोलेनाथ की आराधना की। भगीरथ की भक्ति से द्रवित होकर आशुतोष शिव ने अपनी विशाल जटाएं फैला दीं। जैसे ही गंगा का प्रचंड वेग स्वर्ग से नीचे गिरा, शिव ने संपूर्ण जलधारा को अपनी जटाओं के भूलभुलैया में कैद कर लिया।

कई वर्षों तक गंगा शिव की जटाओं में भटकती रहीं। अंततः भगीरथ की विनम्र प्रार्थना पर, शिव ने अपनी जटा की एक लट को खोला और गंगा को अत्यंत शांत, नियंत्रित और सात धाराओं में पृथ्वी पर प्रवाहित होने दिया। शिव के इसी उपकार के कारण उन्हें 'गंगाधर' कहा गया। इसके बाद, भगीरथ आगे-आगे अपने दिव्य रथ पर चले और माँ गंगा की पावन धारा उनके पीछे-पीछे चलती रही। भगीरथ गंगा को उस स्थान तक ले गए जहाँ उनके पूर्वजों की भस्म पड़ी थी। जैसे ही पावन जल ने उस भस्म का स्पर्श किया, साठ हजार आत्माओं को मोक्ष की प्राप्ति हुई। मानव इतिहास में इसी महान संकल्प को 'भगीरथ प्रयत्न' कहा जाता है, जो आज भी हर असंभव कार्य को संभव करने की प्रेरणा देता है।

स्कंद पुराण में गंगा दशहरा के दिन जिन दस पापों के नाश की बात कही गई है, वे मनुष्य के नैतिक और चारित्रिक उत्थान के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका की तरह हैं। शास्त्रों ने इन दस मानवीय भूलों और पापों को तीन मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया है, जिन्हें कायिक, वाचिक और मानसिक कहा जाता है।

पहला वर्गीकरण कायिक पापों का है, जो मनुष्य अपने शरीर या भौतिक क्रियाओं द्वारा करता है। इसके अंतर्गत तीन प्रकार के पाप आते हैं,किसी भी निरीह जीव की शास्त्र-विरुद्ध हिंसा करना, किसी की वस्तु को उसकी बिना अनुमति के बलपूर्वक या चुपके से लेना अर्थात चोरी करना, और सामाजिक नियमों के विरुद्ध परस्त्री या परपुरुष गमन करना।

दूसरा वर्गीकरण वाचिक पापों का है, जो मनुष्य अपनी वाणी या शब्दों के माध्यम से करता है। इसके अंतर्गत चार प्रकार के पाप गिने गए हैं,किसी व्यक्ति को आहत करने वाले अत्यंत कठोर या कटु वचन बोलना, स्वार्थवश असत्य भाषण या झूठ बोलना, किसी की पीठ पीछे उसकी निंदा या चुगली करना, और बिना किसी तर्क या सिर-पैर के व्यर्थ का प्रलाप करना।

तीसरा और अंतिम वर्गीकरण मानसिक पापों का है, जिनका जन्म मनुष्य के विचारों और अंतःकरण में होता है। इसके अंतर्गत तीन प्रकार के पाप आते हैं,दूसरे के धन या संपत्ति को हड़पने की अनुचित इच्छा रखना, मन ही मन किसी व्यक्ति का अहित या बुरा सोचना, और नास्तिक अथवा अधार्मिक विचारों में लिप्त रहकर धर्म का उपहास उड़ाना।

गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करते समय साधक केवल अपने स्थूल शरीर को स्वच्छ नहीं करता, बल्कि वह इस पवित्र जलधारा में इन दस मानसिक, वाचिक और कायिक विकारों को हमेशा के लिए विसर्जित करने का संकल्प लेता है। यही इस महापर्व का वास्तविक और गहरा आध्यात्मिक उद्देश्य है।

भारत के भौगोलिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में गंगा केवल एक नदी नहीं हैं, वे हमारी राष्ट्रीय चेतना की मुख्य संवाहक हैं। हिमालय के गोमुख से लेकर गंगासागर तक की अपनी लंबी यात्रा में गंगा ने न केवल इस आर्यावर्त की भूमि को उपजाऊ और हरा-भरा बनाया है, बल्कि यहाँ की वैचारिक भूमि को भी महान जीवन मूल्यों से सींचा है।

गंगा के पावन तटों पर ही संसार की सबसे प्राचीन सभ्यताओं का विकास हुआ। हरिद्वार, जहाँ गंगा पहाड़ों को छोड़कर पहली बार मैदानों में प्रवेश करती हैं,प्रयागराज, जहाँ वे यमुना और अदृश्य सरस्वती के साथ मिलकर त्रिवेणी संगम का सृजन करती हैं और काशी (वाराणसी), जो अनादि काल से ज्ञान, मोक्ष और कला का वैश्विक केंद्र रही है,ये सभी अनुपम तीर्थ स्थल गंगा के कारण ही जीवंत हैं। इसी पावन नदी के किनारे बैठकर ऋषियों ने वेदों की ऋचाएं गाईं, उपनिषदों के गूढ़ रहस्य खोजे और महान ग्रंथों की रचना हुई। आदि शंकराचार्य से लेकर संत कबीर और गोस्वामी तुलसीदास तक, सभी महान विभूतियों ने गंगा के सामीप्य में अपनी साधना को पूर्ण किया।

एक भारतीय के जीवन में गंगा का स्थान कितना गहरा है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि शिशु के जन्म के समय शुद्धि के लिए गंगाजल छिड़का जाता है, और व्यक्ति की अंतिम यात्रा के समय उसके मुख में गंगाजल की कुछ बूंदें डालकर उसे इस नश्वर संसार से विदा किया जाता है। भारतीय जनमानस के लिए गंगाजल कोई सामान्य पानी नहीं है, बल्कि वह साक्षात 'अमृत' है, जिसमें स्वतः शुद्ध होने का अद्भुत गुण पाया जाता है।

यदि हम कर्मकांडीय दृष्टिकोण से ऊपर उठकर देखें, तो गंगा दशहरा हमें आधुनिक जीवन को सुखी, संतुलित और सार्थक बनाने के कई व्यावहारिक संदेश देता है। गंगा का पहला संदेश निरंतरता और गतिशीलता है। मार्ग में कितनी भी विशाल चट्टानें आएं, पहाड़ आएं या गहरी खाइयाँ, गंगा कभी रुकती नहीं हैं। वे अपना मार्ग स्वयं बनाती हैं और आगे बढ़ती रहती हैं। गंगा दशहरा हमें यह सीख देता है कि जीवन का नाम ही गति है। ठहराव अवसाद लाता है, जबकि निरंतर प्रवाह हमें प्रगति की ओर ले जाता है।

इसका दूसरा संदेश समानता और समभाव है। गंगा माँ के समान वात्सल्यमयी हैं। वे अपने जल का उपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति में भेद नहीं करतीं। उनके घाट पर राजा हो या रंक, प्रकांड विद्वान संत हो या समाज का तिरस्कृत व्यक्ति, वे सभी को समान रूप से शीतलता और पावनता प्रदान करती हैं।

# उत्तराखंड में ऑर्गेनिक खेती पर बड़ा संकट! 90 हजार से ज्यादा किसानों के सर्टिफिकेट सस्पेंड

**देहरादून, एजेंसी।** उत्तराखंड को देश में ऑर्गेनिक खेती के मॉडल राज्य के तौर पर स्थापित करने की दिशा में पिछले कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जा रहे थे. लेकिन अब यही महत्वाकांक्षी योजना बड़े संकट में फंसती नजर आ रही है. प्रदेश में जैविक खेती से जुड़े 90 हजार से ज्यादा किसानों के ऑर्गेनिक सर्टिफिकेट सस्पेंड होने से न सिर्फ किसानों की आजीविका प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है, बल्कि राज्य की ऑर्गेनिक पहचान पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं. उत्तराखंड स्टेट ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी (यूएसओसीए) द्वारा की गई इस कार्रवाई ने विभागीय कार्यप्रणाली और सरकारी तैयारियों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. राज्य में फिलहाल करीब डेढ़ लाख किसान ऑर्गेनिक खेती से जुड़े हुए हैं, जो लगभग 74 हजार हेक्टेयर भूमि पर जैविक खेती कर रहे हैं. पिछले दो दशकों में किसानों को रासायनिक खेती से हटाकर जैविक खेती की ओर लाने के लिए सरकार ने बड़े स्तर पर अभियान चलाए थे. किसानों को प्रशिक्षण,

उत्पादों के प्रमाणीकरण और बाजार उपलब्ध कराने जैसी योजनाओं पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए. लेकिन अब सरकारी सिस्टम की धीमी कार्यप्रणाली और विभागीय समन्वय की कमी ने पूरी व्यवस्था को संकट में डाल दिया है.कानूनी इकाई का दर्जा न होने से हुई कार्रवाईः जानकारी के मुताबिक, प्रदेश के 312 ऑर्गेनिक ग्रोवर ग्रुप से जुड़े किसानों का प्रमाणीकरण इसलिए निलंबित किया गया क्योंकि, इन समूहों के पास वैध 'लीगल एंटिटी' (कानूनी इकाई) का दर्जा नहीं था. नियमों के अनुसार, ऑर्गेनिक खेती से जुड़े समूहों का सोसाइटी, कंपनी या अन्य कानूनी संस्था के रूप में पंजीकृत होना जरूरी है. लेकिन बड़ी संख्या में समूह अब तक रजिस्टर्ड नहीं हो सके.बताया जा रहा है कि एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए 16 अप्रैल 2026 को कृषि सचिव एसएन पांडे को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत भी कराया था. इसके बावजूद विभागीय स्तर पर किसानों और समूहों को समय रहते रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से जोड़ने के लिए ठोस पहल नहीं की गई. अब हालात यह हैं कि 90 हजार से ज्यादा किसानों के सर्टिफिकेट सस्पेंड हो चुके हैं और यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो जून के अंत तक 1 लाख 13 हजार से अधिक किसानों के प्रमाणीकरण पर संकट खड़ा हो सकता है.एपीडा ने जताई चिंता, अतिरिक्त समय देने को तैयारः मामले की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने भी चिंता व्यक्त की है. एपीडा का मानना है कि उत्तराखंड देश के उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है, जहां ऑर्गेनिक खेती को बड़े स्तर पर बढ़ावा मिला है. ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में किसानों का प्रमाणीकरण निलंबित होना राज्य और किसानों दोनों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है.एपीडा ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि उत्तराखंड ऑर्गेनिक कमोडिटी बोर्ड (यूओसीबी) और यूएसओसीए को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं ताकि किसानों के प्रमाणीकरण का नवीनीकरण जल्द हो सके. राहत की बात यह है कि प्राधिकरण ने किसानों को आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय देने पर भी सहमति जताई है. हालांकि सवाल यह है कि जब पहले ही चेतावनी मिल चुकी थी, तब समय रहते आवश्यक कदम क्यों नहीं उठाए गए.चार माह से वेतन नहीं मिलने पर कर्मचारी हड़ताल परः इस पूरे विवाद के बीच उत्तराखंड जैविक उत्पाद परिषद के कर्मचारी भी हड़ताल पर चले गए हैं. कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले चार माह से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है. परिषद के फील्ड और कार्यालय कर्मचारियों ने कामकाज ठप कर धरना शुरू कर दिया है. कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही और प्रोजेक्ट संचालन में रुचि न लेने के कारण हालात बिगड़े हैं. उनका आरोप है कि समय रहते योजना को व्यवस्थित तरीके से नहीं चलाया गया, जिसका खामियाजा अब किसानों और कर्मचारियों दोनों को भुगतना पड़ रहा है. धरने में परिषद से जुड़े कई कर्मचारी मौजूद रहे और उन्होंने जल्द वेतन जारी करने की मांग उठाई.प्रबंधन ने कर्मचारियों पर फोड़ा ठीकराः वहीं दूसरी ओर यूओसीबी प्रबंधन इस पूरे मामले के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहरा रहा है. यूओसीबी के एमडी अभय सक्सेना का कहना है कि किसान समूहों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें कानूनी इकाई का दर्जा दिलाना कर्मचारियों की जिम्मेदारी थी. उन्होंने कहा कि भारत सरकार पहले भी इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर चुका था. एमडी के अनुसार, एपीडा सस्पेंड अवधि को भी निरंतरता में जोड़ने पर सहमत हो गया है, जिससे किसानों को राहत मिल सकती है.उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों को प्रमाणीकरण के अनुपात में मानदेय दिया जाता है और यदि प्रमाणीकरण प्रक्रिया पूरी नहीं होगी तो भुगतान प्रभावित होना स्वाभाविक है. हालांकि उन्होंने दावा किया कि करीब 90 लाख रुपए का बजट स्वीकृत हो चुका है और अगले 10 से 12 दिनों के भीतर कर्मचारियों का लंबित भुगतान जारी कर दिया जाएगा.

## संक्षिप्त समाचार

### विकास योजनाओं के लिए 36 करोड़ की वित्तीय मंजूरी

**देहरादून, एजेंसी।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 36 करोड़ की वित्तीय मंजूरी दी है। ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि से मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत छह नई ग्रामीण सड़कों के लिए 23.86 करोड़ की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा मार्ग पर संचालित अश्ववंशीय पशुओं के बीमा के लिए 1.05 करोड़ राज्य आकस्मिकता निधि से स्वीकृत किए। तामली क्षेत्र में पेयजल के स्थायी समाधान के लिए लिफ्ट पेयजल योजना के निर्माण को 14.57 करोड़ की स्वीकृति देते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में एक करोड़ जारी करने की अनुमति दी। चंपावत जिले के बनबसा नगर पंचायत के के तहत खराब मोटर मार्गों व नालियों के निर्माण के लिए एक-एक करोड़ की स्वीकृति दी। सल्ट के मुख्य बाजारों में 10 हाई मास्क लाइट लगाने को 29.32 लाख, हरबर्टपुर शहर के मध्य स्थित उदिया खाला के समीप आवासीय क्षेत्रों में सुरक्षा दीवार एवं आवागमन पुलियों के निर्माण के लिए 97.79 लाख की मंजूरी दी।

यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में कठुड़ बड़ा, देवीखाल में स्थित मां बाल कुंवारी माता मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 72.67 लाख, टनकपुर, बनबसा क्षेत्र में विद्युत स्टेशन स्थापित करने के लिए तीन करोड़, किच्छा विधानसभा के आंबेडकर पार्क 25 लाख स्वीकृत किए। मुख्यमंत्री ने सामुदायिक भवन, मसूरी का नाम पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष स्व. दीपक पुंडीर के नाम पर रखे जाने का किया अनुमोदन किया।

### एक ही स्थान पर मिलेगी छात्रों को विभिन्न सुविधाएं

**देहरादून, एजेंसी।** श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) के बीच एमओयू साइन किया गया। इसके तहत छात्रों को शैक्षणिक परामर्श, अध्ययन सामग्री, प्रवेश और परीक्षा संबंधी सहायता समेत विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी। इसके लिए विवि परिसर में इग्नू लर्नर सपोर्ट सेंटर (एलएससी) की स्थापना की गई है। शुक्रवार को एमओयू पर विवि के कुलसचिव डॉ. लोकेश गंभीर और इग्नू के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल कुमार डिमरी ने हस्ताक्षर किए। डॉ. लोकेश गंभीर ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य छात्रों, कामकाजी पेशेवरों व दूरस्थ क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से सुलभ, लचीली और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है। कहा कि केंद्र के जरिए उन छात्रों को विशेष लाभ होगा जो नियमित शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं या नौकरी के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं। साथ ही यह केंद्र आजीवन शिक्षा व समावेशी शिक्षा की अवधारणा को भी मजबूत करेगा। विवि के कुलपति प्रो. डॉ. के प्रतापन ने कहा कि इग्नू के साथ यह साझेदारी शैक्षणिक पहुंच को व्यापक बनाएगी और छात्रों, कार्यरत पेशेवरों व दूरस्थ क्षेत्रों के शिक्षार्थियों के लिए नए अवसर सृजित करेगी। इस मौके पर इग्नू के उपनिदेशक डॉ. राजीव, प्रो. डॉ. सोनिया गंभीर, डॉ. श्रेया कोटनाला, प्रो. डॉ. मनीषा सिंह आदि मौजूद रहे।

### ऑपरेशन फेक पिल: एसटीएफ दो महीने से कर रही थी तैयारी कंपनियों ने भी की जांच

**देहरादून, एजेंसी।** नकली दवाओं के धंधे के खिलाफ एसटीएफ ने फेक पिल ऑपरेशन शुरू किया है। एसटीएफ ने शुक्रवार को जो कार्रवाई की उसे अंजाम देने के लिए दो महीने से कसरत की जा रही थी। इसके लिए इन नामी कंपनियों को भी साथ में लिया गया जिनकी जांच में ये सभी दवाएं फर्जी पाई गईं। बता दें कि दो महीने पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नकली दवाओं के रैकेट पर कार्रवाई करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू करने के निर्देश दिए थे। इस पर एसटीएफ एसएसपी अजय सिंह ने ऑपरेशन फेक पिल की रूपरेखा तैयार की। इसके लिए जब एसके हेल्थ केयर नाम के फेसबुक पेज के बारे में पता चला तो सबसे पहले इन कंपनियों को सूचित किया गया। कुल छह कंपनियों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से अलग-अलग पते पर लाखों रुपये की दवाएं मंगाईं। इसके बाद उनकी अपनी लैब में जांच कराई तो ये सब दवाएं नकली पाई गईं। इसके बाद एसटीएफ ने भी एक पते पर नकली दवाओं का जखीरा मंगाया।इन दवाओं को भी कंपनियों की लैब में टेस्ट कराया गया। ये सब दवाएं फर्जी थीं रिपोर्ट में इनकी तस्दीक हुई। इस पूरी प्रक्रिया में दो महीने का समय लगा। सब कुछ स्पष्ट होने के बाद ही धरपकड़ की कार्रवाई की गई। एसटीएफ एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। अदालत से उनकी रिमांड भी ली जाएगी। ताकि, इस गिरोह के बारे में और भी जानकारियां हासिल की जा सकें। इसके साथ ही दूसरे राज्यों की जांच एजेंसियों को भी इस कार्रवाई के बारे में बताया गया है ताकि वहां भी समानांतर कार्रवाईयां हो सकें।

### पेट्रोल-डीजल हुआ और महंगा, दस दिन में तीसरी बार दाम बढ़ाए जाने से लोगों की बढ़ी चिंता

**देहरादून, एजेंसी।** देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बढ़ोतरी है। पश्चिम एशिया में तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल की कीमत 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई है। पिछले 10 दिनों में कुल मिलाकर, कीमतों में लगभग पांच रुपए प्रति लीटर का इजाफा हुआ है।

## देहरादून में अब तक 103 होम स्टे पर कार्रवाई, रजिस्ट्रेशन कैंसिल के बाद वेबसाइट से भी हटाने की प्रक्रिया शुरू

**देहरादून, एजेंसी।** कानून व्यवस्था बनाए रखने और आमजनता की सुरक्षा करने के उद्देश्य से देहरादून जिला प्रशासन ने मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर अब तक 103 होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर दिया है. जिसमें प्रथम चरण में 17, द्वितीय चरण में 79 और तृतीय चरण में 7 होमस्टे के पंजीकरण निरस्त कर दिए गए हैं. साथ ही संबंधित होमस्टे को विभागीय वेबसाइट से भी हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. जिले में होटल रूप में विकसित होमस्टे पर डीएम के निर्देश पर कार्रवाई शुरू हो चुकी है. इसी क्रम में जिला प्रशासन की मजिस्ट्रेट टीमों ने अब तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में 153 निरीक्षण करते हुए मानक विपरित संचालित मिले 103 होमस्टे का पंजीकरण निरस्त करते हुए पर्यटन वेबसाइट से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. जिला प्रशासन ने 'ऑपरेशन सफाई' शुरू करते हुए प्रथम चरण में 17, द्वितीय चरण में 79 और तृतीय चरण में 7 अवैध होमस्टे का पंजीकरण

निरस्त कर दिया है. आगे भी कार्रवाई गतिमान रहेगी.शहर में बढ़ती आपराधिक घटना का कारण होमस्टे संचालकों द्वारा मानकों का उल्लंघन करना भी पाया गया है. जिला प्रशासन के मुताबिक, रात भर नियम के खिलाफ बार संचालन, लाउड डीजे, नशा, गैर कानूनी गतिविधि के अड्डे बन रहे होमस्टे में उपद्रवी प्रवृत्ति के व्यक्तियों के ठहरने से आमजन की जान का खतरा बना हुआ है. इसी के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सख्त रूख अपनाते हुए होमस्टे का सत्यापन और निरीक्षण किया जा रहा है.जिला प्रशासन का कहना है कि, होमस्टे योजना का मूल उद्देश्य स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक व्यंजनों के प्रचार-प्रसार और स्थानीय निवासियों की आय में वृद्धि करना है. लेकिन निरीक्षण के दौरान कई होमस्टे का उपयोग होटल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान की भांति किया जाना पाया गया, जिससे अव्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था.निरीक्षण के दौरान कई होमस्टे में रसोई की व्यवस्था नहीं पाई गई. अग्निशमन उपकरण अनुपलब्ध या उनकी वैधता समाप्त पाई गई. होमस्टे का उपयोग बारात घर और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था. कई स्थानों पर स्वामी का निवास नहीं पाया गया और इकाइयों को लीज/किराये पर संचालित किया जा रहा था. निर्धारित क्षमता से अधिक कमरों का संचालन किया जा रहा था. साथ ही निरीक्षण में विदेशी नागरिकों के ठहराव की सूचना (सी-फॉर्म) उपलब्ध नहीं कराने संबंधी घटनाएं प्रकाश में आई थी. कुछ होमस्टे पंजीकृत होने के बावजूद संचालित नहीं पाए गए.देहरादून जिलाधिकारी सविन बंसल (नए जिलाधिकारी आशीष चौहान सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे) ने बताया कि सहसपुर और रायपुर विकासखंड के नगरीय क्षेत्रों में पंजीकृत होमस्टे की जांच के लिए क्षेत्रवार समितियों का गठन किया गया. समितियों ने निरीक्षण के बाद 103 होमस्टे ऐसे पाए गए, जो उत्तराखंड गृह आवास (होमस्टे) नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप संचालित नहीं हो रहे थे.

### मेस की सब्जी में निकले कीड़े; जीरा समझकर छात्रों ने खाया खाना, पता चलने पर जमकर हंगामा

**देहरादून, एजेंसी।** डिनर के लिए छात्र तय समय पर मेस में खाना खाने पहुंचे थे। सब्जी में बड़ी संख्या में काले रंग के कीड़े थे। छात्रों को लगा कि जीरा है। सभी ने खाना खा लिया। इसके बाद अन्य छात्रों ने जब खाना लिया तो उन्होंने सब्जी में कीड़े होने का संदेह हुआ।दून मेडिकल कॉलेज की मेस में एमबीबीएस छात्रों को कीड़े वाली सब्जी परोसने का नया मामला सामने आया है। जब तक पता चलता कि सब्जी में कीड़े हैं करीब 20 छात्र खाना खा चुके थे। पता चलते ही छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया।बाद में मेस संचालक ने दूसरी सब्जी बनवाई। इसके बाद छात्रों ने खाना खाया। जानकारी के मुताबिक मामला बुधवार रात का है। डिनर के लिए छात्र तय समय पर मेस में खाना खाने पहुंचे थे। मेस में सफेद मटर की सब्जी बनाई गई थी। मेस के कर्मचारियों ने छात्रों को खाना परोसना शुरू कर दिया।करीब 20 छात्र खाना लेकर टेबल पर बैठे और खाने लगे। सब्जी में बड़ी संख्या में काले रंग के कीड़े थे। छात्रों को लगा कि जीरा है। सभी ने खाना खा लिया। इसके बाद अन्य छात्रों ने जब खाना लिया तो उन्होंने सब्जी में कीड़े होने का संदेह हुआ। उन्होंने ध्यान से देखा तो सब्जी में कीड़े ही कीड़े थे। इसकी सूचना उन्होंने अधिकारियों को भी दी। छात्रों ने मेस में हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र एकत्रित हो गए। स्थिति बिगड़ती देख मेस संचालक ने दोबारा खाना बनाने का आश्वासन दिया। इसके बाद छात्रों को दोबारा खाना परोसा गया।जिन छात्रों ने कीड़े वाला खाना खाया था उन्हें इस बात का पता चलते ही उल्टियां होने लगीं। गनीमत रही कि किसी छात्र की तबीयत नहीं बिगड़ी। सभी छात्र स्वस्थ हैं। कॉलेज उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रहा है। इस मामले में कॉलेज का पक्ष जानने के लिए प्राचार्य डॉ. गीता जैन को शाम को 7.35 बजे कॉल किया गया लेकिन उनका फोन बंद था।मेस घोटाले और बुधवार रात हुई घटना के चलते मेस संचालक ने शुक्रवार को छात्रों को खाना नहीं दिया।

## ईंधन के दामों ने उत्तराखंड में बिगाड़ा जायका सीजनल सब्जियां हुई 10% तक महंगी

**देहरादून, एजेंसी।** ईंधन के दामों में हुई वृद्धि ने सब्जियों का जायका बिगाड़ना शुरू कर दिया है। खासकर, सीजनल हरी सब्जियां आमजन के मुंह से दूर हो गई है।सब्जियों के दामों में आए उछाल ने उपभोक्ताओं की रसोई के बजट को असंतुलित कर दिया है। बींस , परमल, गवारफली , लोभिया फली , टमाटर , हरी प्याज , नींबू , बैंगन व लहसुन के दाम तेजी से बढ़ गए हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी से सब्जियों की आवक मंडी तक आने में पहले से महंगी हो गई है। उधर, दाम बढ़ने से उपभोक्ताओं भी सीमित मात्रा में सब्जियों की खरीदारी करना बेहतर समझ रहे हैं।पश्चिम एशिया के युद्ध की आंच अब आमजन की रसोई तक पहुंच गई है। पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि का असर अब चौतरफा दिखना शुरू हो गया है। खासकर, ट्रांसपोर्ट से जुड़े कारोबारियों पर सबसे अधिक असर हो रहा है। डीजल-पेट्रोल के दामों में तीन रुपये से अधिक प्रति लीटर की वृद्धि हो गई है।इसका सीधा असर ट्रांसपोर्ट सुविधा पर पड़ रहा है। शहर स्थित निरंजन पुर मंडी में आवक पहले से महंगी हो गई है। इसका सीधा असर फल और सब्जियों की कीमतों पर पड़ा है। खासक, हरी सब्जियां के दामों में करीब 10 प्रतिशत तक उछाल आ गया है। ऐसे में उपभोक्ताओं ने भी सीमित मात्रा में सब्जियों को खरीदना शुरू कर दिया है।निरंजनपुर मंडी में बांदलनदी, चकराता के अलावा यूपी के मैदानी क्षेत्रों से अधिक सब्जियों की आवक होती है। खासकर, बिहारीगढ़, सहारनपुर , रुड़की ,देवबंद व आसपास के क्षेत्रों से हर रोज गाड़ियों हरी सब्जियों लेकर मंडी पहुंची है, लेकिन ईंधन में वृद्धि होने से गाड़ियों के भाड़े में 300 से 700 रुपये प्रति आवक में वृद्धि हो गई है।बाजार में आम ने दस्तक दे दी है लेकिन इसका मिठास उपभोक्ताओं को नहीं भा रहा है, जबकि आड़ू का मिठास लोगों को खूब भा रहा है।फल विक्रेता याकूब ने बताया कि बाजार में फिलहाल तोता परी 80 से 100 , सफेदा 80 व लोकल आम 80 तक बिक रहा है, लेकिन आम के मिठास में कमी महसूस की जा रही है। वहीं, कश्मीरी सेब 120 से 150, पपीता 50, खरबूजा 20, तरबूज 20 , अंगुर 120 से 150, केला 70 व लीची 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक फुटकर बाजार में बिक रही है।

## गोवा में मुंबई के बिजनेसमैन से करोड़ों की ठगी उत्तराखंड से सेक्सटॉर्शन गैंग का सदस्य अरेस्ट

**देहरादून, एजेंसी।** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से सेक्सटॉर्शन' रैकेट गैंग के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. ये कार्रवाई उत्तराखंड एसटीएफ और गोवा पुलिस ने मिलकर की है. आरोपी पर गोवा के मापुसा थाना क्षेत्र में करोड़ों की रकम ऐंठने का आरोप है. आरोपी पिछले तीन साल से गोवा से फरार चल रहा था. साथ ही आरोपी ने इस प्रकार की घटनाओं को अन्य राज्यों में भी अंजाम दिया है. खुद को बताता था दिल्ली नारकोटिक ब्यूरो का अफसरः बता दें उत्तराखंड एसटीएफ ने गोवा के नार्थ गोवा जनपद के मापुसा पुलिस स्टेशन में दर्ज मुकदमें में फरार आरोपी सलमान खान निवासी देहरादून को थाना नहेरु कालोनी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है. आरोप है कि वह अपने गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर खुद को दिल्ली नारकोटिक ब्यूरो का ऑफिसर बताता था. उसने

मापुसा नार्थ गोवा में मुंबई के एक बिजनेसमैन से करोड़ों रुपये की उगाही की. इस घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था. जिसकी गिरफ्तारी के लिए गोवा पुलिस ने पहले उसके घर पर दबिश. जहां से आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग गया.कैसे देते थे घटना को अंजामः आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह अपने परिचित इमाद निवासी बेहट सहारनपुर के साथ अगस्त 2023 में कालका दिल्ली निवासी निवेदिता शर्मा से उसके घर पर मिला. जहां पर मो.आयान ,मोहम्मद वसीद, फैजान फरजान, यासर, राज चौधरी और हरिद्वार निवासी भुवन अरोड़ा से आरोपी की मुलाकात हुई. आरोपियों ने मिलकर एक 'सेक्सटॉर्शन' रैकेट गैंग बनाया. यह गैंग इस रैकेट के तहत लड़कियों का इस्तेमाल करके अमीर बिजनेसमैन को टारगेट करता था. उन अमीर लोगों से अश्लील काम करवाते थे. अमीर बिजनेसमैन लोगों की रेप्युटेशन खराब करने की धमकी देकर खुद को दिल्ली में नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारी होने का दावा करके उनको बंधक बनाकर, धमका और मारपीट कर उनसे मोटे पैसे ऐंठते थे.मुंबई के कारोबारी को जाल में फंसायाः आरोपी ने योजना बनाकर निवेदिता शर्मा के माध्यम से पीड़ित मुंबई निवासी कारोबारी को अपने जाल में फंसाया. नार्थ गोवा में विला हाउस फॉरेस्ट कुचेलिया मापुसा को किराये पर लेकर उसमें वीडियो कैमरे फिट किये. योजना के तहत पीड़ित बिजनेसमैन को मिलने के लिए बुलाकर महिला निवेदिता शर्मा उसके साथ विला में रुक गयी. रात में साथी आरोपियों ने योजना के तहत विला में घुसकर खुद को दिल्ली नारकोटिक ब्यूरो टीम का बताया. साथ ही उसके अश्लील वीडियो बनाकर उसे बंधक बनाया. उसके साथ मारपीट की. आखिर में उससे करोड़ों रुपए ऐंठने लिए.

## पहाड़ी जिलों में बढ़ रहे मनोरोगी: सामान्य डिप्रेशन की चपेट में हर शख्स

▶▶ पहाड़ी जिलों में बढ़ रहे मनोरोगी: सामान्य डिप्रेशन की चपेट में हर शख्स, आपदा, जानवरों के हमलों से जीवन नर्क

**देहरादून, एजेंसी।** प्राकृतिक आपदा, बाघ के हमले, खाई में गिरते वाहन आदि घटनाएं तो लोगों के अवसाद का प्रत्यक्ष कारण बन ही रहीं हैं साथ ही न दिखने वाली विपरीत परिस्थितियां भी मानसिक रोग की वजह बन रहीं हैं। पहाड़ की जिन वादियों में दुनिया सुकून तलाशने पहुंचती है वहां के बाशिंदों के लिए वही वादियां अब खौफ और बेबसी की वजह बन चुकी हैं। यह विरोधाभास ही है कि जो शांत फिजाएं पर्यटकों का मन लुभाती हैं वे वहां के निवासियों को खालीपन के अंधेरे और मानसिक बीमारियों के जाल में धकेल रही हैं। पहाड़ के लोगों का मन टटोलने वाले

मनोवैज्ञानिकों की मानें तो यहां रहने वाला लगभग हर व्यक्ति सामान्य अवसाद से जूझ रहा है।प्राकृतिक आपदा, बाघ के हमले, खाई में गिरते वाहन आदि घटनाएं तो लोगों के अवसाद का प्रत्यक्ष कारण बन ही रहीं हैं साथ ही न दिखने वाली विपरीत परिस्थितियां भी मानसिक रोग की वजह बन रहीं हैं। इसकी वजह से लोग सोमाटाइजेशन विकार, पीटीएसडी, सिजोफ्रेनिया, बाईपोलर डिसॉर्डर, साइकोसिस और डिमेंशिया की चपेट में आ रहे हैं। डर के साये में जी रहे इन इक्का-दुक्का लोगों के घरों में अब परिंदों की चहचहाहट ही बची है। वीरान पड़े घर की दहलीज पर बैठी वो बुजुर्ग आंखें किसी परिचित या अपरिचित को अपनी ओर आते देख चमक उठती हैं। गढ़वाल मंडल के उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली आदि पहाड़ी जिलों के दूरस्थ गांवों में ऐसे कई मामले हैं।पौड़ी के चैलूसैंण में तैनात चिकित्सक डॉ. आशीष गोसाईं के मुताबिक मनोरोग से जूझ रहे करीब 25 लोग उनके पास हर रोज पहुंचते हैं। इनमें से 10 से 12 लोग ऐसे होते हैं जो अकेलेपन से जूझते हैं। वे कहते हैं कि डॉक्टर साहब दवाई बाद में देना पहले बात कर लो। वे अपने परिवार और घरों के पुराने किस्से डॉक्टर के साथ साझा कर अपने मन को हल्का करते हैं।उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में अगस्त 2025 में आई आपदा ने कामेश्वरी देवी की दुनिया उजाड़ दी। वह कहती हैं, आपदा ने मुझसे मेरा घर तो छीना ही मेरा बेटा भी हमेशा के लिए दूर कर दिया। अब मैं अपने जीजा के घर पर रहती हूं। रात को किसी भी समय नींद टूट जाती है। मस्तिष्क में हमेशा तनाव रहता है। रक्तचाप बढ़ने-घटने की भी परेशानी है। इस तरह की मनोस्थिति को विशेषज्ञ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर नाम दे रहे हैं। उस इलाके से पीटीएसडी के कई मरीज पहुंच रहे हैं।धराली में आपदा के बाद 70 परिवार में से सिर्फ पांच-छह परिवार ही बचे हैं। आपदा में गांव के ही आठ लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा बड़ीसंख्या में वहां के होटलों में काम करने वालों और पर्यटकों की भी मौत हुई थी। गांव वालों का मानना है कई शव उनके घर के आसपास मौजूद मलबे में अब तक दबे हैं। ग्रामीण पूरणा देवी, परमानंद, शूरवीर समेत वहां रहने वाले सभी लोगों का दावा है कि उनके घरों के आसपास मलबे में कई शव दबे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### भाजपा पार्षद की पशुशाला में नकाब लगाकर दो भैंस चोरी

**बरेली, एजेंसी।** भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष व नगर निगम के नामित पार्षद गांव पस्तोर निवासी ज्ञानप्रकाश लोधी की पशुशाला में बंधी दो भैंस नकब लगाकर चोरी कर ली गईं। सूचना के छह घंटे बाद भी जब पुलिस मौके पर नहीं पहुंची तो गुस्साए भाजपा पार्षदों ने थाने में हंगामा किया। इसके बाद रिपोर्ट दर्ज की गई। ज्ञानप्रकाश ने बताया कि उनकी दो भैंस घर के पास ही पशुशाला में बंधी थीं। शनिवार सुबह पांच बजे जब उनकी पत्नी चारा डालने पहुंचीं तो पीछे की दीवार टूटी मिली। पशुशाला से दोनों भैंस चोरी हो चुकी थीं। उन्होंने सूचना थाना पुलिस को दी, मगर छह घंटे बाद भी कोई मौके पर नहीं आया। दोपहर 12 बजे ज्ञान प्रकाश के साथ पार्षद राम सिंह पाल, धर्मवीर साहू, रणजीत वाल्मीकि आदि पार्षद थाने पहुंचे और वहां हंगामा किया।मामले की शिकायत वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार से की। मंत्री ने एसएसपी अनुराग आर्य व एसपी सिटी मानुष पारीक से बात की। अधिकारियों ने जल्द ही चोरों को पकड़कर भैंस बरामदगी कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद ये लोग थाने से चले गए। पार्षदों का कहना है कि 19 मार्च को भी गांव निवासी पातीराम व जनवरी में भगवान दास आदि की भैंस चोरी कर ली गई थीं, जिनका अब तक पता नहीं लगा है। थाना प्रभारी प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

### उच्च शिक्षा में फेरबदल, राजकीय महाविद्यालयों के 230 प्रवक्ताओं का तबादला

**लखनऊ, एजेंसी।** उच्च शिक्षा विभाग ने शनिवार देर रात राजकीय महाविद्यालयों के 230 प्रवक्ताओं का तबादला किया है। इसमें उच्च शिक्षा विभाग ने जहां जरूरत वाले कुछ महाविद्यालयों में तैनाती की है तो कुछ अभी बाकी हैं। वहीं कम प्रवेश वाले राजकीय महाविद्यालयों पर भी शासन का डंडा चला है। प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की सख्ती के बाद छात्र संख्या बढ़ाने के लिए लगातार बैठकें व दौरे चल रहे हैं। इस बीच राजकीय महाविद्यालयों में जरूरत के अनुसार शिक्षकों की तैनाती न होने का भी मामला संज्ञान में आया था। इसे देखते हुए पिछले दिनों विभाग ने सभी शिक्षकों की संबद्धता निरस्त कर दी थी। जबकि तबादला नीति जारी होने के बाद शनिवार को 230 प्रवक्ताओं की तबादला सूची जारी की गई। इसके तहत कम छात्र संख्या वाले राजकीय महाविद्यालय निहस्था, रायबरेली से चार शिक्षकों का तबादला किया गया है। वहीं सोनभद्र के अलग-अलग राजकीय महाविद्यालयों में आधा दर्जन शिक्षकों की तैनाती की गई है। हालांकि लखीमपुर खीरी के अच्छी छात्र संख्या वाले कॉलेज को इसमें भी शिक्षक नहीं मिले हैं। उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से तबादला सूची जारी करते हुए शिक्षकों को तत्काल नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए उन्हें किसी तरह का अवकाश नहीं दिया जाएगा।

### हड़ताल के तीसरे दिन ट्रांसपोर्टरों ने निकाली पदयात्रा

**मेरठ, एजेंसी।** एनवायरनमेंट कंपनसेशन सेस (ईसीसी) में वृद्धि और बीएस 4 वाहनों के प्रस्तावित प्रतिबंध के विरोध में मेरठ ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का नेतृत्व करने वाले गौरव शर्मा और ट्रांसपोर्टर नेता पिंकी चिन्योटी की अगुवाई में तीसरे दिन भी आंदोलन जारी रहा। चिन्योटी की टीम ने अंतिम दिन पदयात्रा निकाली। तीन दिवसीय हड़ताल के चलते शहर में 36 करोड़ की सप्लाई सप्लाई प्रभावित हुई। ट्रांसपोर्टरों ने एकजुटता दिखाते हुए दिल्ली-एनसीआर में माल आपूर्ति को प्रभावित किया। हालांकि आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई जारी रही। यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन मेरठ जोन के अध्यक्ष चिन्योटी ने हड़ताल की सफलता पर शनिवार को शहर में पदयात्रा निकालकर ट्रांसपोर्टरों और ड्राइवरों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्टरों ने जिस अनुशासन और एकजुटता के साथ आंदोलन को सफल बनाया है। यह पूरे देश के लिए एक मिसाल है। पदयात्रा में अंगद चावला, परमजीत सिंह, समीर कोहली, रविंद्र सिंह बेदी, विजित शर्मा, गुरदीप सिंह गुड्डू, नवीन पुरी, शंभू बंसल, ताहिर इस्लाम, सरदार जसविंदर सिंह, राजा शर्मा, प्रदीप, अवी, आर्यन, परमिंदर रहे। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष गौरव शर्मा कार्यालय पर ट्रांसपोर्टरों की बैठक हुई। बैठक में ट्रांसपोर्टरों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक का नेतृत्व कर रहे दीपक गांधी ने आगे की रणनीति पर विचार रखे। बैठक में अमित शर्मा, रोहित कपूर, शिवम, अंकुर प्रजापति, नीरज मुल्तानी, मोनू वर्मा, देवेंद्र कुमार, धीरज, संतोक सिंह आदि रहे

# आज से प्रदेश में नौतपा का असर होगा शुरू

## छह दिन के बाद बन रहे हैं बारिश के आसार

**लखनऊ , एजेंसी।** भीषण गर्मी से तप रहे लोगों को अवध और एनसीआर के कुछ जिलों में आंधी-बारिश से भी राहत नहीं मिली। बुंदेलखंड सहित तमाम जिलों में सूरज के तेवर तल्ख रहे। तपिश और लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान किया। बांदा अभी भी सबसे गर्म बना हुआ है। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार से नौतपा शुरू हो रहा है, जिससे कम से कम अगले छह दिनों तक आसमान से आग बरसने और झुलसा देने वाली पछुआ हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार छह दिन बार बारिश से कुछ राहत मिल सकती है।

अवध के जिलों में शनिवार को मौसम के बदले रंग रहे। अयोध्या, बाराबंकी और गोंडा में दोपहर बाद आंधी से कई खंभे गिर गए। पेड़ उखड़ गए। बाराबंकी में आंधी के साथ बारिश भी हुई। वहीं, लखनऊ, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती व अमेठी में लोग गर्मी से बचाव के उपाय करते नजर आए। प्रयागराज में पारा 46 डिग्री, झांसी में 44.9, वाराणसी में 44.7, हमीरपुर में 44.6 और सुल्तानपुर में 44.4 डिग्री दर्ज किया गया।

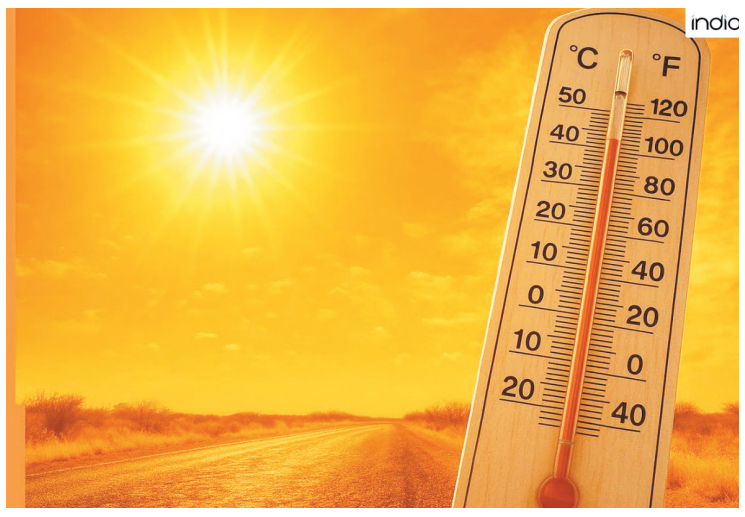


**छह दिन बाद बारिश के आसार :** आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, प्रदेश में कोई भी सक्रिय मौसम तंत्र न होने से शुष्क और साफ मौसम के आसार हैं। प्रदेश में आगामी एक सप्ताह के दौरान कुछ स्थानों पर लू का असर बढ़ेगा।

कहीं-कहीं रातें भी गर्म होने की संभावना है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आगामी तीन दिनों के लिए रेड अलर्ट और उसके बाद ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। इसके अलावा छह दिन बाद प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है जिससे तापमान में गिरावट महसूस होगी।

**इन इलाकों में छिटपुट बारिश :** इसके अलावा पंजाब से दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान तक विस्तृत द्रोणी के प्रभाव से प्रदेश के पश्चिमी भाग में कहीं कहीं मेघगर्जन या वज्रपात के साथ झोंकेदार हवा और छिटपुट बारिश की संभावना भी है।

उन्होंने बताया कि छह दिन बाद प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है जिससे तापमान में गिरावट महसूस होगी। हालांकि जिन जगहों पर बारिश नहीं भी होगी तो वहां पर भी तापमान में गिरावट के आसार व्यक्त किए जा रहे हैं।

**तापमान में मामले में बांदा अभी भी सबसे ऊपर :** तापमान के मामले में बांदा अभी भी सबसे ऊपर बना हुआ है। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री दर्ज किया गया। 46 डिग्री के साथ प्रयागराज दूसरे नंबर पर रहा। झांसी में तापमान 44.9 डिग्री, वाराणसी में 44.7, हमीरपुर में 44.6 और सुल्तानपुर में 44.4 डिग्री दर्ज किया गया।

## कूलर लगाकर और पानी डालकर ठंडे किए जा रहे भभकते ट्रांसफार्मर

**मेरठ , एजेंसी।** भीषण गर्मी में बिजलीघरों के ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो रहे हैं। मेरठ जोन-1 और मेरठ जोन-2 के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के कई बिजलीघरों के ट्रांसफार्मरों पर कूलर लगाकर व पानी डालकर उनका तापमान कम किया जा रहा है, ताकि वे लगातार बिजली आपूर्ति करते रहे।

भीषण गर्मी में ओवरलोड होकर ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। गर्मी में भभकते ट्रांसफार्मरों को ठंडा करने के लिए पीवीवीएनएल के अधिकारियों ने कई कदम उठाए हैं। मोहकमपुर बिजलीघर के ट्रांसफार्मरों पर पानी डालकर उनके 75 से 80 डिग्री सेल्सियस तापमान को कम किया जा रहा है। इस दौरान उन्हें बंद कर दिया जाता है। जब उनका तापमान घट जाता है तो उन्हें फिर से चालू किया जाता है। मुख्य अभियंता मेरठ-1 रजनीकांत मिश्र ने बताया कि शहरी क्षेत्र में 59 बिजलीघरों में से लगभग छह बिजलीघरों पर कूलर लगाए गए हैं। इसी तरह से मेरठ देहात क्षेत्र के जाहिदपुर बिजलीघर, काजीपुर बिजलीघर, जानी क्षेत्र के बिजलीघर, मोदीपुरम क्षेत्र के बिजलीघरों पर भी कूलर लगाए गए हैं। जानी क्षेत्र के बिजलीघर के ट्रांसफार्मर पर पानी डालकर ठंडा किया जा रहा है ताकि वे फुंक ना जाए। मुख्य अभियंता मेरठ-2 गुरजीत सिंह ने बताया कि लगातार चलने से ट्रांसफार्मर बुरी तरह से गरम हो जाते है जिससे उनके फुंकने का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी में ट्रांसफार्मरों को ठंडा करने के लिए कई उपाय किए गए हैं। इनमें ट्रांसफार्मरों पर कूलर लगाना, स्प्रिंकलर के जरिए पानी का छिड़काव करना और पाइप के जरिए पानी डालकर ट्रांसफार्मरों को ठंडा करना शामिल है।

## 10 साड़ी और 16 हजार रुपये में सौदा, 12 साल की बेटी से दो ने किया दुष्कर्म, अरेस्ट

**वाराणसी, एजेंसी।** बिहार की महिला ने 10 साड़ी और 16 हजार रुपये के लिए अपनी 12 साल की बेटी को बेच दिया। पहले नाबालिग को खरीदने और मंदिर में शादी का दिखावा करने वाले 40 वर्षीय आरोपी लहरू यादव ने उससे चार महीने तक दुष्कर्म किया फिर ऑटो चालक ने दुष्कर्म किया। सारनाथ थाने की पुलिस ने करीब चार महीने पुराने मामले का खुलासा शनिवार को किया। पुलिस के मुताबिक पीड़िता की तहरीर के आधार पर 21 मई को दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और मानव तस्करी सहित अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

**पुलिस ने की कार्रवाई :** शनिवार को फरीदपुर अंडरपास और सारनाथ रेलवे स्टेशन के पास से पीड़िता की मां, चंदौली के लहरू यादव उर्फ राकेश और झारखंड के रवि वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया।मामला जनवरी 2026 का है। बिहार

की अरवल निवासी महिला ने अपनी बेटी को चंदौली के बलुआ हरधन निवासी लहरू यादव को बेच दिया था। इसके बदले लहरू ने नाबालिग की मां को 16 हजार रुपये दिए थे। 10 साड़ी भी दी थी।

आरोप है कि दिखावे के लिए लहरू ने नाबालिग से चहनिया क्षेत्र के एक मंदिर में शादी की थी लेकिन पत्नी के तौर पर नहीं रखा था। अपने बच्चों और परिजनों से दूरी बनाकर रहता था। वह कम उम्र का दिखे इसलिए दिल्ली गया और 90 हजार रुपये में हेयर ट्रांसप्लांट कराकर लौटा।

लहरू दो बच्चों का पिता है। उसकी पत्नी का निधन हो चुका है।सारनाथ थाना प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने बताया कि नाबालिग को खरीदने वाले लहरू ने चार महीने तक उसे अपने पास रखा था। इस बीच उससे दुष्कर्म करता रहा। 19 मई को लहरू नाबालिग को बनारस रेलवे स्टेशन मंडुवाडीह ले आया और वहीं छोड़कर भाग निकला। नाबालिग को अकेला देख झारखंड निवासी ऑटो चालक रवि वर्मा ने मदद का भरोसा दिलाया और उसे साथ ले गया। रवि पहड़िया में रहकर ऑटो चलाता है। रवि ने सारनाथ स्थित तालाब के पास नाबालिग से दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर नाबालिग को जान से मारने की धमकी दी।

दुष्कर्म के बाद ऑटो चालक उसे लेकर अपने घर पहड़िया गया। ऑटो चालक के घर में नाबालिग को देखकर आसपास के लोगों को शक हुआ और उन्होंने पूरे मामले की सूचना सारनाथ थाने की पुलिस को दे दी।

## आबकारी मंत्री की 'मां के दूध' वाली चुनौती, राजाबक्श सिंह बोले- क्षत्राणी का दूध पिया है, मैदान में मिलेंगे

**कानपुर, एजेंसी।** हरदोई जिले में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने शनिवार शाम आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में विरोधियों को खुली चुनौती दे दी। कहा कि भाजपा में फेसबुकिया नेता बहुत पैदा हो गए हैं। हम चुनौती देते हैं कि अगर हिम्मत है और मां का दूध पिया है, तो हमारे सामने चुनाव लड़कर दिखाओ।

हम भी जान लेंगे कितनी जनता साथ है। मंत्री का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद नितिन अग्रवाल के खिलाफ चुनाव लड़ चुके भाजपा नेता राजाबक्श सिंह ने चुनौती स्वीकार करने का एलान सोशल मीडिया पर कर दिया। आबकारी मंत्री इन दिनों जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं।

**विकास कार्यों का लेखा-जोखा भी दे रहे हैं :** प्रत्येक सप्ताह दो-दो मोहल्लों के लोगों के साथ बैठक कर विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श कर रहे हैं, विकास कार्यों का लेखा-जोखा भी दे रहे हैं। शनिवार शाम कृषि फार्म पर लक्ष्मीपुरवा और कृष्णनगरिया के लोगों की बैठक में आबकारी मंत्री ने कहा कि अब फेसबुक पर राजनीति करने वालों की बाढ़ आ गई है।

**खुले मैदान में आकर हमसे लड़ें :** कुछ फेसबुकिए नेता, जिन्हें अपना इतिहास पता नहीं है वो महापुरुषों का इतिहास बता रहे हैं। इस दौरान आबकारी मंत्री ने कहा कि अगर लड़ने का बहुत शौक है, तो खुले मैदान में आकर हमसे लड़ें। आबकारी मंत्री का यह बयान सोशल मीडिया पर देखते ही देखते वायरल हो गया।

**चुनौती स्वीकार थी और स्वीकार है :** इसके बाद भाजपा नेता राजाबक्श सिंह ने इसका जवाब सोशल मीडिया पर ही दिया। राजा बक्श सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चुनौती स्वीकार थी और स्वीकार है। आने वाले समय में हरदोई सदर की जनता बताएगी किसने मां का दूध पिया है। उन्होंने यह भी लिखा कि मैंने तो क्षत्राणी का दूध पिया है।

मेरे कहने का आशय यह है कि पिछले एक साल से पार्टी के ही लोग चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। लोग टिकट के दावेदार हो सकते हैं लेकिन चुनाव जरूर लड़ने की बात कहना दर्शाता है किसी भी पार्टी से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। ऐसे में संगठन को इन लोगों की अनुशासनहीनता का संज्ञान लेना चाहिए। -नितिन अग्रवाल, आबकारी मंत्री

**नितिन से दो बार हार चुके राजाबक्श :** भाजपा नेता राजाबक्श सिंह आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल के खिलाफ दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। यह बात और है कि दोनों ही चुनावों में राजाबक्श को हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में नितिन अग्रवाल सपा से और राजा बक्श सिंह बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे।

**राजाबक्श सिंह चुनाव नहीं लड़े थे :** इस चुनाव में नितिन अग्रवाल जीते थे। वर्ष 2017 के चुनाव में राजाबक्श सिंह भाजपा से और नितिन अग्रवाल सपा से चुनाव लड़े थे। इस चुनाव में भी नितिन जीते थे। वर्ष 2022 के चुनाव में भाजपा ने नितिन अग्रवाल को प्रत्याशी बनाया था। राजाबक्श सिंह चुनाव नहीं लड़े थे।

## अधिकार स्विच होने के बाद महापौर ने ललित तिवारी को दिलाई शपथ, बोलीं- दोबारा चुनाव होना चाहिए था

**लखनऊ, एजेंसी।** राजधानी लखनऊ में पांच महीने तक चली कानूनी लड़ाई के बाद सपा के ललित तिवारी को फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड से पार्षद पद की शपथ दिलाई गई। महापौर सुषमा खर्कवाल ने शपथ दिलाई। नगर निगम के 66 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी को कोर्ट के आदेश पर शपथ दिलाई गई हो।

यह मामला फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड का है। वहां पर भाजपा के प्रदीप शुक्ला टिंकू विजय हुए थे। दूसरे नंबर पर सपा के ललित तिवारी रहे थे। इन दोनों के बीच मतों का अंतर करीब 1700 का था। चुनाव के बाद ललित किशोर ने कोर्ट में वाद दायर किया कि भाजपा के प्रदीप शुक्ला टिंकू ने शपथ पत्र में अपनी विवाह को लेकर गलत जानकारी दी है।

**ललित तिवारी शपथ ग्रहण को लेकर प्रयास कर रहे थे :** इसके बाद कारीब पांच महीने पहले अपर जिला जज की कोर्ट ने प्रदीप शुक्ला के निर्वाचन को निरस्त करते हुए ललित तिवारी को निर्वाचित घोषित कर दिया। निर्वाचित घोषित होने के बाद से ललित तिवारी शपथ ग्रहण को लेकर प्रयास कर रहे थे।

इसको लिए उन्होंने नगर निगम, जिलाधिकारी, मंडल आयुक्त कार्यालय और शासन तक पत्राचार किया। जब शपथ ग्रहण नहीं कराया गया तो उन्होंने इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में वाद किया। हाईकोर्ट की ओर से शपथ ग्रहण करने के लिए आदेश जारी किए गए।

**कोर्ट ने महापौर के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए :** इसके बाद जब शपथ नहीं कराई गई तो 21 मई को हाईकोर्ट ने महापौर सुषमा खर्कवाल के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए। इस बीच महापौर कमांड अस्पताल में भर्ती हो गईं। उनका कहना था कि वह बीमार हैं, इसलिए इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं।

महापौर से जब बात की गई तो उन्होंने कहा था कि जब अस्पताल से डिस्चार्ज होंगी, तब कुछ करेंगी। शनिवार को वह अस्पताल से डिस्चार्ज हुईं। इसके बाद रविवार को उन्होंने शपथ ग्रहण कराया। इस बीच सोशल मीडिया पर भाजपा के कुछ पार्षद व अन्य लोगों की ओर से यह मांग भी उठाई गई कि तृतीय वार्ड में उपविजेता को पार्षद घोषित करने की बजाय वहां पर चुनाव कराया जाना चाहिए था।

दोबारा चुनाव होना चाहिए था

सोशल मीडिया पर भाजपा पार्षद अनुराग मिश्रा ने लिखा कि वह हाईकोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं, लेकिन जिस तरह रामपुर में आजम अब्दुल्ला के गलत शपथ पत्र के आधार पर चुनाव को रद्द कर दोबारा चुनाव कराया गया, उसी आधार पर यहां भी कराया जाना चाहिए।

वहीं ललित तिवारी को पार्षद पद की शपथ ग्रहण करने के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश का पालन किया है। अब तक पालन न किए जाने को लेकर कहा कि वह अस्वस्थ थीं। जैसे ही ठीक हुईं, उन्होंने शपथ ग्रहण करा दिया है। यह भी कहा की चुनाव में प्रदीप शुक्ला टिंकू को ललित तिवारी से ज्यादा मत मिले थे। आजम खान के बेटे अब्दुल्ला के मामले में जिस तरह से दोबारा चुनाव कराया गया था, उसी तरह से यहां भी होना चाहिए था।

## बिजली संकट पर भड़के सपाई, एमडी को घेरा

**मेरठ , एजेंसी।** जिले में जारी भीषण बिजली संकट को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने मोर्चा खोल दिया है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व सपा विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान के नेतृत्व में शनिवार को बड़ी संख्या में सपा नेता पीवीवीएनएल के मुख्यालय ऊर्जा भवन पहुंचे। घंटों इंतजार कराने के बाद भी जब एमडी अपने कक्ष में नहीं पहुंचे तो आक्रोशित सपाइयों ने सीधे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) रूम में पहुंचकर एमडी से मुलाकात की और क्षेत्र की बदहाल विद्युत व्यवस्था की कड़ी शिकायत की।

सीमा प्रधान ने एमडी रवीश गुप्ता को सौंपे ज्ञापन में कहा कि सरधना, फलावदा, दौराला, लावड़ आदि कस्बों और देहात के अनेक गांवों में अत्यधिक विद्युत कटौती व लो-वोल्टेज से हाहाकार मचा है। भीषण गर्मी में ट्रांसफार्मर ओवरलोड होकर फुंक रहे हैं जिससे घंटों आपूर्ति ठप रहती है।

उन्होंने कहा कि इस समय फसलों की सिंचाई पूरी तरह बिजली पर निर्भर है। कम वोल्टेज और अघोषित कटों के कारण किसान खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं जिससे फसलें खराब होने का खतरा पैदा हो गया है।

कहा कि अघोषित कटौती से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। लगातार बाधित बिजली के कारण छोटे व्यापारियों का कारोबार ठप है, वहीं परीक्षाओं और भीषण गर्मी के बीच विद्यार्थियों का दैनिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। टोल-फ्री नंबर या स्थानीय स्तर पर शिकायत करने के बावजूद अधिकारी समय से समाधान नहीं कर रहे हैं, जिससे जनता में भारी रोष व्याप्त है।

एमडी रवीश गुप्ता ने ओवरलोडेड ट्रांसफार्मरों व लो-वोल्टेज की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द दूर करने का ठोस आश्वासन दिया। ऊर्जा भवन में प्रदर्शन और वार्ता के दौरान सीमा प्रधान के साथ मुख्य रूप से डॉ. विजय राठी, ईशा चेयरमैन, शकील चेयरमैन, शाहवेज, मोहित तोमर, उपेंद्र प्रधान भराला, अशरफ राणा, सलीम अंसारी और ललित सरधना सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## कभी भी हो सकता है भाजपा संगठन पर बड़ा फैसला

**लखनऊ, एजेंसी।** भाजपा प्रदेश संगठन में बदलाव को लेकर चल रही बैठकों का दौर अभी दो दिन और चलेगा। बैंगलुरू और गाजियाबाद के कार्यक्रमों से खाली होकर दिल्ली पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े के साथ उनके आवास पर दो घंटे से अधिक समय तक यूपी संगठन की सूची को लेकर मंथन जरूर किया। सूत्रों का कहना है अब रविवार को होने वाली बैठक में सूची पर अंतिम मुहर लग सकती है। जिसे सोमवार या मंगलवार को जारी किया जा सकता है।

बता दें कि प्रदेश स्तर पर संगठन में महामंत्री, उपाध्यक्ष मंत्री के अलावा प्रवक्ता, मीडिया और युवा, अल्पसंख्यक और किसान मोर्चा के अध्यक्षों के साथ ही छह

क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक कई दौर की बैठकें हो चुकी है। प्रस्तावित नामों की सूची पर अंमित मुहर लगवाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री संगठन पिछले तीन दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं।

दरअसल संगठन तमाम पदाधिकारी पिछले एक दशक से कब्जा जमाए हुए हैं और कई पदाधिकारियों की छवि को लेकर गंभीर सवाल भी उठते रहे हैं। इसे देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ऐसे सभी पुराने पदाधिकारियों को बदलने का फैसला किया है, लेकिन कई बड़े नेता अपने-अपने चहेतों को दुबारा संगठन में बनाए रखने और पदोन्नति दिलाने को लेकर जोर लगाए हुए हैं, इस वजह से सहमति नहीं बन रही है। सूत्रों का कहना है कि कई नेताओं ने अपने चहतों के बारे में गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन से सिफारिश करा रहे हैं। जबकि प्रदेश नेतृत्व उन नामों पर सहमत नहीं है, इस वजह से अंतिन निर्णय नहीं हो पा रहा है। प्रदेश के अलावा खासतौर से क्षेत्रीय अध्यक्षों और मोर्चों के पदाधिकारियों को लेकर अभी पेंच फंसा हुआ है।

संगठन के मुख्य पदाधिकारियों के अधिकांश नाम पर तो सहमति बन गई है, कुछ नाम पर जिच कायम है। ऐसे ही क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदलने और उनको समायोजित करने को लेकर भी सहमति नहीं बन पाई है। जबकि केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश नेतृत्व से विभिन अनुषांगिक मोर्चों के अध्यक्षों के नाम भी मांगे हैं। इन पदों पर भी दावेदारों की भारी भीड़ ने मामला उलझा दिया है।

## संक्षिप्त समाचार

### पाइप लाइन में लीकेज, घरों में पहुंच रहा गंदा पानी

**अलीगढ़ , एजेंसी।** शहर के रसलगंज सराय रहमान के वार्ड नंबर-42 के लोग इन दिनों गंदगी और दूषित पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। इलाके में पाइपलाइन में लीकेज है। इस कारण गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है।लोगों का कहना है कि सुबह-शाम पेयजल की आपूर्ति कुछ समय के लिए ही होती है, लेकिन शुरुआत में पानी बेहद गंदा आता है। जब तक साफ पानी आता है, तब तक जलापूर्ति बंद हो जाती है। इससे लोगों को पीने और घरेलू कामों के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धोबी वाली गली में तीन महीने पहले पानी की पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई थी। इसके बाद से न तो पानी की समस्या दूर हुई और न रास्ता सही कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में सफाई नहीं हो रही, जिससे नाले-नालियां कूड़े से अटे रहते है और बदबू के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। लोगों ने बताया कि सफाई कर्मचारी कभी-कभार आते भी हैं तो सिर्फ मुख्य रास्तों तक ही सफाई करके चले जाते है। अंदरूनी गलियों में कूड़ा लंबे समय तक जमा रहता है।

### दीप्ति सिंह ने 22 हजार बेटियों को ताइक्वांडो से बनाया आत्मनिर्भर

**अलीगढ़ , एजेंसी।** दीप्ति सिंह बेटियों को आत्मरक्षा और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाकर सशक्त बनाने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। वह आज अलीगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। अलीगढ़ रत्न से सम्मानित दीप्ति 2014 से अब तक 22 हजार बेटियों को निशुल्क ताइक्वांडो एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बना चुकी हैं।ब्लैक बेल्ट धारक दीप्ति ने वर्ष 2010 में प्रशिक्षण लेना शुरू किया था। वर्ष 2013 में उन्होंने ब्लैक बेल्ट हासिल की। उन्होंने कानपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाई। इसके बाद उन्होंने भूटान और देहरादून में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया। दीप्ति अब तक 22 हजार से अधिक छात्राओं को ताइक्वांडो एवं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। वर्तमान में वह अपनी टीम के साथ कई शिक्षण संस्थानों में नियमित प्रशिक्षण दे रही हैं। राष्ट्रीय प्रशिक्षिका एवं राष्ट्रीय रेफरी के रूप में उनकी डॉक्यूमेंट्री डीडी नेशनल पर प्रसारित हो चुकी है। वर्ष 2017 में छात्राओं की असामाजिक तत्वों से रक्षा में साहसिक भूमिका निभाने पर उन्हें अलीगढ़ रत्न सम्मान से नवाजा गया था।

### जिले में पहली बार आईपीएल की तर्ज पर होगी हॉकी लीग

**आगरा , एजेंसी।** जिले में पहली बार क्रिकेट के आईपीएल की तर्ज पर हॉकी मास्टर फ्यूजन प्रीमियर लीग का आयोजन होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 25 से 29 मई तक एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग में कुल छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच प्रतिदिन शाम सात बजे और रात आठ बजे मुकाबले होंगे।आयोजन सचिव राजीव सोई ने बताया कि यह आगरा का पहला हॉकी टूर्नामेंट है जो पूरी तरह दूधिया रोशनी में खेला जाएगा। टीमों का चयन नीलामी प्रक्रिया के जरिये हुआ है। हर गोल पर बॉन फायर जलाकर जश्न मनाने की भी तैयारी है। इस लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें हैं।इन टीमों में शहर और आसपास के अनुभवी व युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। शारदा शार्क की कमान शकील खान संभालेंगे, जबकि प्रेम मोटर्स का नेतृत्व उत्कर्ष अग्रवाल करेंगे। योद्धा फ्लिकर्स के मेंटर मनोज शर्मा हैं, रॉयल एनफील्ड टीम को मनोज जादौन संभालेंगे। जर्मन होम्यो मेडी सेंटर टीम के साथ नकुल गौतम और बंसल ऐश टैग यूनिफॉर्म टीम के साथ सजल गुप्ता जुड़े हैं।उपाध्यक्ष धर्मेंद्र बघेल ने बताया कि उद्घाटन समारोह 25 मई को होगा। टूर्नामेंट में अजय सिंह राजपूत, गोपाल भगत, हेमंत शर्मा, शाहिद अंसारी, गुरप्रीत सिंह, गौरव शर्मा, अमरजीत सिंह, गुलफाम, प्रभदीप सिंह, आमीन उल्लाह खान, शाहरुख मलिक, अमिताभ गौतम और अनुज सिंह जैसे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

### आईपीएल फैन पार्क में उमड़े क्रिकेट प्रेमी, स्टेडियम जैसा रहा रोमांच

**आगरा , एजेंसी।** जीआईसी मैदान में सजे आईपीएल फैन पार्क में शनिवार शाम को हजारों क्रिकेट प्रेमी उमड़े। विशाल एलईडी स्क्रीन पर उन्होंने लाइव मैच देखा। आयोजकों ने दर्शकों को किसी स्टेडियम में मैच देखने जैसा अनुभव देने का प्रयास किया था। हर चौके-छक्के और विपक्षी टीम के विकेट गिरने पर दर्शकों की तालियां और सीटियों का शोर गूंजता रहा। मैदान में मौजूद भीड़ अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों के समर्थन में जोश से लबरेज दिखी। शाम ढलते ही क्रिकेट प्रेमी युवा दोस्तों और परिवार के बच्चों के साथ इस क्रिकेट महोत्सव का हिस्सा बनने पहुंच गए। जैसे-जैसे मुकाबला रोमांचक होता गया, दर्शकों का उत्साह भी बढ़ता गया। हाई क्वालिटी विशाल एलईडी स्क्रीन, दमदार साउंड सिस्टम और लाइव कमेंट्री ने मैच के रोमांच को कई गुना बढ़ा दिया।युवाओं ने लखनऊ सुपर जॉइंट्स और किंग्स पंजाब जैसी टीमों का समर्थन किया। दूर बैठे लोगों को भी मैच का हर पल साफ दिखाई दे रहा था। खुले मैदान में बैठकर देर रात तक लोगों ने मैच का आनंद लिया।

# पान के बरेजों के खात्मे से बिगड़ा बुंदेलखंड का पर्यावरण संतुलन

## अब गर्म हवाओं को नहीं मिल पा रही नमी

**लखनऊ, एजेंसी।** पान के बरेजों के खात्मे से बुंदेलखंड का पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। पहाड़ों से टकराकर नीचे आने वाली गर्म हवाओं को अब नमी नहीं मिल पाती है। पान के बरेजे तापमान घटाने में अहम भूमिका निभाते थे। रखरखाव का अभाव और उचित मूल्य नहीं मिलने से बरेजे खत्म हो गए।

यूपी के महोबा में देशी-देशावरी पान के बरेजे तेजी से खत्म हो रहे हैं। तालाबों और बरेजों की कमी बुंदेलखंड के पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ रही है। वनस्पति वैज्ञानिकों का तर्क है कि हरियाली कम होने से तापमान में लगातार वृद्धि होगी। यह स्थिति किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है।

महोबा में कभी 550 एकड़ में पान की खेती होती थी। अब यह घटकर केवल 17 से 20 एकड़ में सिमट गई है। राष्ट्रीय

वनस्पति अनुसंधान संस्थान के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राम सेवक चौरसिया ने इसे अनदेखी का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि पान की खेती खत्म होने से पर्यावरण को भी नुकसान हुआ है। पान के बरेजे स्थानीय स्तर पर तापमान को नियंत्रित करते थे। वे लू के थपेड़ों को शांत करने में बड़ी भूमिका निभाते थे। बरेजों पर निरंतर पानी का छिड़काव होता था। इससे गुजरने वाली गर्म हवाएं ठंडी हो जाती थीं।

**शीतलता के द्वीप और पर्यावरणीय लाभ**

डॉ. राम सेवक चौरसिया के अनुसार, पान के बरेजों को शीतलता का द्वीप कहा जाता था। उनसे वाष्पीकरण से पैदा होने वाली ठंडक आगे बढ़ती थी, जिससे ग्रामीण इलाकों का तापमान स्थिर रहता था। अब बरेजे नहीं होने से बुंदेलखंड की धूप लू के असर को कई गुना बढ़ा देती है। यही वजह है कि यहां का तापमान 40 से 45 डिग्री तक पहुंच गया है।

**पान की लताएं हवा को सर्द बनाती हैं :** वीर भूमि राजकीय महाविद्यालय के वनस्पति विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुराग सिंह कहते हैं कि हरियाली कम होने से तापमान में वृद्धि होगी। पान के बरेजे का सिमटना केवल खेती का संकट नहीं, बल्कि गंभीर पर्यावरणीय नुकसान भी है। पान की लताएं नाजुक होती है। वे धूप बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं, लेकिन हवा को सर्द बनाती हैं। तापमान को संतुलित करती हैं। हवा में मौजूद प्रदूषण को सोख कर खत्म करती हैं।

**जीआई टैगिंग के बाद भी नहीं मिला पान शोध अधिकारी :** महोबा के पान को 2022 में जीआई टैग मिला है। हालांकि, यहां के पान शोध केंद्र में सात साल से कोई शोध अधिकारी नहीं है। विभागीय रिपोर्ट बताती है कि 1970 में 200 एकड़ पान की खेती थी, जो 1975-80 तक 55 एकड़ रह गई। 1995 में यह 550 एकड़ तक पहुंची, पर 2002 के बाद इसमें गिरावट आई। अब यह 17 से 20 एकड़ में सिमट गई है। रखरखाव का अभाव और उचित मूल्य न मिलना इसकी मुख्य वजहें हैं।

**किसानों की मांग और समस्याएं :** पान किसान राजित राम बताते हैं कि बांस की लागत 200 रुपये से बढ़कर छह हजार रुपये सैकड़ा हो गई है। वहीं, उपज की कीमत घट गई है। पहले महोबा का पान पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और विदेश तक जाता था। अब चंद खरीदार मनचाहे दाम पर पान खरीदते हैं।

## गरीब युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ नौकरी भी दिलाएंगे, केंद्र से 50 करोड़ का मिला बजट

**लखनऊ, एजेंसी।** यूपी में गरीब युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ नौकरी भी दिलाई जाएगी। इसके लिए यूपी कौशल विकास मिशन ने कार्ययोजना बनाई। केंद्र से 50 करोड़ का बजट मिला है।

उत्तर प्रदेश में युवाओं को कौशल निखारकर रोजगार व स्वरोजगार के लिए तैयार करने की कवायद गति पकड़ रही है। इसके तहत उप्र कौशल विकास मिशन न सिर्फ प्रशिक्षण लक्ष्य बढ़ाया है, बल्कि अब इसका विस्तार अत्यंत गरीब परिवार के युवाओं तक करने का निर्णय लिया है। खास यह कि इन युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ ही न्यूनतम वेतनमान पर रोजगार भी दिलाया जाएगा। मिशन की हाल ही हुई बैठक में इस बात की कार्ययोजना तैयार की गई कि प्रदेश के जीरो पॉवर्टी के तहत आने वाले परिवारों के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कौशल विकास मिशन उन्हें कौशल प्रशिक्षण देगा।

इसके लिए मिशन ने विशेष कार्ययोजना बनाई है। जल्द ही इसके दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए जाएंगे। मिशन के अनुसार कौशल

विकास मंत्रालय ने इस विशेष योजना के तहत 50 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे इन युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

साथ ही उन्हें न्यूनतम छह महीने तक 16500 की नौकरी दिलाने की अनिवार्यता भी की जाएगी। यह लक्ष्य कौशल प्रशिक्षण देने वाले ट्रेनिंग पार्टनर को दिया जाएगा। मिशन के अनुसार ड्राइवर, फिटर, मैकेनिक, रसोइयां, स्वास्थ्य सहयोगी जैसे कई क्षेत्र हैं, जिसमें इनके लिए बेहतर मौके मिल सकते हैं।

मिशन के अधिकारियों के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में योजना के तहत जीरो पॉवर्टी परिवार के 20 हजार युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी। यह प्रशिक्षण आवासीय होगा। इससे युवाओं को किसी तरह की दिक्कत प्रशिक्षण लेने में नहीं होगी। खास यह कि इसके लिए इन्हें अपना क्षेत्र भी नहीं छोड़ना होगा।

## जेवर के बाद बरेली-दिल्ली हवाई सेवा को भी हरी झंडी

**बरेली, एजेंसी।** एक जुलाई से बरेली-दिल्ली और दो जुलाई से बरेली-जेवर के लिए हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। दोनों का शुरुआती किराया 4500 रुपये है। बरेली-दिल्ली के लिए सप्ताह में तीन और बरेली-जेवर के लिए चार दिन उड़ानें होंगी।

बरेली-जेवर के बाद बरेली-दिल्ली के लिए भी हवाई सेवा को हरी झंडी मिल गई है। एक जुलाई से बरेली-दिल्ली और दो से बरेली-जेवर के बीच उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इंडिगो एयरलाइंस ने दोनों उड़ानों का शेड्यूल जारी करते हुए बुकिंग भी शुरू कर दी है। बरेली-दिल्ली और बरेली-जेवर के बीच शुरुआती किराया 4500 रुपये रखा गया है।

बरेली-जेवर के बीच उड़ान को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने पहले ही एनओसी दे दी थी, लेकिन जेवर एयरपोर्ट के ऑपरेशनल होने का इंतजार था। इधर, बरेली-दिल्ली के बीच उड़ान दिल्ली एयरपोर्ट पर स्लॉट न मिलने के कारण शुरू नहीं हो पा रही थी। अब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्लॉट मिल गया

है। बरेली एयरपोर्ट के निदेशक अवधेश अग्रवाल ने बताया कि बरेली-दिल्ली के बीच सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को उड़ान होगी। वहीं बरेली-जेवर के बीच सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को हवाई सेवा मिलेगी। इंडिगो एयरलाइंस ने टिकट बुकिंग शुरू कर दी है। बरेली एयरपोर्ट के निदेशक अवधेश अग्रवाल ने बताया कि बरेली-जेवर के बीच उड़ान को पहले ही मंजूरी मिल गई थी। अब बरेली-दिल्ली के बीच भी हवाई सेवा को हरी झंडी मिल गई है। बरेली-दिल्ली के बीच एक और बरेली-जेवर के बीच दो जुलाई से उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

बरेली-मुंबई के बीच सप्ताह में चार और बरेली-बंगलूरू के बीच सप्ताह में तीन दिन हवाई सेवा है। एक जुलाई से बरेली-दिल्ली और बरेली-जेवर के बीच भी उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इसके बाद लोगों को बरेली-जयपुर और बरेली-लखनऊ के बीच उड़ानें शुरू होने का इंतजार है। एयरपोर्ट प्रशासन बरेली-दिल्ली की उड़ान को लखनऊ तक विस्तार देने की तैयारी कर रहा है। यह उड़ान बरेली से कनेक्ट करते हुए रहेगी।

## काशी के नमो घाट पर गार्ड और बाउंसरों ने पर्यटकों को पीटा, किशोर की मौत, कई गंभीर रूप से घायल

**वाराणसी, एजेंसी।** वाराणसी के नमो घाट पर रविवार भोर उस समय हड़कंप मच गया, जब सोनभद्र से घूमने आए पर्यटकों के साथ गार्ड और निजी बाउंसरों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया। घटना में 17 वर्षीय राजेंद्र उर्फ चिंटू की मौत हो गई, जबकि कई अन्य पर्यटक घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

घायलों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोनभद्र से आए युवक रविवार भोर में नमो घाट घूमने पहुंचे थे। बताया गया कि घाट के प्रवेश द्वार पर मौजूद गार्डों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इसी बात को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते विवाद और फिर मारपीट में बदल गई।

आरोप है कि मौके पर तैनात गार्डों और निजी बाउंसरों ने पर्यटकों की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मारपीट के दौरान राजेंद्र उर्फ चिंटू गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसके साथियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना में कई अन्य युवक भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घायलों ने सुरक्षा कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही आदमपुर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। साथ ही मौके पर मौजूद कर्मचारियों, गार्डों और अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है।

घटना के बाद नमो घाट की सुरक्षा व्यवस्था और निजी बाउंसरों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाट पर तैनात निजी सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार अक्सर सख्त रहता है। इंस्पेक्टर आदमपुर विमल मिश्रा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## पूरे प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ी

### रात के कुछ खास घंटों पर लोड बढ़ने की निगरानी करेगा विभाग

**लखनऊ, एजेंसी।** प्रदेश में रात में बिजली की मांग दोगुनी हो जाती है। रात में सभी फीडर ओवरलोड हो रहे हैं, जबकि इस वक्त मैन पॉवर आधी रहती है। ऐसे में उपकेंद्रों के प्रभारी सहायक अभियंताओं की चुनौती बढ़ जाती है। प्रदेश में उपकेंद्रों की जिम्मेदारी निभा रहे सहायक अभियंताओं ने बताया कि संविदाकर्मियों की संख्या में कटौती कर दी गई है। शहरी इलाके में पहले बिजली की निगरानी के लिए संविदा पर 36 कर्मचारी लगाए जाते थे, जिसे घटाकर 22 कर दिया गया है। इसी तरह ग्रामीण इलाके में 20 की जगह 12 कर्मचारी हैं। दिन में राजस्व वसूली, कागजात ले जाने व अन्य कई त रह के कार्य रहते हैं। ऐसे में दिन में संख्या अधिक रखी जाती है। रात में यह संख्या दो से तीन ही रहती है। रात के वक्त फाल्ट आने पर कर्मचारियों को एक स्थान पर भेजा जाता है। वहां से आने जाने और मरम्मत कार्य करने में करीब दो से तीन घंटे लग जाते हैं। ऐसे में दूसरे स्थान पर ये कर्मचारी तीन घंटे बाद ही पहुंच पाते हैं। इतना ही नहीं गर्मी के मौसम में अतिरिक्त मैन पावर की भी व्यवस्था की जाती थी, लेकिन इस वर्ष नहीं की गई है।

**मैन पावर बढ़ाने से ही दूर होगा संकट :** उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली संकट दूर करने के लिए मैन पावर बढ़ाना होगा। निलंबित अभियंताओं को बहाल कर उपकेंद्रों पर जल्द से जल्द लगाने की जरूरत है। सब-स्टेशनों पर पर्याप्त गैंग उपलब्ध होंगो त भी बिजली व्यवस्था सुचारू होगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की संख्या कम करने के बाद हर सब-स्टेशन पर केवल तीन गैंगों को 24 घंटे के लिए तैनात किया गया है। यानी प्रत्येक 8 घंटे की शिफ्ट में केवल एक गैंग कार्य करेगी। किसी भी सब-स्टेशन पर न्यूनतम 3 से लेकर आठ फीडर होते हैं। यदि एक साथ दो या तीन फीडरों पर ब्रेकडाउन हो जाए तो एक

अकेली गैंग सभी स्थानों पर नहीं पहुंच सकती है। प्रदेश में शनिवार को अधिकतम मांग 30475 मेगावाट रही वर्ष 2025-26 में अधिकतम मांग 31,486 तक पहुंच चुकी है। इससे साफ है कि अधिकतम मांग पूरी करने में कोई समस्या नहीं है। समस्या मैन पावर की है।

उर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं कार्पोरेशन के अध्यक्ष डा. आशीष गोयल ने शनिवार को बिजली व्यवस्था की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि जिन इलाके में रात के समय अचानक भार बढ़ जा रहा है वहां विशेष तौर पर निगरानी की जाए। उन्होंने उपकेन्द्रों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए।

अध्यक्ष डा. गोयल ने नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, बिजनौर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, मथुरा, फिरोजाबाद, झांसी, बरेली, उन्नाव, बनारस, अयोध्या, गोरखपुर, देवरिया तथा कानपुर (केस्को) के मुख्य अभियंताओं से विद्युत आपूर्ति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। अध्यक्ष ने ट्रांसफार्मर की क्षतिग्रस्तता, ट्रिपिंग एवं सामग्री उपलब्धता की जानकारी ली। मुख्य अभियन्ताओं ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी भी देर रात में भी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि ट्रांसमिशन के साथ बेहतर ताल मेल रखें। निदेशक (वितरण) इसका रिव्यू करते रहे। गर्मी और लू के मौसम में सामान्य शटडाउन न लिए जाएं।

## नाबालिग से दुष्कर्म, दोषी बाल अपचारी को 20 साल की सजा

**वाराणसी, एजेंसी।** विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) नितिन पांडेय की अदालत ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में बाल अपचारी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। साथ ही जुर्माने की आधी धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया गया है। मामले में यह फैसला घटना के करीब 28 महीने बाद आया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जैतपुरा थाना क्षेत्र निवासी महिला ने जनवरी 2024 में अपनी 15 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता की मां का आरोप था कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति का नाबालिग साला उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। घटना 23 जनवरी 2024 की बताई गई, जब सुबह करीब तीन बजे किशोरी घर से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत की थी।

## पति ने देखा पत्नी का 'काला सच', फिर मिलने लगी मौत की धमकी, खुदकुशी के बाद खुला खौफनाक राज, तीन पर केस

**कानपुर, एजेंसी।** हरदोई जिले में मझिला थाना क्षेत्र के झबरापुर गांव में युवक के बीते 29 अप्रैल को खुदकुशी करने के मामले में नया मोड़ आया है। घटना से 24 घंटे पहले मृतक ने अपनी पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा था। इसके बाद प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर युवक को धमकाया था।

मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी समेत तीन लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की प्राथमिकी दर्ज की। झबरापुर निवासी राम किशोर ने पुलिस में शिकायत की। बताया कि उनके पुत्र शिवरतन की शादी 15 साल पहले लखीमपुर के मैगलगंज कोतवाली क्षेत्र के सेमराघाट निवासी नन्हीं के साथ हुई थी।

**प्रेमी ने अपने साथी के साथ मिलकर शिवरतन को धमकाया :** दोनों के चार बच्चे हैं। बताया कि पिछले तीन साल से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि बीते 28 अप्रैल की रात शिवरतन ने पत्नी नन्हीं को प्रदीप नाम के युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। दावा है कि पत्नी के प्रेमी प्रदीप ने अपने साथी पंचम के साथ मिलकर शिवरतन को धमकाया।

**आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज :** कहीं भी प्रेम प्रसंग की बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 29 अप्रैल को नन्हीं घर से चली गई। पत्नी नन्हीं, प्रेमी प्रदीप और उसके सहयोगी पंचम की प्रताड़ना से तंग आकर शिवरतन ने 29 अप्रैल को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। थाना प्रभारी सतेंद्र सिंह ने बताया कि पत्नी सहित तीन लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

**ये था पूरा मामला :** मझिला थाना क्षेत्र के कोरिंगवां के मजरा झबरापुरवा निवासी शिवरतन (35) मजदूरी करते थे। पिता राम किशोर ने बताया कि मंगलवार को शिवरतन की पत्नी नन्हीं देवी अपने चार बच्चों को घर छोड़कर पड़ोस में रहने वाले एक शख्स के खिलाफ चली गई थी।

**बाग में गमछे के फंदे से लटका था शव :** बुधवार को शिवरतन आरोपी के घर गया, तो आरोपी के परिजनों ने शिवरतन से अभद्रता की। इसके बाद शिवरतन वापस घर आ गया। कुछ देर घर में रुकने के बाद खेत चला गया। बुधवार शाम मृतक का भाई गन्ने की फसल में निराई करने पहुंचा, तो शिवरतन का शव बाग में गमछे के फंदे से लटका देखा।

**जांच में जुटी थी पुलिस :** इसकी जानकारी परिजनों को दी। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तमड प्रकाश सिंह ने बताया कि परिजनों ने अगर कोई शिकायत की, तो उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर कोई लिखित शिकायत परिजनों ने नहीं दी है।

## कॉमनवेल्थ का वो गोल्डन पल और अब प्रोजेक्ट अमरजीत

**अलीगढ़ , एजेंसी।** जब लक्ष्य अटूट हो और इरादे फौलादी, तो बंदूक से निकली हर गोली इतिहास रचती है। आज से 16 साल पहले, यानी साल 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में जब अलीगढ़ की बेटी अन्नूराज सिंह ने सटीक निशाना लगाकर देश की झोली में स्वर्ण पदक डाला था, तो पूरा भारत झूम उठा था। इसके बाद लंदन ओलंपिक की 22 और 25 मीटर स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बनने का गौरव भी उन्होंने अपने नाम किया।

अन्नूराज सिंह भावुक होते हुए बताती हैं कि मेरी खेल यात्रा में 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स का हमेशा एक बेहद अहम स्थान रहेगा। भारत के लिए पोडियम पर खड़े होकर स्वर्ण पदक जीतना सिर्फ एक मेडल हासिल करना

नहीं था, बल्कि वह बरसों की कड़ी मेहनत और देश के मान-सम्मान को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के सपने का सच होना था। आज भी जब मैं उस पल को याद करती हूं, तो रगों में वही पुराना उत्साह और रोंगटे खड़े कर देने वाला रोमांच दौड़ जाता है। अन्नूराज अब अहमदाबाद में अपनी एकेडमी के जरिए समाज और देश को वापस लौटाने के मिशन में जुट गई हैं। उन्होंने और उनके पति दिग्गज निशानेबाज गगन नारंग ने मिलकर प्रोजेक्ट अमरजीत की शुरुआत की है। इसके तहत वे प्रतिभावान और जरूरतमंद युवा एथलीटों को निःशुल्क वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग और सहायता प्रदान कर रहे हैं। अन्नूराज कहती हैं, यह मेरे लिए सिर्फ कोई अभियान नहीं है, बल्कि भारत के खेल भविष्य को संवारने में मेरा एक योगदान है।

अन्नूराज ने देश के युवा एथलीटों को कहा कि अपने सपनों पर भरोसा रखिए। आपकी मेहनत कभी जाया नहीं जाती। शार्टकट से सफलता नहीं मिलती। चुनौतियों से न डरें। हर मुश्किल आपको और ज्यादा मजबूत बनाती है। उन्होंने इस साल स्कॉटलैंड में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। साथ ही उम्मीद जताई कि साल 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ खेलों का स्तर 2010 के दिल्ली खेलों से भी कहीं ज्यादा भव्य और शानदार होगा।एक तरफ जहां अन्नूराज सिंह देश के फलक पर चमक रही हैं, वहीं उनका गृह जनपद अलीगढ़ पिछले 16 सालों से दूसरे कॉमनवेल्थ मेडल के सूखे से जूझ रहा है।

इसकी सबसे बड़ी वजह खेल संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिसके चलते यहां के होनहार खिलाड़ी दूसरे शहरों या राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।अन्नूराज सिंह के पिता और शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसपी सिंह ने कहा, अलीगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन यहां संसाधन बेहद सीमित हैं।

## सोलन ज़िला के 17 ज़िला परिषद वार्डों में कुल 352901 मतदाता - मनमोहन शर्मा

**सोलन।** ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि सोलन ज़िला के सभी 17 ज़िला परिषद वार्डों में 26, 28 तथा 30 मई, 2026 को होने वाले निर्वाचन की सभी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ज़िला के सभी 17 ज़िला परिषद वार्डों में कुल 352901 मतदाता हैं। इनमें 179987 पुरुष तथा 172914 महिला मतदाता हैं।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला के विकास खण्ड कुनिहार के ज़िला परिषद वार्ड नम्बर-1 दाड़ला में कुल 18 ग्राम पंचायतें सम्मिलित की गई हैं। यहां कुल 24260 मतदाता हैं। इनमें 12359 पुरुष तथा 11901 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-2 सूरजपुर में कुल 20 ग्राम पंचायतें सम्मिलित की गई हैं। इस वार्ड में कुल 24400 मतदाता हैं। इनमें 12376 पुरुष तथा 12024 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-3 डुमैहर में कुल 20 ग्राम पंचायतें हैं। इस वार्ड में कुल 26213 मतदाता हैं। इनमें 13227 पुरुष तथा 12986 महिला मतदाता हैं।

उन्होंने कहा कि विकास खण्ड कण्डाघाट के ज़िला परिषद वार्ड नम्बर-4 वाकना में कुल 14 ग्राम पंचायतें हैं। यहां कुल 15996 मतदाता हैं। इनमें 8159 पुरुष तथा 7837 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-5 दंघील में सम्मिलित कुल 14 ग्राम पंचायतों में कुल 14055 मतदाता हैं। इनमें 7264 पुरुष तथा 6791 महिला मतदाता हैं।

ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विकास खण्ड सोलन के ज़िला परिषद वार्ड नम्बर-6 डांगरी में कुल 19 ग्राम पंचायतें हैं। यहां कुल 22154 मतदाता हैं। इनमें 11117 पुरुष तथा 11037 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-7 चेवा की 20 ग्राम पंचायतों में कुल 25589 मतदाता हैं। इनमें 12847 पुरुष तथा 12742 महिला मतदाता हैं।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड धर्मपुर के ज़िला परिषद वार्ड नम्बर-8 धर्मपुर में 13 ग्राम पंचायतें सम्मिलित की गई हैं। इनमें कुल 18528 मतदाता हैं। जिसमें 9529 पुरुष तथा 8999 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-9 टकसाल की 13 ग्राम पंचायतों में कुल 18341 मतदाता हैं। इनमें 9398 पुरुष तथा 8943 महिला मतदाता हैं।

उन्होंने कहा कि विकास खण्ड पट्टा के अंतर्गत ज़िला परिषद वार्ड नम्बर-10 बढ़लग में 13 ग्राम पंचायतें हैं। यहां कुल 19922 मतदाता हैं। इनमें 10162 पुरुष तथा 9760 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-11 मंधाला में सम्मिलित 14 ग्राम पंचायतों में कुल 21357 मतदाता हैं। इनमें 10976 पुरुष तथा 10381 महिला मतदाता हैं।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड नालागढ़ के तहत ज़िला परिषद वार्ड नम्बर-12 खेड़ा में 10 ग्राम पंचायतें सम्मिलित की गई हैं। इस वार्ड में कुल 19888 मतदाता हैं। इनमें 10239 पुरुष तथा 9649 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-13 रडियाली में सम्मिलित 10 ग्राम पंचायतों में कुल 23158 मतदाता हैं। इनमें 11828 पुरुष तथा 11330 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-14 दभोटा की 13 ग्राम पंचायतों में कुल 22273 मतदाता हैं। इनमें 11345 पुरुष तथा 10928 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-15 लग की 16 ग्राम पंचायतों में कुल 17407 मतदाता हैं। इनमें 8880 पुरुष तथा 8527 महिला मतदाता हैं।

वार्ड नम्बर-16 बवासनी की 13 ग्राम पंचायतों में कुल 18076 मतदाता हैं। इनमें 9372 पुरुष तथा 8704 महिला मतदाता हैं।

# राज्यपाल ने हिमाचल की समृद्ध बोलियों के संरक्षण पर दिया बल

## राज्यपाल से वरिष्ठ लेखक डॉ. ओ.पी. शर्मा ने की भेंट

**शिमला।** राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज हिमाचल की समृद्ध बोलियों और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विभिन्न स्थानीय बोलियां यहां की पहचान, परंपराओं और लोगों की सामूहिक संस्कृति को प्रदर्शित करती है। इन बोलियों को साहित्यिक और लिखित माध्यम से संरक्षित किया जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ी रहें।

राज्यपाल को आज लोक भवन में वरिष्ठ लेखक डॉ. ओ.पी. शर्मा ने अपनी कविता संग्रह 'म्हारी सोच' भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल अपने अलौकिक प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ-साथ लोक परंपराओं, भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि कांगड़ी, मंडयाली, कुल्लवी, सिरमौरी, किन्नौरी आदि बोलियां प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान हैं और इन्हें साहित्य, शोध तथा शैक्षणिक दस्तावेजों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाषाएं और बोलियां किसी भी समाज की आत्मा होती हैं। हमारी क्षेत्रीय बोलियों को लिखित रूप में सुरक्षित रखना हमारी सांस्कृतिक जड़ों को बचाने और युवाओं तक अपनी समृद्ध विरासत पहुंचाने के लिए आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि साहित्यिक कृतियां सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने लेखकों और कवियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय परंपराओं और भाषाओं को बढ़ावा देने में साहित्यकार उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने डॉ. ओ.पी. शर्मा द्वारा हिमाचली साहित्य के प्रचार-प्रसार में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भविष्य की साहित्यिक रचनाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

## निर्वाचन के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र निर्धारित - जोगिन्द्र प्रकाश राणा

**सोलन।** ज़िला पंचायत अधिकारी सोलन जोगिन्द्र प्रकाश राणा ने कहा कि ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) सोलन के निर्देशानुसार ज़िला में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन के लिए सभी स्तरों पर तैयारियां पूर्ण की जा रही है।

जोगिन्द्र प्रकाश राणा ने कहा कि प्रदेश के साथ-साथ सोलन ज़िला में भी 26, 28 व 30 मई, 2026 को ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य, उप प्रधान, प्रधान, सदस्य पंचायत समिति तथा ज़िला परिषद सदस्य का निर्वाचन होगा।

मतदान प्रातः 07.00 बजे से सायं 03.00 बजे तक आयोजित होगा।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड सदस्य के लिए सफेद रंग का मतपत्र, उप प्रधान के लिए पीला रंग का मतपत्र, प्रधान के लिए हल्का हरा रंग का मतपत्र, पंचायत समिति सदस्य के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र तथा ज़िला परिषद सदस्य के लिए नीला रंग का मतपत्र निर्धारित किया गया है।

ज़िला पंचायत अधिकारी ने मतदाताओं से आग्रह किया है कि अपनी ग्राम पंचायत के लिए निर्धारित मतदान दिवस पर मतदान करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित बनाएं।

## मुख्यमंत्री ने बाज़ार उपन्यास का विमोचन

**शिमला।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां निरंजन देव शर्मा द्वारा लिखित 'बाज़ार' उपन्यास के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया। इस पुस्तक में वर्ष 1971 से 1992 तक की महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक घटनाओं का वर्णन है। मुख्यमंत्री ने इस कृति की सराहना करते हुए इसे समकालीन इतिहास और समाज को प्रतिबिम्बित करने वाला महत्वपूर्ण साहित्यिक योगदान बताया। कुल्लू जिला के निवासी निरंजन देव शर्मा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अध्ययन किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, आधार प्रकाशन के निदेशक देश निर्मोही तथा लेखक की पत्नी प्रतिमा शर्मा भी उपस्थित थीं।

## पंचायती राज निर्वाचन-2026 के लिए कंट्रोल रूम संचालन हेतु अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्त

**धर्मशाला,** पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन-2026 के सुचारू, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त, जिला कांगड़ा हेमराज बैरवा के निर्देशानुसार जिला स्तर पर कंट्रोल रूम के संचालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। यह व्यवस्था निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न गतिविधियों के बेहतर समन्वय, सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए की गई है।

यह जानकारी देते हुए सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) सचिन ठाकुर ने बताया कि नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों में विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारी शामिल हैं, जिन्हें निर्वाचन कार्यों के दौरान अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें सहायक अभियंता अजय डोगरा को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशासनिक, तकनीकी तथा समन्वय संबंधी दायित्व दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि उनके कार्यालय में स्थापित इस कन्ट्रोल रूम का दूरभाष नम्बर 01892.292372 है। जिला स्तर पर स्थापित यह कंट्रोल रूम निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित सूचनाओं के संकलन, शिकायतों के निस्तारण, विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त रिपोर्टों की निगरानी तथा निर्वाचन गतिविधियों पर सतत नजर रखने का कार्य करेगा। इसके माध्यम से निर्वाचन से संबंधित किसी भी स्थिति में त्वरित निर्णय लेने एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने में भी सहायता मिलेगी।

## 13 व 14 जून को आयोजित होने वाले सत्संग ब्यास समागम के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

**सोलन।** राधा स्वामी सत्संग ब्यास (आर.एस.एस.बी.) के 13 व 14 जून, 2026 को सोलन में आयोजित होने वाले सत्संग ब्यास समागम आयोजन के सम्बन्ध में आज यहां एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने की।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि यह आयोजन समूचे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ यह सुनिश्चित बनाएं कि इस अवधि में सत्संग का लाभ उठाने सोलन पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उपायुक्त ने इस अवधि में चिकित्सा सुविधा के दृष्टिगत दो पैरा-मेडिकल कर्मियों के साथ एक एम्बुलेंस की तैनाती करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक दवाओं और उपकरणों के साथ क्षेत्रीय अस्पताल में 3-4 बिस्तर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने पुलिस विभाग को कानून और व्यवस्था की स्थिति यथावत बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति करने के निर्देश दिए।

मनमोहन शर्मा ने विद्युत बोर्ड को सत्संग के दौरान नियमित बिजली तथा जल शक्ति विभाग को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत 13 से 14 जून, 2026 तक बड़ोग से होकर वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने तथा सोलन बाईपास, राजगढ़ मार्ग, राधा स्वामी सत्संग परिसर सहित अन्य उपलब्ध स्थानों पर भारी वाहनों तथा बसों की पार्किंग व्यवस्था बनाने तथा आवश्यकता के अनुसार पुलिस मैदान में उचित प्रबंधन करने के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सत्संग समागम के दौरान यातायात व्यवस्था, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था, स्वास्थ्य आवश्यकताओं सहित सीवरेज तथा अग्निशमन सेवा व आपदा प्रबंधन व्यवस्था के अतिरिक्त अन्य विषयों पर सारगर्भित चर्चा की गई।

बैठक में इस अवधि में मल निकासी व्यवस्था सहित सत्संग क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश ठाकुर, अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त चेतन चौहान, सहायक आयुक्त नीरजा शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक अशोक चौहान, विभिन्न विभागों के अधिकारी, राधा स्वामी सत्संग ब्यास के क्षेत्रीय सचिव परमजीत सिंह सूदन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## 25 मई को विद्युत आपूर्ति बाधित

**सोलन।** हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत सोलन के कुछ क्षेत्रों में 25 मई, 2026 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी सहायक अधिशाषी अभियंता सोलन विपुल कश्यप ने दी।

विपुल कश्यप ने कहा कि 25 मई, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक पवन विहार के कुछ क्षेत्रों में, डिग्री कॉलेज के ऑपोजिट, राजगढ़ रोड़ क्षेत्र, एस.बी.आई. बैंक तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि इसी दिन प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक खुंडीधार, साईंटिस्ट कॉलोनी के कुछ क्षेत्रों में, विवेकानन्द विहार रोड़ तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि उपरोक्त समय तथा तिथि में खराब मौसम व किन्हीं अपरिहार्य कारणों से परिवर्तन किया जा सकता है।

उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

## गोविंदपुरी डबल मर्डर: पकौड़ी खाई, फिर 1000 के लिए रेता बहन-भांजे का गला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में मां और बेटे की सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद कातिल को गिरफ्तार कर लिया। ये कोई और नहीं बल्कि मृतका शारदा का मौसेरा भाई है। जिसने बेरहमी से अपनी बहन और भांजे को मौत के घाट उतार दिया। वह वारदात के बाद से फरार था। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर चार राउंड फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर काबू किया। उसने 20 मई को गोविंदपुरी में शारदा और उनके बेटे की हत्या कर दी गई थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने वाला शारदा का मौसेरा भाई सौरभ है, जो संगम विहार में रहता है और साप्ताहिक बाजार में रेहड़ी लगाने का काम करता है। आरोपी नशे का आदी बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार सौरभ के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पकौड़ी खाते-खाते बहन से मांगे एक हजार रुपयेप्रारंभिक जांच में पता चला कि घटना वाली रात सौरभ शारदा के घर पहुंचा था। शारदा ने उसे पकौड़ी बनाकर खिलाई थी। इसी दौरान आरोपी ने एक हजार रुपये मांगे।
पैसे को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में सौरभ ने शारदा के बाल पकड़कर रसोई में रखे चाकू से उनका गला काट

## पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के मद्देनजर मतदान क्षेत्र में शराब की बिक्री व वितरण पर रोक: जिला निर्वाचन अधिकारी

### चुनावों के मद्देनजर सार्वजनिक बैठकों पर प्रतिबंध, मतदान केंद्रों के आसपास हथियार ले जाने पर भी रोक

**धर्मशाला,** जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के सुचारू, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के दृष्टिगत मतदान क्षेत्र में शराब की बिक्री, वितरण और सेवन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला कांगड़ा में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 26 मई, 28 मई और 30 मई 2026 को आयोजित किए जाएंगे, जबकि प्रधान, उप-प्रधान और ग्राम पंचायत सदस्यों के मतों की गणना मतदान केंद्रों पर तथा जिला परिषद एवं पंचायत समिति के मतों की गणना 31 मई 2026 को संबंधित ब्लॉक मुख्यालयों में की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्त होने से पूर्व निर्धारित 48 घंटे की अवधि तथा मतगणना के दिन किसी भी होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, बार, दुकान अथवा अन्य सार्वजनिक एवं निजी स्थानों पर किसी भी प्रकार की मादक, स्प्रिटयुक्त या अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री, वितरण अथवा उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि आदेशों की अवहेलना करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के मद्देनजर सार्वजनिक बैठकों पर प्रतिबंध

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने बताया कि मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय से पूर्व के 48 घंटों के दौरान सार्वजनिक बैठकों और चुनाव प्रचार गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति से पूर्व के 48 घंटों के दौरान कोई भी व्यक्ति चुनाव से संबंधित सार्वजनिक सभा, जुलूस अथवा जनसभा का आयोजन, संबोधन या उसमें भाग नहीं ले सकेगा। इसके अतिरिक्त चुनाव प्रचार के उद्देश्य से चलचित्र, टेलीविजन या अन्य माध्यमों के जरिए किसी भी प्रकार के प्रचार-प्रसार तथा संगीत कार्यक्रम, सांस्कृतिक आयोजन अथवा मनोरंजन कार्यक्रमों के आयोजन पर भी रोक रहेगी। आदेशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों के आसपास हथियार ले जाने पर प्रतिबंध

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने बताया कि इसके अतिरिक्त पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य चुनाव-2026 के दृष्टिगत मतदान केंद्रों के आसपास हथियार ले जाने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 158-एन के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मतदान केंद्रों के भीतर तथा आसपास किसी भी व्यक्ति के हथियार लेकर आने या जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। हालांकि ड्यूटी पर तैनात रिटर्निंग अधिकारी, पीठासीन अधिकारी, पुलिस अधिकारी तथा मतदान केंद्र पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियुक्त अन्य अधिकृत अधिकारी इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। उन्होंने कहा कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# पीडब्लूडी सचिव ने किया निर्माणा-धीन NH-130 का निरीक्षण

## कार्य में देरी पर जताई नाराजगी, संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

**कवर्धा।** लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने शुक्रवार को निर्माणाधीन पोड़ी-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130ए का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य मार्ग के साथ बाईपास मार्ग का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। सचिव बंसल ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण होना चाहिए। जिन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण के सभी मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा प्रत्येक चरण में तकनीकी जांच सुनिश्चित की

जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में पहुंचकर निरीक्षण करें और गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करें। फील्ड निरीक्षण से पूर्व सचिव बंसल ने सर्किट हाउस कवर्धा में लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा सेतु निर्माण विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने जिले में चल रहे भवन, सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं में लंबे समय से प्रगति नहीं हुई है अथवा कार्य प्रारंभ करने में अनावश्यक देरी हो रही है, उन मामलों में संबंधित एजेंसियों एवं जिम्मेदार पक्षों को नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में स्पष्ट रूप से कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सचिव ने अधिकारियों से कहा कि जहां सड़क निर्माण या अन्य विकास कार्य प्रस्तावित हैं, वहां संबंधित अधिकारी पहले स्थल का निरीक्षण कर तकनीकी जांच व अन्य सभी आवश्यक पहलुओं का परीक्षण करने के बाद आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि किसी निर्माण कार्य में तकनीकी बाधा, स्थल संबंधी समस्या अथवा अन्य कठिनाई आ रही हो तो उसकी जानकारी तत्काल वरिष्ठ स्तर पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय पर निराकरण कर कार्यों की प्रगति प्रभावित न हो।

# दुर्ग शहर के पुराना गंज मंडी में जनसमस्या निवारण शिविर संपन्न

## स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव भी शामिल हुए

**दुर्ग।** सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत आज नगर निगम दुर्ग द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन पुराना गंज मंडी दुर्ग में किया गया। शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से जन सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव, नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं एसडीएम हरवंश सिंह मिरी ने शिविर स्थल पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जनसमस्याओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

समाधान शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। विभाग द्वारा 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व 02 बच्चों का अन्नप्रासन रस्म अदायगी की गई। मंत्री यादव ने शिविर में कसारीडीह वार्ड के आस्था स्व सहायता समूह की महिलाओं को छत्तीसगढ़ महिला कोष अन्तर्गत 03 लाख रूपए का डेमो चेक प्रदान किया गया। शिविर में किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य जाँच कराया गया। नगर निगम दुर्ग की महापौर अल्का बाघमार, महिला बाल विकास एमआईसी प्रभारी शशि द्वारिका साहू एवं पार्षदगण के द्वारा किशोरी बालिकाओं को सैनिटरी पैड वितरण किया गया। विभाग द्वारा रेडी-टू-ईट से बने व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। शिविर में महापौर बाघमार ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलायी। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## मंत्री चौधरी ने नवा रायपुर में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

**रायपुर।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शनिवार को नवा रायपुर में संचालित महत्वपूर्ण विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने रेलवे ओवर ब्रिज, प्रवासी पक्षियों के लिए नेस्टिंग आइलैंड, सेक्टर-10 की सड़के, कार्यरत महिलाओं हेतु हॉस्टल, पीपल गार्डन शहरी वन (पीपल कुंज), सीबीडी आईटी बिल्डिंग, कम्पोजिट आयोग भवन, एनटीपीसी कार्यालय एवं ऑडिटोरियम भवन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, फेयर ग्राउंड स्टेशन, श्रमिक कैंप सहित विभिन्न अधोसंरचना परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए सभी अधोसंरचना परियोजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से नवा रायपुर में यातायात सुगम होगा, खेल अधोसंरचना मजबूत होगी और डिजिटल व प्रशासनिक सेवाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ चंदन कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे द्य

## मनोहर गौशाला के शोध कार्यों और जैविक पद्धति की हुई सराहना

### प्राकृतिक खेती और हर्बल खेती को बढ़ावा देने पर जोर

**रायपुर।** प्राकृतिक खेती और औषधीय पौधों के संरक्षण को लेकर रायपुर के बलौदा बाजार रोड स्थित एसएफआरटीआई परिसर में चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में जड़ी-बूटियों और हर्बल खेती में रासायनिक खाद के बजाय गोबर और गौमूत्र से तैयार जैविक खाद के उपयोग पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि इससे औषधीय पौधों की गुणवत्ता और शुद्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी जेएसीएस राव ने मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन का खस की माला पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान जीव जंतु कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य सुनील मानसिंहका भी मौजूद रहे। चर्चा के दौरान मनोहर गौशाला, खैरागढ़ में चल रहे शोध कार्यों और प्राकृतिक पद्धति से हर्बल खेती के प्रयासों की सराहना की गई। जे.ए.सी.एस. राव ने गौशाला में जैविक तरीके से हर्बल खेती विकसित करने के लिए मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति भवन में भी हर्बल गार्डन विकसित किए थे। राव ने जल्द ही खैरागढ़ स्थित मनोहर गौशाला पहुंचकर कामधेनु माता सौम्या के दर्शन करने की बात भी कही। कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती, औषधीय पौधों के संवर्धन और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा हुई।

## सड़क पार कर रही महिला को कार ने मारी टक्कर, महिला गंभीर घायल

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में रविवार सुबह हिट एंड रन का मामला सामने आया है। तेज रफ्तार कार ने अधेड़ महिला को रौंद दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। न्यू राजेंद्र नगर पुलिस के अनुसार घटना के बाद ग्रे रंग की आर्टिगा कार चालक कार समेत मौके से फरार हो गया है। जानकारी के अनुसार रिंगरोड नंबर एक आर्च ब्रिज के नीचे यह हादसा हुआ। महिला रोड क्रॉस कर रही थी। उस वक्त मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने महिला को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस पूरे इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे के फूटेज से आरोपित कार चालक की पहचान में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपित को ट्रेस कर लिया गया है। जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# ग्राम बनहरदी में स्वच्छता त्योहार उत्साह व जनभागीदारी के साथ मनाया गया

**राजनांदगांव।** सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के परिपालन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में विशेष अभियान चलाकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत बनहरदी में स्वच्छता त्योहार उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ मनाया गया। कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम में ग्रामीणों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थलों, सड़कों, नालियों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को साफ-सफाई को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने हेतु

प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वच्छता दीदियों, युवाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एमएल चंद्रवंशी ने सर्वोच्च न्यायालय के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने गांवों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से प्रत्येक ग्राम पंचायत में इन नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने ठोस एवं तरल अपशिष्ट के उचित प्रबंधन, कचरे के पृथक्करण तथा स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने कहा। जनपद पंचायत डोंगरगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोशनी भगत टोप्पो एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से घर-घर कचरा संग्रहण एवं समय पर यूजर चार्ज देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य करने वाले स्वच्छाग्रहियों को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच पूजा साहू, उपसरपंच भुवन साहू स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के जिला समन्वयक डॉ. छोटे लाल साहू, यूनिसेफ एसीई से बसंत मरकामड़े, बीसी मेघा कुर्रे, करारोपण अधिकारी वीरेंद्र तिवारी, ओपी जैन, कुंदन लाल मांडवी सहित पंच, उप अभियंता, तकनीकी सहायक, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

## क्रेडिट कार्ड बंद करने के नाम पर शिक्षक से ठगे दो लाख की हुई साइबर ठगी

**कांकेर।** जिले के पखांजूर क्षेत्र अंतर्गत थाना बांदे के रहने वाले एक शिक्षक को अज्ञात नंबर से फोन आया। उसे क्रेडिट कार्ड बंद करने के नाम पर दो लाख रुपये की ठगी की गई। इस घटना के बाद शिक्षक ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। अज्ञात आरोपित के खिलाफ बांदे पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। मिली

जनकारी के अनुसार बांदे थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले शिक्षक दीपेंद्र रॉय को अज्ञात नम्बर से फोन आया।

उनका क्रेडिट कार्ड चालू होने व उसे बंद करने की बात आरोपित के द्वारा कहा गया। शिक्षक ने बिना सोचे समझे अपने फोन पर ओटीपी को आरोपित को बता दिया। ओटीपी के मिलते ही आरोपित ने फोन कट कर दिया। उसके बाद जब शिक्षक अपने क्रेडिट कार्ड को बंद हुआ कि नहीं ये जानने के लिये बैंक पहुंचे तो उसे पता चला कि उनके अकाउंट से दो लाख रुपये आरोपित के द्वारा निकाल लिया गया है। दो लाख रुपये की ठगी होने के कारण शिक्षक ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। जहां पुलिस शिक्षक के रिपोर्ट के आधार पर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर रही है।

# जामुल सीमेंट वर्क्स ने दुर्ग जिले के टीबी मरीजों को बांटी 100 न्यूट्रिशन किट

**दुर्ग।** जामुल सीमेंट वर्क्स द्वारा आज सीएसआर स्वास्थ्य पहल के तहत दुर्ग जिले के टीबी मरीजों के लिए 100 टीबी न्यूट्रिशन किट का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य टीबी मरीजों को समुचित पोषण सहायता प्रदान कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहयोग करना और 'टीबी मुक्त भारत' अभियान को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी की उपस्थिति में जामुल सीमेंट वर्क्स की ओर से सीएसआर प्रमुख जामिल अख्तर खान एवं उनकी टीम ने मरीजों को किट प्रदान की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में एसीसी जामुल के मुख्य संयंत्र प्रबंधक महेंद्र सिंह के विशेष सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। टीबी मुक्त भारत की ओर यह कदम न केवल पोषण सहयोग है, बल्कि मरीजों के प्रति संवेदना और समग्र स्वास्थ्य सुरक्षा की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

# बिलासपुर के कोनी थाने में कबाड़ी की वीआईपी खातिरदारी पड़ी भारी

## एसएसपी ने प्रधान आरक्षक समेत दो को किया लाइन अटैच

**बिलासपुर।** कोनी थाना एक बार फिर सुर्खियों में है। कथित कबाड़ कारोबारी अकबर खान की थाने के भीतर खातिरदारी करते हुए वायरल हुई तस्वीर ने पुलिस विभाग में हड़कंप मचा दिया है। सोशल मीडिया पर फोटो सामने आते ही लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रधान आरक्षक बालेश्वर तिवारी और आरक्षक अनुज जांगड़े को लाइन अटैच कर दिया है। वहीं पूरे मामले की जांच एएसपी पंकज पटेल को सौंपी गई है। जानकारी के मुताबिक वायरल तस्वीर में कथित कबाड़ी अकबर खान को कोनी थाने के भीतर आराम से बैठाकर चाय-पानी कराया जा रहा था। फोटो वायरल होने के बाद यह चर्चा तेज हो गई कि अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाने का दावा करने वाली पुलिस आखिर ऐसे लोगों को थाने में विशेष मेहमाननवाजी क्यों दे रही है। मामला बढ़ने पर पुलिस विभाग हरकत में आया

और एसएसपी ने तत्काल रिपोर्ट तलब कर ली। प्रारंभिक जांच में दोनों पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर एसएसपी ने सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया। पुलिस विभाग में इस कार्रवाई को कड़ा संदेश माना जा रहा है। सूत्रों की मानें तो आने वाले दिनों में जिलेभर में अवैध कारोबार और उससे जुड़े नेटवर्क पर पुलिस की निगरानी और सख्त हो सकती है।

### एसएसपी की दो टूक, नहीं बक्शे जाएंगे अपराधी

एसएसपी रजनेश सिंह ने साफ कहा है कि किसी भी थाने को अपराधियों या अवैध कारोबारियों का दरबार नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी थाना क्षेत्र में अपराधियों को संरक्षण देने या विशेष सुविधा उपलब्ध कराने की शिकायत मिली, तो संबंधित पुलिसकर्मियों के साथ थाना प्रभारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि कार्रवाई केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहेगी। जांच में यदि किसी थानेदार या अन्य अधिकारी की भूमिका सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी कठोर कदम उठाए जाएंगे। साथ ही अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई कर प्रकरण न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसएसपी के इस सख्त रुख के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है।

# राजनांदगांवगांव बनेगा शतरंज का हब : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

## विधानसभा अध्यक्ष ने नन्हें शतरंज खिलाड़ियों से की मुलाकात

**राजनांदगांव।** विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिग्विजय स्टेडियम के नन्हें शतरंज खिलाड़ियों से भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष नन्हें शतरंज खिलाड़ियों से मिलकर एवं उनकी प्रतिभा से प्रभावित हुए।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव जिले में खेल प्रतिभाओं को कमी नहीं है और अब शतरंज को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव को राज्य के शतरंज हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

शहर को शतरंज के क्षेत्र में राज्य का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि शतरंज खिलाड़ियों को केवल एक बार नहीं, बल्कि साल भर निरंतर प्रशिक्षण और स्पर्धाओं का लाभ मिलेगा।

उभरती प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। दिग्विजय स्टेडियम अब केवल एक खेल मैदान नहीं, बल्कि भविष्य के चौंपियन बनाने की नर्सरी बन रहा है। एक तरफ जहां 29 लाख रूपए की लागत से स्टेडियम में आधारभूत ढांचा सुदृढ़ किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर शतरंज जैसे बौद्धिक खेल को बढ़ावा देकर सरकार ने शहर को नई दिशा देने का संकल्प लिया है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शतरंज प्रशिक्षण ले रहे बच्चों से सौजन्य भेंट की और उन्हें आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 2 में अध्ययनरत सात वर्षीय नन्हीं खिलाड़ी माहिका डाकलिया से मुलाकात की।

विधानसभा अध्यक्ष ने स्नेहपूर्वक माहिका से

उनकी खेल यात्रा के बारे में पूछा। माहिका ने आत्मविश्वास के साथ उन्हें बताया कि उड़ीसा के खुर्दा रोड में आयोजित राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा में गत वर्ष अंडर-7 आयु वर्ग में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नन्हीं माहिका का यह हौसला देखकर उनकी सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# हैरी केन की हैट्रिक से बायर्न म्यूनिख ने जीता जर्मन कप, बुंदेसलीगा के बाद जीता दूसरा खिताब

**म्यूनिख, एजेंसी।** हैरी केन की शानदार हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने डीएफबी-पोकाल (जर्मन कप) फाइनल में स्टटगार्ट को 3-0 से हराकर घरेलू डबल अपने नाम कर लिया। बायर्न ने इस जीत के साथ अपना 21वां जर्मन कप खिताब जीता और 2020 के बाद पहली बार इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इससे पहले टीम इस सीजन में बुंदेसलीगा का खिताब भी जीत चुकी है। बायर्न के इतिहास में यह 14वां मौका है जब क्लब ने एक ही सीजन में लीग और कप दोनों खिताब जीते हैं। वहीं स्टटगार्ट का सीजन बिना किसी ट्रॉफी के समाप्त हुआ।

### पहले हाफ में स्टटगार्ट ने दी कड़ी टक्कर

मैच की शुरुआत में स्टटगार्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और बायर्न को दबाव में रखा। शुरुआती मिनटों में डेनीज उंडाव और एंजेलो स्टिलर ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन बायर्न के गोलकीपर जोनास उरबिग ने शानदार बचाव किया। मैनुअल नोयर की जगह खेल रहे उरबिग ने कई महत्वपूर्ण सेव किए। दूसरी ओर बायर्न की टीम लंबे समय तक गेंद अपने पास रखने के बावजूद लय में नजर नहीं आई। हैरी केन ने पहले हाफ में एक हेडर बाहर मारा, जबकि लुइस डियाज का शॉट स्टटगार्ट के गोलकीपर अलेक्जेंडर नुबेल ने रोक लिया।

### दूसरे हाफ में बदला मैच का रुख

मैच का टर्निंग पॉइंट 55वें मिनट में आया। माइकल ओलिसे पर फाउल के बाद बायर्न ने तेजी से खेल शुरू किया। ओलिसे ने दाहिने छोर से शानदार क्रॉस दिया, जिस पर हैरी केन ने हेडर के जरिए गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद स्टेडियम में आतिशबाजी और धुएं के कारण मैच कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू होने के बाद बायर्न ने पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। 80वें मिनट में केन ने लुइस डियाज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए दूसरा गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में स्टिलर के हैंडबॉल के कारण मिले पेनाल्टी पर गोल कर उन्होंने अपनी हैट्रिक पूरी कर ली।

### जीत के बाद क्या बोले केन और कोम्पनी

मैच के बाद हैरी केन ने कहा, 'यह धैर्य बनाए रखने का मुकाबला था। पहला हाफ कठिन रहा, लेकिन हमने विपक्षी टीम को थका दिया। दूसरे हाफ में हमने शानदार प्रदर्शन किया और जीत के हकदार रहे। मुझे टीम पर बहुत गर्व है।' बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने कहा, 'हमने मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेला। पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का था, लेकिन दूसरे हाफ में हमने अपना स्तर ऊपर उठाया। यह लगभग परफेक्ट कप फाइनल था।' वहीं स्टटगार्ट के कोच सेबास्टियन होएनेस ने कहा, 'हार का दुख बहुत बड़ा है। 55 मिनट तक हमने वैसा ही खेल दिखाया जैसा जरूरी था। हम काफी करीब थे।'

# श्रेयस का तूफान: सरपंच साहब का शानदार शतक

**11** चौके | **05** छक्के

पंजाब की जीत के हीरो बने अय्यर, टी-20 में हासिल की उपलब्धि

**लखनऊ, एजेंसी।** लखनऊ पर जीत के साथ पंजाब प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखने में कामयाब रही। शनिवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब की जीत के हीरो कप्तान श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन सिंह रहे। दोनों के बीच हुई 140 रनों की शानदार साझेदारी ने विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं और मैच जीत लिया। इस मुकाबले में तमाम रिकॉर्ड्स बने जिन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

सरपंच साहब के नाम से मशहूर श्रेयस अय्यर ने इस मुकाबले में तूफानी शतक जड़ा। उन्होंने महज 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला सैकड़ा पूरा किया और टीम को जीत दिलाई। वह 11 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 101 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रेयस अय्यर अब पंजाब किंग्स के लिए शतक लगाने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा केवल केएल राहुल और एडम गिलक्रिस्ट ने किया था। दोनों ने आरसीबी के खिलाफ क्रमशः 2020 में 132* रन और 2011 में 106 रनों की दमदार पारियां खेली थीं।

### चेज में शतक लगाने वाले कप्तान

| कप्तान | स्कोर | विपक्षी टीम | साल |
|---|---|---|---|
| वीरेंद्र सहवाग | 119 रन | डेक्कन चार्जर्स | 2011 |
| विराट कोहली | 108* रन | राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स | 2016 |
| संजू सैमसन | 119 रन | पंजाब किंग्स | 2021 |
| श्रेयस अय्यर | 101* रन | लखनऊ सुपर जाएंट्स | 2026 |

### टी20 में 7000 रन पूरे कर लिए

श्रेयस अय्यर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ा मुकाम हासिल करते हुए अपने 7000 रन पूरे कर लिए हैं। पंजाब के लिए खेलते हुए 22/2 के मुश्किल स्कोर पर बल्लेबाजी करने उतरे अय्यर ने जिम्मेदारी भरी पारी खेली और प्रभसिमरन सिंह के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को मैच में बनाए रखा। खास बात यह रही कि अय्यर ने केवल 247 पारियों में 7000 टी20 रन पूरे किए, जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज बन गए। इस सूची में उनसे आगे केवल केएल राहुल (197 पारी), विराट कोहली (212 पारी) और शिखर धवन (246 पारी) हैं। वहीं, अय्यर ने आक्रामक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने इस आंकड़े तक पहुंचने में 249 पारियां ली थीं।

### चेज में कप्तानों के शतक

श्रेयस अय्यर का यह शतक आईपीएल इतिहास के सबसे यादगार पलों में शुमार हो गया। रन चेज के दौरान शतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में श्रेयस अय्यर का भी नाम शामिल हो गया। वह ऐसा करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कारनामा वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन ने किया।

### रिकॉर्ड साझेदारी की

इस मुकाबले में पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। प्रियांश (0) और कूपर कोनोली (18) ज्यादा देर तक विकेट पर नहीं टिक सके। इसके बाद प्रभसिमरन का साथ देने श्रेयस अय्यर आए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 76 गेंदों में 140 रनों की साझेदारी हुई। यह किसी भी विकेट के लिए पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों द्वारा निभाई गई पांचवीं सबसे बड़ी साझेदारी है। पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराकर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवित रखा है। शनिवार को इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने जोश इंग्लिस की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए।

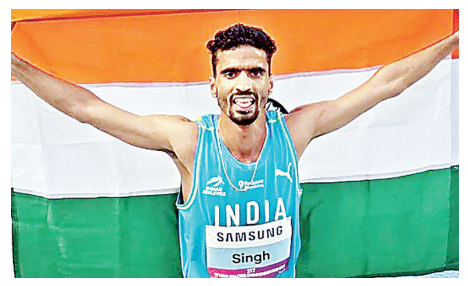

## राष्ट्रमंडल खेलों से पहले गुलवीर सिंह सुर्खियों में! तोड़ा 5000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड

**लॉस एंजिलिस।** भारत के स्टार लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए नया इतिहास रच दिया है। लॉस एंजेलिस में आयोजित एलए ट्रैक फेस्टिवल में गुलवीर ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। गुलवीर ने 13 मिनट 03.93 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में इरीट्रिया के हबतोम सैमुअल ने 12:57.22 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय धावक ने अपने पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13:11.82 को पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने सितंबर 2024 में जापान में बनाया था।

### भारतीय सेना ने दी बधाई

गुलवीर सिंह की इस उपलब्धि पर भारतीय सेना ने भी गर्व जताया। इंडियन आर्मी स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'भारतीय सेना के खिलाड़ी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किया है। नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने लॉस एंजेलिस ट्रैक फेस्ट में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतते हुए 13:03.93 का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने अपने पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा और भारतीय लंबी दूरी की दौड़ को नई पहचान दी है।' पोस्ट में आगे कहा गया, 'गुलवीर अनुशासन, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं।

### भारतीय एथलेटिक्स के नए सितारे

गुलवीर सिंह फिलहाल अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में ट्रेनिंग कर रहे हैं। वह 3000 मीटर से लेकर 25 किलोमीटर रोड रेस तक कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उनके नाम 3000 मीटर, 5000 मीटर और 10000 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज हैं। इसके अलावा वह 5000 मीटर और 10000 मीटर में मौजूदा एशियाई चैंपियन भी हैं। 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 5000 और 10000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।

### इस साल लगातार शानदार प्रदर्शन

यह 2026 में गुलवीर का चौथा बड़ा मुकाबला था। उन्होंने साल की शुरुआत जनवरी में वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप से की, जहां वह सीनियर पुरुष वर्ग में 40वें स्थान पर रहे। फरवरी में अमेरिका के विंस्टन-सेलम में आयोजित साउंड रनिंग इनवाइट में उन्होंने 5000 मीटर शॉर्ट ट्रैक में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद मार्च में न्यूयॉर्क हाफ मैराथन में उन्होंने 59 मिनट 42 सेकेंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और एक घंटे से कम समय में हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले भारत का रिकॉर्ड अविनाश साबले के नाम था, जिन्होंने 2020 दिल्ली हाफ मैराथन में 1:00:30 का समय निकाला था।

# प्लेऑफ से पहले आरसीबी को लगा तगड़ा झटका इंग्लैंड का ये विस्फोटक बल्लेबाज पूरे टूर्नामेंट से बाहर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेथेल अब इंग्लैंड लौटेंगे, जहां उनकी चोट का आगे इलाज और मेडिकल जांच की जाएगी। यह खबर ऐसे समय आई है जब आरसीबी को क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबला खेलना है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हुए थे चोटिल

जैकब बेथेल को यह चोट पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान लगी थी। फील्डिंग करते समय कैच पकड़ने की कोशिश में डाइव लगाते हुए उनकी बाएं हाथ की रिंग फिंगर चोटिल हो गई थी। इसी वजह से वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के आखिरी लीग मैच में भी नहीं खेले थे।आरसीबी ने शनिवार को कहा, 'जैकब बेथेल को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान बाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। मेडिकल जांच के बाद वह आगे के मूल्यांकन के लिए इंग्लैंड लौटेंगे।'

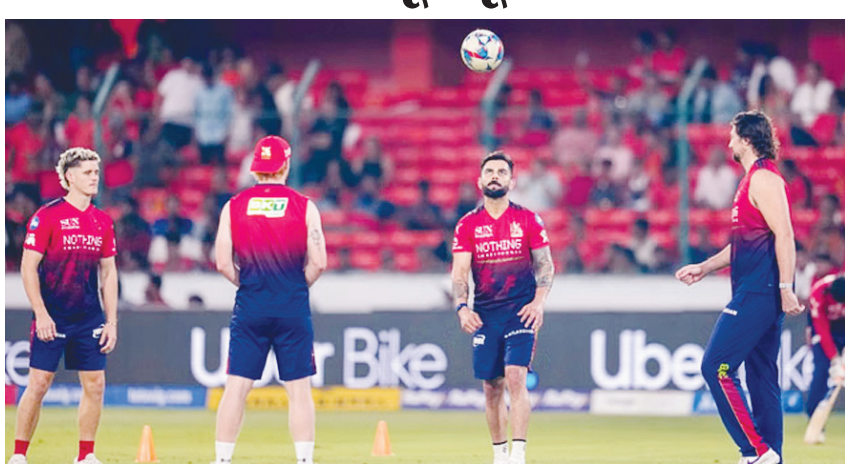

### ईसीबी ने भी की पुष्टि

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी खिलाड़ी की वापसी की पुष्टि की है। बोर्ड के अनुसार, बेथेल की मेडिकल टीम लगातार निगरानी करेगी ताकि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता तय की जा सके।

### प्लेऑफ से पहले आरसीबी की बढ़ी चिंता

आरसीबी ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में टॉप स्थान हासिल किया था। हालांकि, प्लेऑफ से ठीक पहले बेथेल का बाहर होना टीम के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं, टीम के लिए राहत की खबर यह है कि स्टार ओपनर फिल सॉल्ट की वापसी हो चुकी है।

## अर्जुन को खेलता देख क्यों भावुक हुए सचिन बोले- क्रिकेट धैर्य की भी परीक्षा लेता है

**मुंबई, एजेंसी।** आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए डेब्यू करने वाले अर्जुन तेंदुलकर को उनके पिता और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने खास अंदाज में बधाई दी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में अर्जुन ने भले ही टीम को जीत नहीं दिलाई, लेकिन अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान जरूर खींचा। मैच के बाद सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए बेटे अर्जुन की तारीफ की। उनका यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है।

सचिन तेंदुलकर ने अपने पोस्ट में लिखा, 'शाबाश अर्जुन। मुझे इस पूरे सीजन में तुम्हारे रवैये पर गर्व है। तुमने अपनी क्षमता पर भरोसा बनाए रखा, धैर्य रखा, चुपचाप मेहनत की और आखिरी मैच तक मौका नहीं मिलने के बावजूद सकारात्मक बने रहे।' उन्होंने आगे कहा, 'क्रिकेट सिर्फ कौशल ही नहीं, बल्कि धैर्य की भी परीक्षा लेता है और आज तुमने दोनों को शानदार तरीके से संभाला। जमीन से जुड़े रहो और खेल से हमेशा प्यार करते रहो। हमेशा प्यार।' सचिन के इस संदेश को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है और क्रिकेट प्रशंसक इसे बेहद भावुक पोस्ट बता रहे हैं।आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी थी, जिसके बाद टीम ने अपने आखिरी लीग मुकाबले में अर्जुन तेंदुलकर को डेब्यू का मौका दिया।

# 100 मीटर स्प्रिंट में 10.09 सेकंड का समय निकाल तोड़ा रिकॉर्ड

**रांची, एजेंसी।** पंजाब के उभरते हुए धावक गुरिंदरवीर सिंह ने भारतीय एथलेटिक्स में नया इतिहास रच दिया है। रांची में आयोजित 2026 एथलेटिक्स फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए 10.09 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही वह 100 मीटर दौड़ में 10.10 सेकंड से कम समय निकालने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद पंजाब से लेकर पूरे देश में खुशी की लहर है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और इसे पंजाब के लिए गर्व का क्षण बताया।

### मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दी बधाई

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट करते हुए कहा, 'हमारे होनहार खिलाड़ी गुरिंदरवीर सिंह को रांची में फेडरेशन कप की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई। गुरिंदरवीर इतने कम समय में रेस पूरी करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। पंजाब के बेटे ने लगातार दो दिनों में दूसरा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर राज्य का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।'

### परिवार को बेटे पर गर्व

गुरिंदरवीर की मां रूपिंदर कौर ने बेटे की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, 'हमें बहुत गर्व और खुशी महसूस हो रही है कि हमारे बेटे ने इतिहास रच दिया। रिश्तेदार लगातार फोन करके बधाई दे रहे हैं। बचपन से ही वह बहुत खुशमिजाज था। उसके कोचों ने भी काफी मेहनत की। उसके पिता का सपना था कि वह एथलीट बने। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि माता-पिता की बात सुनें, पढ़ाई और खेल दोनों पर ध्यान दें और नशे से दूर रहें।' मैं खुद वॉलीबॉल खेलता था और चाहता था कि वह खिलाड़ी बने। खेल ही ऐसा मंच है जहां आप अपना नाम बनाते हैं और माता-पिता व कोच को गर्व महसूस कराते हैं।'

### कोच ने बताया मेहनत का सफर

गुरिंदरवीर के कोच सरबजीत सिंह ने कहा कि खिलाड़ी ने पिछले 10 वर्षों तक उनके साथ कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। गुरिंदरवीर ने मेरे साथ 10 साल तक ट्रेनिंग की। जैसे ही उसने सेमीफाइनल में अनीमेष का रिकॉर्ड तोड़ा, उसका आत्मविश्वास और बढ़ गया। उसने ऐतिहासिक रेस दौड़कर पंजाब का नाम पूरी दुनिया में रोशन कर दिया।'

### कॉमनवेल्थ गेम्स पर नजर

गुरिंदरवीर ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान ट्रेनिंग पर रहेगा और वह भविष्य में कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने साथी धावक अनीमेष कुजूर और मणिकांत का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों को बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।

## बधाइयों का लगा तांता

### मानसिक मजबूती बनी सफलता की कुंजी

गुरिंदरवीर सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, कोच और सपोर्ट स्टाफ को दिया। उन्होंने कहा, 'यह बहुत शानदार एहसास है। मैं आगे भी कड़ी ट्रेनिंग करके अच्छे नतीजे लाना चाहता हूं। आखिरी समय में खेल शारीरिक से ज्यादा मानसिक मजबूती का होता है। मैं खुद को मानसिक रूप से मजबूत रख पाया और इसी वजह से अच्छा प्रदर्शन कर सका।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपने परिवार, कोच, डाइटिशियन और रिलायंस फाउंडेशन को श्रेय देना चाहता हूं। सभी ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे बेहतरीन सुविधाएं दीं।'

# वास्तु अनुसार इन 7 कार्यों को करने से दुर्भाग्य रहेगा परिवार से दूर

वास्तु अनुसार घर में नकारात्मकता या नजर दोष गृह क्लेश का कारण बन सकता है। जिसके चलते छोटी-छोटी बातों पर परिवार में मनमुटाव बना रहता है। ऐसे में वास्तु के कुछ सरल उपायों से पुरानी नकारात्मकता और नजर दोष को दूर कर सकते हैं। जिससे घर में सुख-शांति बनी रहती है और बेडलक दूर रहता है। वास्तुशास्त्र में कुछ ऐसे उपाय और टिप्स बताए गए हैं जिन्हें करने से घर-परिवार में सुख शांति बनी रहती है और साथ ही, बेडलक दूर होता है। कई बार सबकुछ ठीक चलते हुए अचानक घर में लगातार परेशानियां आने लगती हैं, बनते काम रुक जाते हैं और घर की सुख-शांति भी भंग होने लगती है। मान्यता है कि ऐसा घर में मौजूद नकारात्मकता या नजर दोष के चलते हो सकता है। ऐसे में वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि वास्तु अनुसार कुछ विशेष कार्यों को करने से घर की पुरानी नकारात्मकता और नजर दोष को दूर किया जा सकता है। जिससे घर में सुख-शांति आती है और दुर्भाग्य दूर रहता है। आइए विस्तार से जानें घर में सुख-शांति के उपाय।

## मुख्य द्वार पर बनाएं स्वास्तिक

अगर घर-परिवार में छोटी-छोटी बातों पर आपसी मनमुटाव बना रहता है तो ऐसा नकारात्मकता या नजर दोष के चलते हो सकता है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, इसके लिए अपने घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर से स्वास्तिक बनाएं। इस उपाय को करने से घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है। साथ ही, इससे सकारात्मकता बढ़ती है और धीरे-धीरे घर-परिवार में भी आपको इस उपाय का लाभ नजर आने लगेगा।

## नमक के पानी से लगाएं पोछा

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए हफ्ते में दो या तीन बार पानी में खड़ा नमक या समुद्री नमक मिलाकर उससे पोछा लगाएं। नमक वाले पानी से पोछा लगाने से आसपास के वातावरण से पुरानी नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही, घर-परिवार का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें गुरुवार के दिन नमक वाला पोछा घर में नहीं लगाना चाहिए।

## घर में कपूर जलाएं

यदि कार्यों में बाधाएं आ रही हैं या तनाव बना रहता है, तो इसके लिए हर शाम कपूर एक छोटा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए नियमित रूप से शाम के समय अपने घर के हर कोने में एक कपूर जरूर जलाएं। साथ ही, अपने बेडरूम में भी एक कपूर जरूर जलाकर रखें। यह तनाव को कम करने में सहायक होता है और साथ ही, इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

## टपकता हुआ नल कराएं ठीक

अगर आपके घर में किचन, बाथरूम या किसी भी स्थान के नल से पानी टपकता रहता है, तो उसे तुरंत ठीक करवा लें। यह भी घर से सुख-समृद्धि और शांति जाने का कारण हो सकता है। क्योंकि, वास्तुशास्त्र में पानी की बर्बादी को धन बहने का प्रतीक माना गया है। ऐसे में नल ठीक करवाने से फिजूलखर्ची कम होने लगती है और परिवार से दुर्भाग्य दूर होता है।

## पानी के बर्तन से करें यह उपाय

घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तुशास्त्र में कई उपाय और टिप्स बताए गए हैं। इसके लिए आप एक मिट्टी या कांच के बर्तन में पानी भर लें और उसमें ताजे फूल डालें। इस पानी के बर्तन को उठाकर अपने मुख्य द्वार पर रख दें। मान्यता है कि ये घर में आने वाली नकारात्मकता को सोख लेती है जिससे बुरी और नकारात्मक ऊर्जा से घर-परिवार का बचाव होता है।

## घर में छिड़कें पीली सरसों

अगर आपको घर में नजर दोष लगने की आशंका है तो इसके लिए पीली सरसों का उपाय कर सकते हैं। गुरुवार के दिन अपने घर के चारों तरफ थोड़ी सी पीली सरसों लेकर छिड़क दें। इस उपाय को करने से नजर दोष दूर होने लगती है। साथ ही, रुके हुए कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं और काम तेजी से बनने शुरू हो सकते हैं।

## हाथी की मूर्ति रखें

घर से बेडलक दूर करने के लिए वास्तु अनुसार घर में कुछ चीजों को रखना बेहद शुभ माना जाता है। इन्हीं में से एक हाथी की मूर्ति रखना। मान्यता है कि घर के अंदर मुख किए हुए पीतल के हाथी का जोड़ा दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना चाहिए। इस उपाय को करने से परिवार के लोगों में आपसी प्रेम बढ़ता है। साथ ही, यह बेडलक को भी दूर करता है।

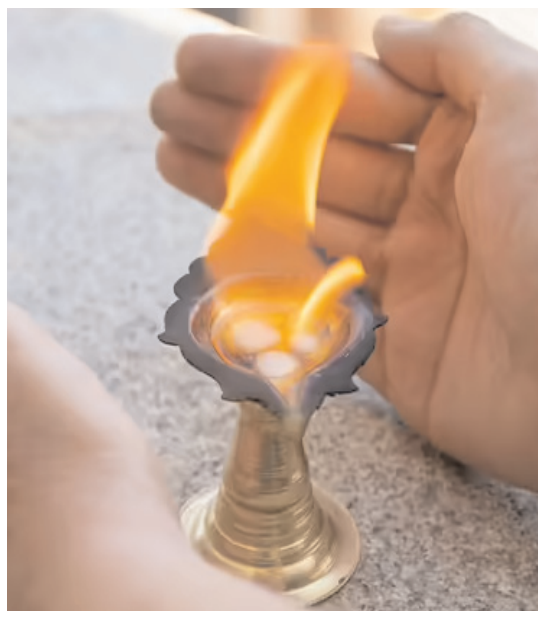

# पैसों को चुंबक की तरह खींचते हैं ये नंबर, न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट से जानें अपना लकी नंबर

अंक ज्योतिष में हर नंबर का अलग-अलग महत्व होता है। किसी नंबर की ऊर्जा आपको रातों रात जमीन से आसमान पर पहुंचा सकती है। ये लकी नंबर आपके करियर और व्यवसाय के लिए सफलता की सीढ़ी बनते हैं। ऐसे में आपके लिए ये जानना जरूरी है कि कौन सा नंबर आपके लिए शुभ रहेगा और आपकी सोई हुई किस्मत को जगाने का काम करेगा। हमारे जीवन में अंकों का बड़ा अधिक महत्व होता है। हर नंबर की अपनी एक एक खास ऊर्जा होती है, जो व्यक्ति के जीवन पर गहरा असर डाल सकती है। अंक ज्योतिष के अनुसार, किसी व्यक्ति की जन्मतिथि, लकी मोबाइल नंबर और लकी गाड़ी नंबर का प्रभाव उसके स्वभाव, करियर और सफलता पर पड़ता है। विशेषज्ञ की राय से सही नंबर का चुनाव व्यक्ति को मान-सम्मान और समाज में अलग पहचान दिलाने का काम करता है। जबकि, बिना सोचे-समझे नंबर का प्रयोग आपके लिए नुकसान का कारण भी बन सकता है।

अंक ज्योतिष में कुछ नंबर को बहुत की पावरफुल माना जाता है। ये नंबर व्यक्ति को रातों रात राजा बना सकते हैं। इसमें 1, 4, 5 और 8 नंबर को नाम और शोहरत दिलाने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। आइए जानते हैं कि कौन सा नंबर आपके लिए सफलता और तरक्की का रास्ता खोल सकता है।

## लकी नंबर 1

अंक ज्योतिष में एक नंबर को बेहद ही शक्तिशाली और सूर्य का नंबर माना जाता है। ये नंबर व्यक्ति को राजा की तरह जीवन प्रदान करता है और उसको समाज में प्रभावशाली बनाता है। इन लोगों का आत्मविश्वास बहुत ऊंचा होता है। ऐसे लोग नेम और फेम जल्दी हासिल कर लेते हैं। इनकी निर्णय लेने की क्षमता व्यवसाय और राजनीति जैसे क्षेत्रों में ऊंचाई पर ले जाती है।

## लकी नंबर 4

अंक ज्योतिष में चार नंबर को अचानक कामयाबी देने वाला नंबर माना जाता है। ये राहु का नंबर बी होती है। इस नंबर के लोग हमेशा कुछ अलग और हटके सोचते हैं। इन लोगों को जीवन में अचानक महत्वपूर्ण परिवर्तन और अवसर प्राप्त होते हैं। ये लोग अकसर मीडिया और रचनात्मक क्षेत्रों में तेजी से नाम कमाते हैं। ऐसे लोग रातें-रात पॉपुलर हो जाते हैं।

## लकी नंबर 5

पांच नंबर को धन को आकर्षित करने वाला नंबर मना जाता है। इसे बुद्धि, बैंकिंग और व्यापार के कारक ग्रहों के राजकुमार बुध का भी नंबर माना जाता है। इस नंबर वाले लोग कैलकुलेशन और प्लानिंग में बहुत तेज होते हैं। इनकी कम्युनिकेशन स्किल भी बहुत मजबूत होती है। बिजनेस और फाइनेंस के मामले में इनका दिमाग बहुत तेजी से चलता है।

## लकी नंबर 8

आठ नंबर को शनि का नंबर माना जाता है। ये नंबर कड़ी मेहनत करने वालों को बड़ी कामयाबी दिलाता है। ऐसे लोग धीरे-धीरे कामयाबी पाते हैं और आगे चलकर बड़े बिजनेसमैन और प्रभावशाली बनते हैं। ये नंबर व्यक्ति को जीरो से हीरो बनने की ताकत रखता है।

# क्या कहते आपके सितारे

**मेष**

आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में सौम्यता बनाए रखने के लिए रहेगा। आपको परिवार में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती हैं, जिससे आप घबराएंगे नहीं। परिवार में कोई शुभ और मांगलिक कार्यक्रम होने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी और ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि धन उधार लेंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे।

**वृषभ**

आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको कोई पुरानी समस्या के बढ़ने से आपको डॉक्टर के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। आपका कोई पुराना लेन-देन चुकता होगा। यदि आप काम को लेकर कोई बैंक लोन दे रहे हैं, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। आपको अपने व्यवसाय के कामों में कोई बदलाव बहुत ही सोच समझकर करने की आवश्यकता है।

**मिथुन**

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपनी किसी गलती को छुपाने के लिए कार्यक्षेत्र में कोई झूठ बोल सकते हैं, जो आपके सामने आ सकता है। आपके मन में उलझनें रहने से आप परेशान रहेंगे। आप किसी से मांगकर वाहन न चलाएं, क्योंकि अक्समात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप अपने किसी दूर रहे परिजन से फोन कॉल के जरिए कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है।

**कर्क**

आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप कोई कदम बहुत ही सोच समझकर उठाएं। यदि आपको शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करना है, तो उसके लिए आपको मार्केट की चालों को ध्यान में रखकर इन्वेस्टमेंट करना बेहतर रहेगा। आपकी संतान आपको किसी नई चीज की फरमाइश कर सकती है। आपको धन को लेकर यदि कोई काम रुका हुआ था, तो वह पहले पूरा होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेंगी

**सिंह**

आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपकी अपने भाई बहनों से भी प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद-विवाद हो, तो उसमें आप अपने पिताजी से सलाह मशवरा अवश्य करें। आप किसी नए घर आदि की खरीदारी कर सकते हैं। आप अपनी इनकम को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देंगे। आपका कोई पुराना लेनदेन यदि ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से चल रहा था, तो उसे भी आप आसानी से दूर करने की कोशिश करेंगे।

**कन्या**

आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आप कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। सरकारी काम यदि आपका रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत खराब रहेगी। जो आपकी टेंशनों का कारण बनेगी। आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। आपको परिवार में बड़े बुजुर्गों की सेवा करने के लिए भी कुछ समय निकालना होगा।

**तुला**

आज का दिन आपके लिए आय के सोर्सो को बढ़ाने वाला रहेगा। आपका डूबा धन आपको मिल सकता है और प्रॉपर्टी में आप थोड़ा सोच समझकर कदम बढ़ाएं। आपके साथ कोई धोखा होने की संभावना है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। संतान को आप किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाएंगे। आपकी अपने बॉस से किसी बात को लेकर झड़प हो सकती है, जिसका असर आपके कामों पर भी पड़ेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को ढील बिल्कुल ना दें।

**वृश्चिक**

आज आपको कोई निर्णय बहुत ही सोच समझकर लेना होगा। परिवार में यदि कोई वाद-विवाद लंबे समय से पैर पसारे हुआ था, तो उसके लिए आप अपने वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। धार्मिक कामों के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको अपने परिवार के सदस्यों को लेकर किसी पिकनिक पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं, लेकिन आप उसमें एकजुटता बनाए रखें।

**धनु**

आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप दोस्तों के साथ कुछ समय कहीं घूमने फिरने जा सकते हैं। आप जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज पार्टी प्लान कर सकते हैं। आपके ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से कोई भी ऐसी बात ना बोले, जिससे कि आपके आपसी रिश्ते खराब हो। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको अपनी इनकम को लेकर थोड़ा सावधान रहना होगा। किसी अजनबी से कोई लेनदेन ना करें।

**मकर**

आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। यदि आप किसी संपत्ति की खरीद फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी और किसी कानूनी मामले में भी आपको जीत मिलेगी। आप अपने परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को लेकर परेशान रहेंगे। आप अपने पिताजी से कामों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

**कुंभ**

आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिसमें आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आपको संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। आप किसी गलत काम की तरफ अग्रसर हो सकते हैं। आप अपने बॉस की किसी गलत बात पर हां में हां ना मिलाएं। आपको परिवार में किसी सदस्य से बेवजह की बहस हो सकती है।

**मीन**

आज का दिन आपके लिए निराशाजनक रहने वाला है। आपको बिजनेस में नुकसान होने से आपका मन परेशान रहेगा। संतान को किसी नई नौकरी के मिलने से कहीं बाहर जा सकते हैं। विधार्थियों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। आपका कोई काम पूरा होते होते रह सकता है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। माताजी से यदि आप कोई वादा करें, तो आपको उसे समय रहते पूरा करना होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### आग लगने पर घबराने की जगह परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं

**गाजियाबाद, एजेंसी।** बढ़ती गर्मी के साथ आग लगने की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से दैनिक जागरण ने दमकल विभाग के सहयोग से 'सुरक्षित समाज, सुरक्षित कल' अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में शनिवार को राजनगर एक्सटेंशन स्थित वीवीआईपी सोसायटी में अग्नि सुरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सोसायटी के निवासियों, महिलाओं और मेंटेनेंस स्टाफ को आग से बचाव और आपात स्थिति से निपटने के तरीके सिखाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अग्नि सुरक्षा अधिकारी शेषनाथ यादव ने लोगों को आग लगने के प्रमुख कारणों और उससे बचने के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकांश आग की घटनाएं लापरवाही और विद्युत उपकरणों की समय पर जांच न होने के कारण होती हैं। ऐसे में एसी और बिजली के उपकरणों की नियमित सर्विस कराना बेहद जरूरी है। साथ ही घर से बाहर जाते समय मुख्य स्विच बंद कर देना चाहिए। एफएसओ ने लोगों को बताया कि किचन में सिलिंडर प्रयोग के बाद रेग्यूलेटर बंद करना चाहिए और चिमनी की समय-समय पर सफाई व सर्विस करानी चाहिए। मंदिर में जलने वाले दीयों को बड़ी थाली में या बालकनी जैसे सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई। उन्होंने लोगों से नजदीकी फायर स्टेशन और कंट्रोल रूम का नंबर मोबाइल में दर्ज रखने की अपील भी की। प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिलाओं और मेंटेनेंस टीम को फायर एक्सटिंग्विशर और फायर होज पाइप के इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। छोटी घटनाओं में समय रहते सही कदम उठाकर बड़े हादसे को रोका जा सकता है। अग्नि सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि आग लगने पर घबराने के बजाय सबसे पहले खुद और परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना चाहिए। साथ ही लोगों को स्पष्ट रूप से बताया गया कि आग लगने की स्थिति में लिफ्ट का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

# पूरी हुई श्रमिकों की मांग, हर महीने कम से कम 23 हजार मिलेगी सैलरी

**बेंगलुरु, एजेंसी।** कर्नाटक सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में 60 फीसदी की बढ़ोतरी की है। अब यह सुनिश्चित हो सकेगा कि बेंगलुरु में श्रमिकों को हर महीने कम से कम 23,376 रुपये सैलरी मिल सकेगी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि राज्य की राजधानी में कुशल श्रमिक हर महीने 31,114 रुपये पाने के हकदार होंगे। यह जानकारी साझा करते हुए, श्रम मंत्री संतोष लाड ने शनिवार को इस कदम को पूरे कर्नाटक में श्रमिक समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति बताया।

कर्नाटक के अन्य हिस्सों में संशोधित दरें हर महीने 19,300 रुपये से 21,251 रुपये के बीच होंगी। मंत्री ने कहा कि संशोधित मज़दूरी अधिसूचना राज्य भर में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के साथ-साथ कुछ खास क्षेत्रों के कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी, और साथ ही पहली बार लाखों मजदूरों को एक एकीकृत ढांचे के तहत लाएगी।

लाड ने एक्स पर कहा, 'हमारी सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसके तहत मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी में 60 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इसके जरिए, हमारी सरकार ने राज्य के श्रमिक समुदाय की एक लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है।'' उन्होंने कहा कि मजदूरी में यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार किया गया है और यह राज्य के श्रम ढांचे में एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधार है। सुरक्षा प्रदान करेगा। न्यूनतम मजदूरी तय करते समय, इस बदलाव को लागू करने में माननीय सुप्रीम कोर्ट की बेंच के निर्देशों का पालन किया गया है।'' मंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले की चार-जोन वाली वर्गीकरण प्रणाली को भी बदलकर एक एकीकृत नोटिफिकेशन लागू किया है, जिसमें सभी निर्धारित रोजगार शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, पहले के चार जोन वाले वर्गीकरण के बजाय, पहली बार सभी निर्धारित रोजगारों को एक ही नोटिफिकेशन के तहत लाया गया है।'' लाड के अनुसार, संशोधित वेतन ढांचे से कर्नाटक भर में 81 निर्धारित व्यवसायों में कार्यरत लाखों श्रमिकों को सीधे तौर पर लाभ होगा। मंत्री ने श्रम विभाग के इस फैसले का समर्थन करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनके डिप्टी डी.के. शिवकुमार, कैबिनेट सहयोगियों और विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

# बंगाल के मुर्शिदाबाद में आरोपित को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला, 10 हिरासत में

**कोलकाता, एजेंसी।** बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सख्त संदेश के बाद भी पुलिस पर हमले की घटना रूक नहीं रही है। इसी क्रम में राज्य के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल में एक आरोपित को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना में एक अधिकारी सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस के कब्जे से आरोपित को भी छुड़ा लिया, जिसके बाद वह मौके से फरार हो गया। हमले और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि मुख्य आरोपित समेत अन्य हमलावरों की तलाश जारी है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कूचियामोड़ा इलाके का निवासी आजमत शेख, जिसके खिलाफ एक हथियार मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी है, इलाके की एक चाय की दुकान पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंची और आरोपित को हिरासत में लेकर वाहन में बैठाने लगी। इसी दौरान कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया और उनके साथ धक्का-मुक्की तथा मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने पुलिस के कब्जे से आरोपित को छुड़ा लिया, जिसके बाद वह फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डोमकल थाने से

अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया। रातभर चली कार्रवाई में 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस फरार मुख्य आरोपित आजमत शेख और अन्य हमलावरों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जिला पुलिस प्रशासन ने कहा है कि सरकारी काम में बाधा डालने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमले के मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। मालूम हो कि यह घटना शुभेंदु अधिकारी की उस सख्त चेतावनी के कई दिनों बात सामने आई है जब मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद 16 मई को अपने पहले आधिकारिक जिला दौरे के दौरान दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने दोटूक लहजे में कहा था कि पुलिस पर हमले की कोई भी घटना अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### पुलिस पर हमले की कोई भी घटना अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी- सीएम

उन्होंने हाल में आमडंगा और आसनसोल की घटनाओं का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि पुलिस मार खाए, यह बात मेरे कान में नहीं आनी चाहिए।

### फरीदाबाद में घरेलू कलह के चलते मां ने बेटे को जहर देकर खुद भी दी जान, दो महीने पहले भी किया था प्रयास

**फरीदाबाद, एजेंसी।** गांव अनखीर में शनिवार को एक महिला द्वारा अपने एक वर्षीय बेटे को जहरीला पदार्थ देने के बाद खुद भी जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतकों की पहचान आरती और उसके बेटे हृदय के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक साइंस टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर बादशाह खान नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार आरती अपने पति निशांत और बेटे हृदय के साथ मकान की पहली मंजिल पर रहती थी। निशांत यथार्थ अस्पताल में लैब अटेंडेंट के रूप में कार्यरत है। शनिवार को वह ड्यूटी पर गया हुआ था। देर शाम जब वह घर लौटा तो कमरे में पत्नी और बेटे के शव पड़े मिले। दोनों के शरीर नीले पड़े हुए थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरती ने पहले बेटे को जहरीला पदार्थ दिया और बाद में खुद भी जहरीला पदार्थ निगल लिया। बताया गया है कि आरती मूल रूप से गांव पावटा की रहने वाली थी। करीब तीन साल पहले उसने निशांत से प्रेम विवाह किया था। दोनों पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में साथ पढ़ते थे, जहां दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में प्रेम संबंध हो गए। शुरुआत में दोनों परिवार इस विवाह के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन बाद में सहमति बनने पर दोनों का विवाह कर दिया गया था।

### शादी की हल्दी में मिलाया गया था घातक केमिकल आर्सेनिक, दुल्हन की मौत के बाद रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

**इंदौर, एजेंसी।** शादी की रस्मों के दौरान लगाई गई जिस हल्दी से तीन दूल्हों की तबीयत बिगड़ी व एक दुल्हन की मौत हो गई, उसमें आर्सेनिक पाया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा कराई गई सैंपल की जांच में पता लगा है कि हल्दी को बहुत अधिक चमकीला बनाने के लिए उसमें रंग मिलाया गया था, उस रंग में आर्सेनिक था। इस रंग का प्रयोग होली पर लोगों को लगाने में किया जाता है। बता दें कि पिछले महीने इंदौर में तीन दूल्हे और खरगोन जिले के कसरावद में दुल्हन की हल्दी की रस्म के बाद तबीयत बिगड़ गई थी। बाद में इलाज के दौरान दुल्हन की मौत हो गई थी। ऐसे और भी कुछ मामले इन जिलों में सामने आए थे। इसके बाद दोनों जिलों में प्रशासन ने बाजार में बिकने वाली खुली हल्दी और बिना ब्रांड वाले मसालों के सैंपल लेने के निर्देश दिए थे। उन सैंपल की भी रिपोर्ट आनी है। मामला इंदौर के दुधिया गांव का है। यहां के निवासी गोलू कौशल की शादी होने वाली थी। इससे पूर्व हल्दी की रस्म की गई। इसमें हल्दी लगाने के बाद इतनी बिगड़ गई थी कि इलाज के लिए शासकीय एमवाय अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। डॉक्टरों ने गंभीर एलर्जिक रिएक्शन पाया और इसके कारण वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। स्वजन के अनुसार, हल्दी लगाने के कुछ देर बाद ही गोलू को शरीर में जलन, खुजली और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। रस्म के दौरान लगाई गई हल्दी में ये केमिकल मिले थे डॉक्टरों के अनुसार, त्वचा में रिएक्शन के साथ ही श्वसन तंत्र में भी परेशानी हुई थी। हल्दी में किसी रासायनिक मिलावट की आशंका पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने हल्दी के सैंपल लिए थे। इसकी रिपोर्ट में पाया गया है कि रस्म के दौरान लगाई गई हल्दी में 0.22 एमजी आर्सेनिक, लीड 0.37 और 3.19 एमजी कॉपर था।चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिल शाह ने बताया कि हालांकि, इतनी कम मात्रा में आर्सेनिक से रिएक्शन के काफी कम मामले होते हैं, लेकिन अधिक मात्रा में प्रयोग से रिएक्शन संभव है।

# इलाज केंद्र में आगजनी के बाद 18 संदिग्ध मरीज लापता

**किंशासा, एजेंसी।** कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला वायरस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब गुस्साए लोगों ने इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए एक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। इस घटना के बाद 18 संदिग्ध मरीज वहां से भाग निकले और अब उनका कोई पता नहीं चल पाया है। यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा हमला है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं वायरस को और तेजी से फैलाने का खतरा बढ़ा रही हैं। इलाके में पहले से ही डर और तनाव का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय अस्पताल के निदेशक डॉ. रिचर्ड लोकुडी ने बताया कि मोंगबवालु शहर में शुक्रवार रात कुछ लोग इलाज केंद्र पहुंचे और वहां लगे एक टेंट में आग लगा दी। यह टेंट संदिग्ध और पुष्टि वाले इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाया गया था। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठन बिना सीमाओं के डॉक्टर की मदद से चलाया जा रहा था। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और मरीज जान बचाने के लिए बाहर भागने लगे। इसी दौरान 18 संदिग्ध मरीज लापता हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है क्योंकि संक्रमित लोग समुदाय में वायरस फैला सकते हैं।

लोगों में गुस्सा क्यों बढ़ रहा है?

इससे एक दिन पहले वांमपारा शहर में भी एक इलाज केंद्र को आग लगा दी गई थी। वहां एक व्यक्ति की इबोला से मौत का शक था और प्रशासन ने परिवार को शव ले जाने की अनुमति नहीं दी थी। इबोला से मरने वाले लोगों के शव बेहद संक्रामक माने जाते हैं और अंतिम संस्कार के दौरान वायरस फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से प्रशासन खुद अंतिम संस्कार करवा रहा है। लेकिन कई परिवार और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शनिवार को वांमपारा में भारी सुरक्षा के बीच इबोला मरीजों का सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया। सैनिकों और पुलिस की मौजूदगी में रेड क्रॉस के कर्मचारी सुरक्षा सूट पहनकर ताबूत

दफनाते दिखाई दिए। परिवार के लोग दूर खड़े होकर रोते रहे।

**विश्व स्वास्थ्य संगठन ने क्या चेतावनी दी?:** विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कांगो में इबोला का खतरा अब बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसके फैलने का खतरा अभी कम माना जा रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने बताया कि असली संक्रमितों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। यह वायरस बंडीबुग्यो प्रकार का दुर्लभ इबोला है, जिसका अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों के अनुसार शुरुआती मामलों की पहचान में देरी हुई, जिससे वायरस कई हफ्तों तक बिना पकड़े फैलता रहा।

**सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां क्या कदम उठा रही हैं?** – पूर्वोत्तर कांगो में प्रशासन ने 50 से ज्यादा लोगों के जुटने और अंतिम संस्कार सभाओं पर रोक लगा दी है।रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ने बताया कि उसके तीन स्वयंसेवकों की भी इबोला संक्रमण से मौत हुई है। अफ्रीका सीडीसी के प्रमुख डॉ. जीन कासेया ने कहा कि इस संकट से निपटने के लिए लोगों का भरोसा जीतना सबसे जरूरी है। स्वास्थ्य एजेंसियां लगातार लोगों को जागरूक करने और संक्रमण रोकने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन स्थानीय विरोध उनके सामने बड़ी चुनौती बनता जा रहा है

# फ्रांस ने इस्राइल के मंत्री इतामार बेन-गविर पर लगाया प्रतिबंध; गाजा बंदियों का मजाक उड़ाना पड़ा भारी

**पेरिस, एजेंसी।** फ्रांस ने इस्राइल के दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गविर के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए उनके देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। फ्रांस ने यह कार्रवाई गाजा फ्लोटिला के बंदियों के साथ कथित अपमानजनक व्यवहार और विवादित वीडियो सामने आने के बाद की है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि बेन-गविर का व्यवहार अकल्पनीय और अस्वीकार्य था। उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी और यूरोपीय नागरिकों के साथ इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब ऐसा किसी सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा किया गया हो। दरअसल, इस सप्ताह इतामार बेन-गविर द्वारा साझा किए गए कुछ वीडियो ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी। एक वीडियो में वह हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं के ऊपर बड़ा इस्राइली झंडा लहराते दिखाई दिए। वहीं दूसरे वीडियो में वह एक बंदी के सामने खड़े होकर यानी इस्राइल राष्ट्र जीवित है कहते नजर आए। एक अन्य वीडियो में कई बंदियों को जमीन पर झुकाकर बैठाया गया था, जबकि आसपास हथियारबंद सुरक्षाकर्मी मौजूद थे और इस्राइल का राष्ट्रगान बज रहा था। इन वीडियो के सामने आने के बाद मानवाधिकार संगठनों और कई देशों ने कड़ी आलोचना की। फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने कहा कि केवल फ्रांस ही नहीं, बल्कि यूरोपीय संघ को भी बेन-गविर के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देशों में हिरासत में लिए गए लोगों का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। हालांकि फ्रांस ने फ्लोटिला अभियान की भी आलोचना की।


किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉ क फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेंकड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनज़र समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- गोपाल न्यूज एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बाल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- नरेंद्र बुकसर शाप
मॉगफली चौक एन.आई.टी.नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192
3- दीक्षित न्यूज एजेन्सी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम
एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम
एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेंगा तो एसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।



आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी
एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग
हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से
मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा